रांची एक्सप्रेस
61
साल से लगातार...
। जनपक्षीय पत्रकारिता।
देसी अंदाज
नया मिजाज

रांची एक्सप्रेस

1963 से लगातार आपकी सेवा में

epaper.theranchiexpress.com

वर्ष-02 | अंक-52 | कोलकाता, गुरुवार 18 अप्रैल 2024, संवत् 2079 | पृष्ठ-12

मूल्य 3 रु.

खेल बच्चों का मौलिक अधिकार...

बिना प्ले ग्राउंड वाले स्कूलों पर लगना चाहिए ताला

तिरुवंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि जिन स्कूलों में खेल के मैदान नहीं हैं, उन स्कूलों पर ताला लगाया जाना चाहिए। अदालत ने अहम टिप्पणी की कि खेल बच्चों का मौलिक अधिकार है और शिक्षा को सिर्फ कक्षाओं तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए। जिस तरह पठन-पाठन बच्चे

के लिए जरूरी है, बच्चे के लिए उतना ही जरूरी खेल शिक्षा भी है। इससे बच्चों के सर्वांगीण विकास की भावना को पूरा किया सकता है। न्यायमूर्ति पीवी कुन्हिकृष्णन मामले की सुनवाई कर रहे थे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि केरल में कई स्कूल प्रशासन राज्य शिक्षा नियमों (केईआर) के विपरीत कार्य कर रहे हैं। अदालत ने यह भी माना कि केईआर ने राज्य के स्कूलों में खेल के मैदानों में आवश्यक सुविधाओं को स्पष्ट नहीं किया है और यही वजह है कि स्कूल प्रबंधन द्वारा इसका फायदा उठाया जाता है।

वर्चुअल दुनिया में सियासत के अखाड़े जैसे दांव-पेंच

- लोकसभा चुनाव 2024 में ऑनलाइन गेम बना रहे सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 में जीत के लिए सियासी दल धरातल पर पूरा जोर लगा रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी चुनाव प्रचार जारी है। भारत में 19 अप्रैल से मतदान का प्रथम चरण शुरू होना है। इसके नतीजे चार जून को

आएंगे, लेकिन सियासत में रुचि रखने वाले लोग ऑनलाइन गेम खेलकर अपनी सरकार बना रहे हैं। वे अपनी पार्टी बनाते हैं, प्रत्याशी उतारते हैं और वोट भी मांगते हैं। एजेंडा तय करते हुए ऑनलाइन जनसभाएं तक कर रहे हैं। यही नहीं, वोटिंग के बाद सरकार भी चुनी जा रही है।

यूएन की रिपोर्ट- भारत की जनसंख्या 144 करोड़ से ज्यादा

- 77 साल में दोगुनी हुई, 14 साल तक के उम्र की आबादी करीब 35 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने इस साल के शुरुआत में सबसे ज्यादा 142.5 करोड़ आबादी वाले देश चीन को पीछे छोड़ा था। 2011 की जनगणना के मुताबिक, देश की कुल आबादी 121 करोड़ थी। यूनाइटेड नेशन्स की हेल्थ एजेंसी यूनाइटेड नेशन्स पॉपुलेशन फंड की लेटेस्ट रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत की जनसंख्या पिछले 77 सालों में दोगुनी हो चुकी है। यह 144.17 करोड़ पहुंच चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 2006-2023 के बीच 23 फीसदी बाल विवाह हुए हैं। साथ ही डिलीवरी के समय होने वाली महिलाओं की मौतों की संख्या में कमी आई है। भारत ने इस साल के शुरुआत में सबसे ज्यादा 142.5 करोड़ आबादी वाले देश चीन को पीछे छोड़ा था। 2011 की जनगणना के मुताबिक, देश की कुल आबादी 121 करोड़ दर्ज की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की कुल आबादी का 24 फीसदी हिस्सा 0-14 साल के लोगों का है। 15-64 साल की संख्या सबसे ज्यादा 64 फीसदी है।

रामनवमी पर अयोध्या में दिखा 'विज्ञान' का चमत्कार

- प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला का हुआ भव्य 'सूर्य तिलक'
- 12 बजते ही अभिजीत मुहूर्त में माथे पर पड़ीं नीली किरणें

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में बुधवार यानी 17 अप्रैल को रामनवमी पर दोपहर 12 बजे से रामलला का सूर्य तिलक हुआ। प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला का यह पहला सूर्य तिलक है। दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में रामलला का सूर्य तिलक किया गया और मस्तक पर 3 मिनट तक नीली किरणें पड़ीं। सूर्य तिलक के साथ ही रामलला का जन्म हो गया। मंदिर में आरती की गई। सूर्य तिलक के बाद कुछ देर के लिए रामलला का पट बंद कर दिया गया। इससे पहले जगद्गुरु राघवाचार्य ने 51 कलशों से भगवान रामलला का अभिषेक किया। आज सुबह 3.30 बजे मंदिर के कपाट खुल गए, आम दिनों में यह 6.30 बजे खुलते हैं। श्रद्धालु रात 11.30 बजे तक, यानी 20 घंटे दर्शन कर सकेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी टैबलेट में रामलला का सूर्य तिलक देखा। सूर्य तिलक के लिए अष्टधातु के 20 पाइप से 65 फीट लंबा सिस्टम बनाया गया। इसमें 4 लेंस और 4

मिरर के जरिए गर्भ गृह तक रामलला के मस्तक पर किरणें पहुंचाई गईं। अब तक 6 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंच चुके हैं। राम जन्मभूमि परिसर में लंबी लाइनें लगी हैं। राम पथ, भक्ति पथ और जन्मभूमि पथ पर काफी भीड़ है।

नंगे पैर और सीने पर हाथ, पीएम मोदी ने देखा सूर्य तिलक

अयोध्या में आज रामनवमी के मौके पर रामलला का भव्य 'सूर्य तिलक' का आयोजन हुआ। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम में चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। सभा को संबोधित करने के बाद उन्होंने हेलीकॉप्टर में इस अभिषेक को अपने टैब पर देखा। इस दौरान पीएम मोदी भावुक दिखे। उन्होंने अपने जूते उतार रखे थे और एक हाथ अपने सीने से लगाकर रामलला की अराधना करते दिखे। पीएम मोदी ने इस पल की दो तस्वीरें भी जारी की हैं। उन्होंने लिखा, नलबाड़ी की सभा के बाद मुझे अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक के अद्भुत और अप्रतिम क्षण को देखने का सौभाग्य मिला। श्रीराम जन्मभूमि का ये बहुप्रतीक्षित क्षण हर किसी के लिए परमानंद का क्षण है। ये सूर्य तिलक, विकसित भारत के हर संकल्प को अपनी दिव्य ऊर्जा से इसी तरह प्रकाशित करेगा। आपको बता दें कि अयोध्या में 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में नए मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की प्रतिष्ठा के बाद यह पहली रामनवमी है। दोपहर 12 बजे करीब सूर्य की किरणें रामलला के मस्तक पर पड़ीं और दर्पण व लेंस से जुड़े एक विस्तृत तंत्र द्वारा उनका सूर्य तिलक हुआ। इस प्रणाली का परीक्षण वैज्ञानिकों ने मंगलवार को किया।

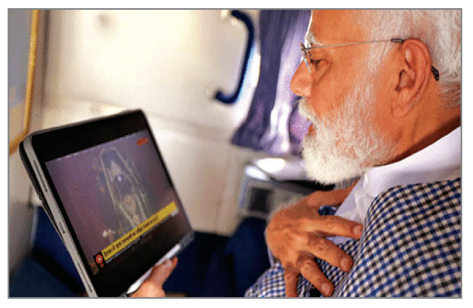

रेलवे का प्लान, अब भारत खुद बनाएगा बुलेट ट्रेन

- शुरू की बड़ी तैयारी, फिलहाल जापानी तकनीक की ले रहा मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। वंदे भारत एक्सप्रेस के बाद अब भारत स्वदेशी बुलेट ट्रेन की भी तैयारी कर रहा है। कहा जा रहा है कि प्रस्तावित ट्रेन की भारत की सबसे तेज रेलगाड़ी होगी। फिलहाल, इसकी डिजाइन पर काम जारी है।

खासबात है कि विश्व स्तर पर 250 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ने वाली रेलगाड़ियों को हाईस्पीड ट्रेन कहा जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, एक अधिकारी ने कहा, इसे वंदे भारत प्लेटफॉर्म पर तैयार किया जा रहा है, जो पहले ही 220 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार को छू सकती है। चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में डिजाइन पर काम किया जा रहा है। ये ट्रेन किसी भी ट्रेन से तेज होंगी।

पहले तो 180 का अनुमान था, अब 150 सीट पर ही सिमटेगी बीजेपी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बड़ा दावा, कहा-बीजेपी के खिलाफ अंडर करंट है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने गाजियाबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस की और भाजपा पर खूब हमला बोला। इस दौरान राहुल गांधी ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि पहले तो मुझे लगता था कि भाजपा को लोकसभा चुनाव में करीब 180 सीटें मिल जाएंगे, लेकिन अब लगता है कि ये लोग 150 पर ही सिमट जाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष के इंडिया गठबंधन के पक्ष में खामोश लहर है। इस दौरान राहुल गांधी ने अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मैं पार्टी के फैसले का पालन करूंगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी पूछा गया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने आप पर तंज कसा है कि एक नेता एक झटके में गरीबी खत्म करने का दावा कर रहे हैं। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि गरीबी एक झटके में खत्म करने की बात किसी ने नहीं कही लेकिन हमारे पास फॉर्मूला है, जिससे देश में गरीबी और असमानता खत्म हो सकती है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने देश के संसाधनों को 22 से 25 लोगों के बीच

ही बांट दिया है। उसे हमको खत्म करना है और हर समाज की भागीदारी बढ़ानी है। इससे गरीबी अपने आप खत्म होने लगेगी। इसी मंशा से हम जातिगत जनगणना की मांग भी कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा तो संविधान तक खत्म करना चाहती है। उन्होंने कहा कि यह विचारधारा का चुनाव है, भाजपा संविधान को खत्म करना चाहती है, 'इंडिया' गठबंधन इसकी रक्षा कर रहा है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लोकसभा चुनाव में एक भी वोट बंटे नहीं। वहीं अखिलेश यादव ने कहा कि हम गाजियाबाद में इसलिए प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं क्योंकि यह यूपी का बॉर्डर है।

शंभू बॉर्डर पर किसानों ने किया रेलवे ट्रैक जाम

बैरिकेडिंग तोड़ी, पुलिस से धक्कामुक्की, 34 ट्रेन प्रभावित, 11 कैंसिल हुईं

अंबाला (एजेंसी)। पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसानों ने शंभू रेलवे स्टेशन पर रेलवे ट्रैक जाम कर दिया है। बॉर्डर पर नेशनल हाईवे बंद कर डटे किसान शंभू बॉर्डर के पास ही रेलवे ट्रैक पर बैठ गए हैं। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिससे पुलिस-किसानों की धक्कामुक्की हुई। मगर, किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और ट्रैक पर बैठ गए। किसान सरकार से युवा नेता नवदीप सिंह जलबेड़ा समेत 3 किसानों की रिहाई की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में पहले उनकी हरियाणा और पंजाब सरकार से मीटिंग हुई थी, जिसके बाद रिहाई का भरोसा मिला था। जिसके बाद किसानों ने सरकार को 16 अप्रैल तक का समय दिया था। सरकार ने रिहाई नहीं की तो वे ट्रैक पर उतर आए। किसानों के प्रदर्शन के चलते 34 ट्रेन प्रभावित हुई हैं। 11 ट्रेनों को पूरी तरह से कैंसिल किया गया है, जबकि कई ट्रेनों के रूट डायवर्ट किए गए हैं तो कुछ के रूट शॉर्ट किए गए हैं। किसान नेता जगजीत

डल्लेवाल ने कहा कि सरकार ने भरोसा देकर भी उन्हें रिहा नहीं किया। हमारा किसान साथी जेल में मरणव्रत पर बैठा है। जब तक सरकार उसे रिहा नहीं करती, हम ट्रैक खाली नहीं करेंगे।

मोदी बोले- असम को कांग्रेस ने 'पंजे' में जकड़ा था

विपक्ष ने नॉर्थ-ईस्ट में अलगाववाद को खाद-पानी दिया, मोदी ने गले लगाया

गुवाहाटी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को असम और त्रिपुरा दौरे पर हैं। उन्होंने असम के नलबाड़ी में चुनाव रैली को संबोधित करते हुए कहा- कांग्रेस ने सियासी फायदे के लिए असम को अपने पंजे में जकड़ रखा था। ताकि उनके लिए लूट और भ्रष्टाचार के रास्ते खुले रहें। अब ये पंजा खुल गया है। असम में सबका साथ और सबका विकास हो रहा है। मोदी ने कहा- जिस नॉर्थ-ईस्ट को कांग्रेस और विपक्ष ने समस्याएं दीं, अलगाववाद को खाद-पानी दिया। उस नॉर्थ-ईस्ट को मोदी ने गले लगाया। जो

कांग्रेस के 60 वर्षों में नहीं हुआ, वह मोदी ने 10 साल में किया। मोदी जिस समय भाषण दे रहे थे, उसी समय अयोध्या के राम मंदिर में रामलला का सूर्यतिलक हो रहा था। मोदी ने फोन की फ्लैश लाइट जला कर लोगों से सूर्य तिलक के कार्यक्रम से जुड़ने का आह्वान किया। सभा के बाद उन्होंने टैबलेट पर सूर्यतिलक देखा और सोशल मीडिय प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें पोस्ट कीं। नलबाड़ी के बाद मोदी त्रिपुरा के अगरतला में रैली को संबोधित करेंगे। वे मंगलवार को देर शाम गुवाहाटी पहुंचे थे। उन्होंने वहां रोड शो के दौरान लोगों का अभिवादन किया। वे रात में गुवाहाटी में ही रुके थे। एनडीए सरकार की योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं होता। योजनाओं का लाभ हर किसी को मिलता है। अब एनडीए ने ठाना है कि देश के हर नागरिक तक पहुंचकर जिस सुविधा का वो पात्र है, वो सुविधा उसे दी जाएगी। अब 70 साल के ऊपर के बुजुर्गों की सेवा आपका बेटा मोदी करेगा। इन्हें 5 लाख तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। आपका बिजली बिल जीरो आए, इसलिए कम दाम पर सोलर पैनल दिए जाएंगे। इसके अलावा हमने लक्ष्य रखा है 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाएंगे। हमने खरीफ फसलों का एमएसपी बढ़ाया है।

दावा: भारत में बीजेपी एक बार फिर करेगी सत्ता में वापसी

- अमेरिकी एक्सपर्ट की भविष्यवाणी, कहा-पीएम मोदी की व्यक्तिगत लोकप्रियता और बढ़ी

वाशिंगटन (एजेंसी)। दक्षिण एशिया मामलों के एक प्रख्यात अमेरिकी विशेषज्ञ और स्तंभ लेखक का कहना है कि भारत में यह यकीनन मोदी युग है और देश में होने जा रहे लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी की स्थिति स्पष्ट तौर पर मजबूत है।

उनका कहना है कि वह तीसरी बार सत्ता में वापसी करेगी। वॉल स्ट्रीट जर्नल के लिए दक्षिण एशिया मामलों के स्तंभकार तथा थिंक टैंक अमेरिकन इंटरप्राइज इंस्टीट्यूट से जुड़े सदानंद धूमे ने एक साक्षात्कार में यह बात कही। धूमे ने कहा कि भारत में यह मोदी युग है। उन्होंने कहा,भारतीय संदर्भों में निस्संदेह यह मोदी युग है। जैसे 2015 से अमेरिकी राजनीति में ट्रंप युग रहा है, भले ही वह सत्ता में हों या नहीं हों। भारत में लगभग 2013 से स्पष्ट तौर पर मोदी युग है...। उन्होंने कहा, आप चाहें उन्हें पसंद करें या उनसे घृणा करें लेकिन वह राष्ट्रीय चर्चा के केन्द्र में हैं। अगर आप इंदिरा गांधी के समय से लेकर अब तक की राजनीति पर नजर दौड़ाएं तो आप पाएंगे कि मोदी जैसा कोई नेता नहीं है।

रामनवमी उत्सव

गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी ने की मातृ शक्ति की आराधना

कन्याओं के पांव पखारे, आरती उतारी और कराया भोजन

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरक्षपीठाधीश्वर ने सबसे पहले कुंवारी कन्याओं के पांव धोये। उनके माथे पर रोली, चंदन, अक्षत आदि का तिलक लगाया। चुनरी ओढ़ाकर एवं दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने सभी कुंवारी कन्याओं व बटुकों की श्रद्धाभाव से आरती भी उतारी। पूजन के बाद इन कन्याओं को मंदिर की रसोई में पकाया गया ताजा भोजन प्रसाद योगी ने अपने हाथों से परोसा। कन्याओं के अतिरिक्त बड़ी संख्या में पहुंचे बटुकों को भी श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर उपहार व दक्षिणा दिया गया। कन्या पूजन के दौरान सीएम योगी ख्याल रखते रहे कि किसी भी कन्या या बटुक की थाली में भोजन प्रसाद की कोई कमी न रहे। इसे लेकर वह मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों को निर्देशित करते रहे। पूजन के दौरान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी

कमलनाथ समेत कई लोग उपस्थित रहे। कन्या पूजन के बाद योगी ने प्रदेशवासियों को वासंतिक नवरात्र और श्रीरामनवमी की शुभकामनाएं दीं। योगी ने कहा कि वासंतिक नवरात्र में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी की तिथि तक आदिशक्ति मां भगवती के अलग अलग स्वरूपों का अनुष्ठान आज नवदुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पूजन के साथ संपन्न हुआ है। नवरात्र प्रकृति और परमात्मा से जुड़ाव की अद्भुत परंपरा है। उन्होंने आदिशक्ति मां भगवती से चराचर जगत के कल्याण की कामना की। वासंतिक नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन का अनुष्ठान पूर्ण करने के बाद मुख्यमंत्री मंदिर परिसर स्थित रामदरबार पहुंचे। उन्होंने पालने में विराजमान प्रभु श्रीराम के बाल स्वरूप के विग्रह की वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा अर्चना की। प्रभु विग्रह को तिलक लगाने और माल्यार्पण करने के बाद आरती उतारी। पूजन का अनुष्ठान पूर्ण करने के साथ सीएम योगी ने बाल स्वरूप भगवान को पालने में झुलाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम से लोकमंगल की प्रार्थना की। योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्श हजारों वर्षों बाद आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने त्रेतायुग में थे। श्रीराम धर्म के साक्षात प्रतीक हैं। मर्यादा के आदर्श हैं। परमात्मा स्वरूप परमपुरुष हैं। हर क्षेत्र में उनके द्वारा स्थापित आदर्श हम सभी को पारिवारिक, सामाजिक और राष्ट्रीय कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा देते हैं।

सिटीजन एक्शन पार्टी और भाजपा को आगामी विधानसभा चुनावों के नतीजों पर असर पड़ने की उम्मीद

कोलकाता,एजेन्सी। सिक्किम में दो अपेक्षाकृत छोटी पार्टियां सिटीजन एक्शन पार्टी और भाजपा के आगामी विधानसभा चुनावों के नतीजों पर असर पड़ने की उम्मीद है, क्योंकि इस हिमालयी राज्य में 32 सीटों वाली विधानसभा और एकमात्र लोकसभा सीट के लिए 19 अप्रैल को मतदान होगा। पवन चामलिंग के सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के पूर्व नेता गणेश राय ने जनवरी 2023 में सिक्किम की राजनीति को नए आविष्कार करने के लिए सीएपी का गठन किया। भाजपा, जिसने 2019 के विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीती, मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के समर्थन से उप-चुनावों में दलबदल और जीत के माध्यम से 12 विधायकों को एक साथ लाने में कामयाब रही।). हालाँकि, इस चुनाव में भाजपा ने एसकेएम के साथ अपना गठबंधन तोड़ने और अकेले लड़ने का फैसला किया।

सीएपी और भाजपा प्रत्येक 32 विधानसभा सीटों में से 30 पर चुनाव लड़ रहे हैं और उनका प्रदर्शन मैदान में दो प्रमुख अभिनेताओं, एसकेएम और एसडीएफ के भाग्य को बदल सकता है। केवल 4.6 लाख मतदाताओं के साथ सिक्किम भारत में सबसे कम चुनावी ताकतों में से एक है और यह चुनाव परिणाम में बदलाव के पीछे एक कारण हो सकता है। 2019 सिक्किम विधानसभा परिणाम बताते हैं कि अधिकांश सीटों पर जीत का अंतर बहुत कम रहा है। यांगथांग में जीत का अंतर 47 वोट था, मार्टम-रुमटेक में 73 वोट था, योकसम-ताशीडिंग में 79 वोट था, सालगारी-जूम में 93 वोट था, और बारफंग में 97 वोट था। 11 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत का अंतर 500 वोटों से कम था और 500 से 1,000 वोटों के बीच था। नौ निर्वाचन क्षेत्र. 2019 में 32 में से 20 सीटों (विधानसभा के आधे से अधिक) का फैसला 1,000 से कम वोटों से होने के साथ, यह देखना दिलचस्प होगा कि इस बार नतीजों पर सीएपी और भाजपा का किस तरह का प्रभाव पड़ेगा , सिक्किम के एक पर्यवेक्षक ने कहा। 2019 में, हालांकि एसकेएम ने 17 सीटें जीतीं, लेकिन उसका वोट शेयर 47.03 प्रतिशत था, जो एसडीएफ के 47.63 प्रतिशत से थोड़ा कम था, जिसने 15 सीटें जीती थीं। पर्यवेक्षक ने कहा, 2019 के विपरीत, एसकेएम और एसडीएफ के अन्य विकल्प इस बार थोड़े मजबूत हैं। सीएपी और भाजपा की ताकत बढ़ने से इस बार एसकेएम और एसडीएफ के लिए मुकाबला कड़ा हो सकता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि एसकेएम सरकार ने गोले के साथ कई जमीनी स्तर के आउटरीच कार्यक्रमों के साथ कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं, लेकिन ऐसे संकेत हैं कि सत्तारूढ़ पार्टी के लिए यह आसान नहीं होगा। सीएपी और बीजेपी के वोट नतीजे बदल सकते हैं, गंगटोक के एक निवासी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा। सिक्किम एक शांतिपूर्ण राज्य रहा है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसमें वृद्धि हुई है राजनीतिक हमलों में, जो मतदाताओं को पसंद नहीं आया। एसडीएफ शासन के दौरान पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के.एन. राय पर पिछले महीने नामची में हमला हुआ था. अप्रैल 2023 में सिंगतम में राज्य सरकार के आलोचक केशव सपकोटा पर हमले के एक वीडियो ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया। पूरे सिक्किम में विपक्ष की रैलियों के दौरान उनके नेताओं और समर्थकों पर हमले जारी हैं। फिलहाल, यह सरकार नहीं बल्कि सिक्किम में माफिया सक्रिय है। सरकार सबके लिए होनी चाहिए, किसी को इससे डरना नहीं चाहिए.... आज भ्रष्टाचारी, चोर, पथराव करने वाले, घरों पर हमला करने वाले और वाहनों में आग लगाने वाले लोग सिक्किम में सबसे सुरक्षित लोग हैं। जो लोग कहते हैं कि पथराव नहीं करना चाहिए, सिर नहीं फोड़ना चाहिए, वे असुरक्षित हैं, सीएपी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार गणेश राय ने कहा। हालाँकि, एसकेएम का मानना है कि उनके कल्याणकारी उपायों से पार्टी को इस चुनाव में जीत हासिल करने में मदद मिलेगी। सिक्किमय जनता (सिक्किम के लोगों) ने अपना मन बना लिया है। सिक्किम की जनता पिछले पांच वर्षों में एसकेएम सरकार द्वारा किए गए कार्यों को समझ गई है। गोले ने कहा, सिक्किम के लोग एसकेएम को दिल से प्यार करते हैं। हालांकि, राय ने आरोप लगाया कि केवल एसकेएम पार्टी कैडर ही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा पाए हैं और योग्य लोगों को कुछ नहीं मिला है।

अभिषेक बनर्जी ने उठाया 10 साल का ट्रेलर, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि को रेखांकित किया

कोलकाता,एजेन्सी। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को आम चुनाव अभियान के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गढ़ा गया एक शब्द 10 साल का ट्रेलर उठाया और एलपीजी सहित आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में

अभूतपूर्व वृद्धि को रेखांकित किया। 10 साल के ट्रेलर के दौरान, आपने देखा है कि एलपीजी से लेकर लहसुन से लेकर पेट्रोलियम ईंधन तक विभिन्न वस्तुओं की कीमतें कैसे आसमान छू रही हैं। क्या आप पूरी फिल्म देखना चाहते हैं या बदलाव चाहते हैं? कूच बिहार में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए अभिषेक ने पूछा। अपने अभियान के दौरान, मोदी, जो मंगलवार को भी उत्तर बंगाल में थे, ने दावा किया कि वह अगले पांच वर्षों में विकास के लिए काम करना जारी रखेंगे, जबकि उनके 10 साल के लंबे कार्यकाल का प्रदर्शन सिर्फ एक ट्रेलर था। . डायमंड हार्बर सांसद ने यह साबित करने की कोशिश की कि भाजपा की योजना लक्ष्मीर भंडार को रोकने की है, जो कि राज्य भर में महिलाओं को तृणमूल सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली मासिक वित्तीय सहायता है। अभियान के दौरान तृणमूल द्वारा इस योजना पर प्रकाश डाला जा रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि अप्रैल से सहायता में वृद्धि हुई है। उन्होंने कूच बिहार की एक महिला भाजपा नेता को दिखाते हुए एक वीडियो क्लिप चलाया और दावा किया कि भाजपा लक्ष्मीर भंडार को रोकना चाहती है। भाजपा की यह महिला नेता कह रही है कि अगर भाजपा 35 एमपी सीटें हासिल कर लेती है, तो वे तीन महीने के भीतर लक्ष्मीर भंडार को बंद कर देंगे। यह भाजपा के जनविरोधी रुख को साबित करता है। जिस पार्टी के विधायकों को आपने चुना है, वे विकास के लिए केंद्रीय धन को रोकने में सहायक थे, अभिषेक ने कहा। उन्होंने मोदी की गारंटी की कहानी पर भी पलटवार किया और इसे खोखला वादा करार दिया। डायमंड हार्बर के सांसद ने कहा, आपको यह तय करना होगा कि क्या आप मोदी की गारंटी पर विश्वास करेंगे, जो एक खोखला वादा है या दीदी की गारंटी पर, जिन्होंने उत्तर बंगाल में व्यापक विकास किया है और लोगों को कई लाभ भी पहुंचाए हैं। अलीपुरद्वार में अभिषेक ने प्रकाश चिक बड़ाईक के समर्थन में एक रोड शो किया, जिन्हें पार्टी ने इस सीट से मैदान में उतारा है। 10,000 से अधिक लोग एकत्र हुए और मार्च में चले, जिसने लगभग 2.5 किमी की दूरी तय की। उनीश एर बोडला, उनिशे अप्रैल (19 अप्रैल को 2019 का प्रतिशोध), लोगों से भाजपा को करारा जवाब देने का आग्रह करते हुए कहा, जिसके सांसदों और विधायकों ने क्षेत्र के लिए कुछ नहीं किया। गोरखा आबादी वाले अलीपुरद्वार में, अभिषेक ने 11 पहाड़ी समुदायों को एसटी का दर्जा देने का मुद्दा उठाया, जो गोरखाओं की एक पुरानी मांग थी जिसे केंद्र ने अब तक पूरा नहीं किया है।

भाजपा को मछली खाने पर भी है आपत्ति , भाजपा को घेरने की कोशिश में CM ममता बनर्जी

कोलकाता,एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मछली वाले बयान को लेकर बंगाल में चुनावी माहौल गरमा गया है। तृणमूल कांग्रेस को मानों एक बड़ा मुद्दा हाथ लग गया है। वह इसे बंगालियों की भावनाओं से जोड़ने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री व तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी से लेकर तमाम नेता इसे लेकर भाजपा को घेरने में जुट गए हैं।

भोजन में क्या खाएंगे, वह ही तय करेगी

मालूम हो कि पीएम मोदी ने राजद नेता तेजस्वी यादव के नवरात्र के समय मछली खाने वाले वीडियो को जान-बूझकर लोगों की भावनाओं को आहत करने वाला बताया था। उत्तर बंगाल में चुनाव प्रचार कर रहीं ममता ने मंगलवार को कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि किसी के मछली खाने पर भी भाजपा को आपत्ति है। भाजपा अगर फिर से केंद्र की सत्ता में आ गई तो लोग दिन और रात के भोजन में क्या खाएंगे, वह ही तय करेगी। वहीं अभिषेक ने कहा कि प्रधानमंत्री को शायद इसकी जानकारी नहीं है कि बंगाल के घरों में होने वाले कुछ धार्मिक अनुष्ठान मछली-मांस के बिना अधूरे हैं।

चुनाव प्रचार के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हेलीकाप्टर की तलाशी: तृणमूल के राज्यसभा (रास) सदस्य डेरेक ओ ब्रायन ने अभिषेक के चुनाव प्रचार के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हेलीकाप्टर की तलाशी पर तंज कसते हुए कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारी क्या उसमें फिश सैंडविच तलाश रहे थे? बारासात से तृणमूल प्रत्याशी डा काकुली घोष दस्तीदार ने कहा कि मछली प्रोटीन का एक सस्ता स्त्रोत है। बंगाल की महिला व बाल विकास मंत्री डा शशि पांजा ने कहा मछली बंगाल के लोगों का मुख्य भोजन है। भाजपा इस बात को नहीं समझ रही तो वह हमपर शासन कैसे करेगी?

गुमराह कर रही तृणमूल

भाजपा के रास सदस्य शमिक भट्टाचार्य ने कहा- तृणमूल लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। पीएम मोदी के कहने का तात्पर्य यह था कि नवरात्र के समय बहुत से लोग मांसाहारी भोजन नहीं करते हैं। हम मछली खाने के विरुद्ध नहीं है।

पूरे पश्चिम बंगाल में मनाई गई रामनवमी,

सीएम ममता बनर्जी ने की शांति बनाए रखने की अपील

कोलकाता,एजेन्सी। बुधवार को पूरे पश्चिम बंगाल में रामनवमी जुलूस निकाले जाने के दौरान सत्तारूढ़ टीएमसी और विपक्षी भाजपा दोनों के नेताओं ने सैकड़ों प्रतिभागियों के साथ मार्च किया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रामनवमी के अवसर पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं और उनसे शांति बनाए रखने की अपील की. उन्होंने उनकी समृद्धि और विकास के लिए भी प्रार्थना की।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, राम नवमी के शुभ अवसर पर सभी को शुभकामनाएं। मैं सभी के लिए शांति, समृद्धि और विकास बनाए रखने की अपील करती हूं। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने शहर के न्यू टाउन इलाके में ऐसे ही एक रामनवमी जुलूस में भाग लिया, जबकि टीएमसी मंत्री अरूप रॉय और पार्टी के हावड़ा लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार प्रसून बनर्जी हावड़ा शहर में जुलूस के साथ चले। बैरकपुर में, भाजपा उम्मीदवार अर्जुन सिंह, जिन्होंने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी द्वारा उम्मीदवार के रूप में नजरअंदाज किए जाने के बाद टीएमसी छोड़ दी थी, ने एक और रामनवमी जुलूस का नेतृत्व किया।

बांकुरा, पुरुलिया, दुर्गापुर, आसनसोल और राज्य के अन्य स्थानों में भी जय श्री राम के नारे लगाते और भगवा झंडे और तलवारों की प्रतिकृतियां लिए युवाओं के साथ ढोल की उन्मादी धुनों के बीच इसी तरह के जुलूस देखे गए। प्रशासन द्वारा सार्वजनिक रूप से हथियारों के प्रदर्शन पर रोक लगाने के बावजूद, हावड़ा में रामनवमी के जुलूस में तलवारें प्रदर्शित की गईं। भाजपा उम्मीदवार रथिन चक्रवर्ती ने कहा कि रामनवमी के अनुष्ठानों के तहत देवी की पूजा हथियारों के साथ की जाती है जो प्रथागत है और इसमें कोई अवैधता नहीं है। भाजपा के बर्धमान उम्मीदवार दिलीप घोष ने भी दुर्गापुर में रामनवमी जुलूस में तलवार लहराई। टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने पिछले दो दिनों से आरोप लगाया था कि भाजपा 19 अप्रैल को पहले चरण के चुनाव से पहले दो समूहों के बीच झड़प के लिए रामनवमी उत्सव का इस्तेमाल करेगी और उनकी पार्टी के कैडर को शर्मिंदा करने के लिए एनआईए जांच का मार्ग प्रशस्त करेगी और लोगों को आगाह किया कि वे इसमें न पड़ें। बीजेपी के जाल में. अधिकारी और अन्य भाजपा नेताओं ने उनके आरोपों का दृढ़ता से खंडन किया और उन पर अशांति फैलाने के लिए भड़काऊ बयान देने का आरोप लगाया और जिम्मेदारी भाजपा पर डाल दी। जादवपुर लोकसभा सीट से टीएमसी उम्मीदवार सयानी घोष ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में रामनवमी रैली का नेतृत्व किया।

उन्होंने कहा, हम शांतिपूर्ण पूजा में विश्वास करते हैं, हम बाहुबल का प्रदर्शन करने में विश्वास नहीं करते। बीरभूम से टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय, जो फिर से चुनाव की मांग कर रही हैं, ने भी अपने निर्वाचन क्षेत्र में रामनवमी उत्सव का नेतृत्व किया। सीपीआई (एम) नेता तन्मय भट्टाचार्य ने भाजपा और टीएमसी दोनों पर प्रतिस्पर्धी सांप्रदायिकता की राजनीति का सहारा लेने का आरोप लगाया, जो राज्य की मित्रता के लिए खतरनाक है और कहा कि 10 साल पहले भी राज्य में रामनवमी इतने भव्य तरीके से कभी नहीं मनाई गई थी। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस और सुरक्षा बल निगरानी रख रहे हैं लेकिन अब तक स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है। इस अवसर पर राज्य में छोटे-बड़े सैकड़ों जुलूस निकाले गए।

देश में लोकतंत्र नहीं बचेगा- मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

नई दिल्ली/कोलकाता,एजेन्सी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पूरे देश को ''डिटेंशन कैंप'' बनाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि अगर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' सत्ता में आता है तो संशोधित नागरिकता कानून (ष्ट) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (ह्रष्ट) को खत्म कर दिया जाएगा. असम में तृणमूल कांग्रेस (ञस्ष्ट) के चार उम्मीदवारों के समर्थन में यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटते हैं तो देश में ''लोकतंत्र नहीं बचेगा और चुनाव नहीं होंगे.''

बनर्जी ने आरोप लगाया, ''उन्होंने (भाजपा) पूरे देश को डिटेंशन कैंप बना दिया हैञ्मैंने अपने जीवन में इतना खतरनाक चुनाव कभी नहीं देखा.'' मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी पार्टी टीएमसी सभी धर्मों से प्यार करती है और नहीं चाहती कि धार्मिक आधार पर लोगों के बीच भेदभाव हो. बनर्जी ने रैली में कहा, ''अगर 'इंडिया' गठबंधन जीतता है, तो एनआरसी, सीएए और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू नहीं होगी. हम सभी भेदभावपूर्ण कानूनों को रद्द कर देंगे.'' उन्होंने लोगों से लोकसभा चुनाव में असम में टीएमसी के सभी चार उम्मीदवारों के लिए वोट करने की अपील की और घोषणा की कि उनकी पार्टी 2026 के राज्य विधानसभा चुनाव में सभी 126 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. बनर्जी ने कहा, ''यह सिर्फ एक ट्रेलर है फाइनल अभी बाकी है. मैं फिर आऊंगी।

एनजीटी ने सरकारी विभागों की खिंचाई की, जानिए पूरा मामला

दार्जीलिंग/कोलकाता,एजेन्सी। कोलकाता में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की पूर्वी जोनल बेंच ने कई प्रमुख केंद्र और राज्य सरकार के विभागों के साथ-साथ दार्जिलिंग के जिला प्रशासन को नोटिस जारी किया है, और उनसे इस आरोप पर चार सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है कि प्रतिष्ठित की पर्यावरणीय स्थिति खराब हो गई है। अनियोजित गतिविधियों के कारण टाइगर हिल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। टाइगर हिल माउंट कंचनजंगा की पृष्ठभूमि पर सूर्योदय देखने के लिए प्रसिद्ध है। यह सेंचल वन्यजीव अभयारण्य का हिस्सा है, जो देश के सबसे पुराने वन्यजीव अभयारण्यों में से एक है, जिसे 1915 में स्थापित किया गया था, जिसमें दो झीलें हैं जो दार्जिलिंग शहर के लिए पीने के पानी के मुख्य स्रोत के रूप में कार्य करती हैं। न्यायमूर्ति बी अमित स्टालेकर और विशेषज्ञ सदस्य अरुण कुमार वर्मा की पीठ ने याचिकाकर्ता पर्यावरणविद् सुभाष दत्ता द्वारा दायर शिकायतों को सूचीबद्ध किया और कहा कि मामले पर विचार करने की आवश्यकता है। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ शहरी विकास विभागों को नोटिस दिए गए; राज्य नगरपालिका मामले, पर्यावरण, वन विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड; जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय और साथ ही दार्जिलिंग नगर पालिका। पीठ ने दत्ता द्वारा संदर्भित शिकायतों को सूचीबद्ध किया, जिनमें टाइगर हिल का कंक्रीटीकरण, मोबाइल टावरों की स्थापना, उचित सीवरेज प्रबंधन के बिना शौचालय और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं की स्थापना, कार पार्किंग स्थान और विश्राम गृहों का निर्माण, वनस्पति को नष्ट करना और भूमि की प्रकृति को पूरी तरह से बदलना शामिल है। साथ ही पूरे टाइगर हिल में प्लास्टिक जलाना और कूड़ा फैलाना। पीठ ने कहा कि वन्यजीव अभयारण्य में कई लुप्तप्राय पौधे, पशु और पक्षी प्रजातियां हैं। आरोपों पर चर्चा करते हुए इसमें कहा गया, 2017 में, जगह को संरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया था। यह प्रतिष्ठित स्थान न केवल एक हरित क्षेत्र है, बल्कि दार्जिलिंग शहर और आसपास के स्थानों को पीने के पानी की

आपूर्ति के लिए एक जलग्रहण क्षेत्र भी है। संरक्षित क्षेत्र में बड़े पैमाने पर उल्लंघन से टाइगर हिल के साथ-साथ दार्जिलिंग के भविष्य को भी खतरा है, क्योंकि जल-तनावग्रस्त शहर जल आपूर्ति का मुख्य स्रोत खो सकता है।

खिड़की से बाहर हरे मानदंड

27 मार्च को, दत्ता ने 96 पन्नों की एक याचिका प्रस्तुत की जिसमें प्रतिष्ठित टाइगर हिल, एक जैव विविधता हॉटस्पॉट और प्रसिद्ध पर्यटन बिंदु, को नुकसान पहुंचाने वाली कई पर्यावरणीय अनियमितताओं को सूचीबद्ध किया गया था। दत्ता ने शिकायत की कि पर्यटन को सुविधाजनक बनाने के लिए, टाइगर हिल व्यू पॉइंट को पक्का कर दिया गया है। संरक्षित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जलग्रहण क्षेत्र के सबसे ऊपरी समतल क्षेत्र को कंक्रीटिंग करने का कोई वैध कारण नहीं है। उन्होंने टाइगर हिल के सबसे ऊंचे स्थान पर बनी परित्यक्त, बड़ी कंक्रीट और स्टील संरचनाओं के साथ-साथ वन संग्रहालय के सामने एक गेस्ट हाउस के बारे में भी शिकायत की। दत्ता ने बताया कि टाइगर हिल के सबसे ऊपरी हिस्से में बीएसएनएल और निजी ऑपरेटरों के मोबाइल टावर स्थापित किए गए हैं। संरक्षित अभयारण्य में ऐसे निर्माण की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसके अलावा, मानव हस्तक्षेप और पहाड़ी की चोटी पर नई बस्तियां दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं, पर्यावरणविद् ने इस बात पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, इससे स्थानीय पारिस्थितिकी पर दबाव पड़ता है, क्योंकि यह प्रवृत्ति न केवल अभयारण्य की जैव विविधता के लिए बल्कि जलग्रहण क्षेत्र के लिए भी हानिकारक है। अधिक मानवीय उपस्थिति से भी अपशिष्ट उत्पादन होता है। पर्यटकों, स्थानीय सहायक कर्मचारियों और फेरीवालों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, उचित सीवरेज प्रबंधन प्रणाली के बिना बड़े शौचालय स्थापित किए गए हैं, दत्ता ने चेतावनी देते हुए कहा कि इस तरह के कृत्य भूमिगत जलभृत को प्रदूषित कर सकते हैं। दत्ता ने बताया कि टाइगर हिल एक प्लास्टिक-मुक्त क्षेत्र होने के बावजूद, कुछ स्थानों पर प्लास्टिक कचरा पाया जा सकता है, जिसमें जलने के स्पष्ट संकेत हैं, और उन्होंने स्थिति के लिए नियंत्रण प्राधिकारी की ओर से विफलता को जिम्मेदार ठहराया। एक बड़ा कार पार्किंग स्थल विकसित किया गया है, दत्ता ने याद दिलाया, इस क्षेत्र के मूल चरित्र को बदलने की अनुमति नहीं है जो न केवल एक वन्यजीव अभयारण्य है बल्कि सेंचल झीलों का जलग्रहण क्षेत्र भी है।

जिम्मेदारी बदलना

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, सेंचल वन्यजीव अभयारण्य जैसे पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्रों के लिए एक निगरानी समिति स्थापित की जानी है। कार्यकर्ता ने लिखा, हालांकि, कोई निगरानी समिति गठित नहीं की गई है, कोई जोनल मास्टर प्लान, पर्यटन मास्टर प्लान नहीं है। अब, जब हरित न्यायाधिकरण ने प्रथम दृष्टया उल्लंघनों का संज्ञान लिया और जवाब देने को कहा, तो राज्य सरकार के विभागों ने जिम्मेदारी अपने ऊपर से हटानी शुरू कर दी है। झीलों के अलावा क्षेत्र पर नगर पालिका का कोई नियंत्रण नहीं है; मुझे आदेश पर गौर करना होगा, दार्जिलिंग नगर पालिका के अध्यक्ष दीपेन ठाकुरी ने रविवार को इस संवाददाता से कहा। जिला प्रशासन के एक अन्य अधिकारी ने वन विभाग को जिम्मेदार ठहराया. अधिकारी ने कहा, निश्चित रूप से उल्लंघन हुआ है, और जिम्मेदारी राज्य वन विभाग की है क्योंकि क्षेत्र उनके नियंत्रण में है और वे टाइगर हिल में पर्यटकों को अनुमति देने के लिए शुल्क भी लेते हैं।

क्या ममता बनर्जी के भतीजे के खिलाफ तुरुप का इक्का साबित होगा बीजेपी का ये उम्मीदवार?

कोलकाता,एजेन्सी। भाजपा केंद्रीय नेतृत्व ने आखिरकार बंगाल की सबसे हाई प्रोफाइल दक्षिण 24 परगना जिले की डायमंड हार्बर लोकसभा सीट से मंगलवार को अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दी। बीजेपी ने इस सीट से अभिजीत दास (बॉबी) को टिकट दिया है।

टीएमसी का गढ़ है डायमंड हार्बर

डायमंड हार्बर सीट पर अभिजीत का मुकाबला तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सांसद भतीजे अभिषेक बनर्जी से होगा। डायमंड हार्बर से अभिषेक लगातार दो बार से जीतते आ रहे हैं। इस बार वह यहां से पार्टी के टिकट पर तीसरी बार मैदान में हैं। यह इलाका सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का गढ़ माना जाता है।

बीजेपी ने सबसे आखिर में क्यों किया उम्मीदवार का एलान?

भाजपा ने सबसे अंत में बंगाल की इस सीट के लिए अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा की है। बता दें कि बंगाल में 42 लोकसभा सीटों में से 41 पर भाजपा अपने प्रत्याशियों की घोषणा पहले ही कर चुकी है। एकमात्र डायमंड हार्बर सीट पर भाजपा ने अब तक उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की थी। इस वजह से भाजपा को टीएमसी के तीखे शब्द वाणों का सामना करना पड़ रहा था।

लोकसभा चुनावों में आधी आबादी की भागीदारी बढ़ी, लेकिन 79फीसदी महिलाएं जमानत भी नहीं बचा पातीं

पटना, एजेंसी। बिहार में आधी आबादी को स्थानीय निकायों के चुनाव में आरक्षण मिला हुआ है। बड़ी संख्या में वे चुन कर पंचायतों से लेकर शहरी निकायों की प्रमुख बन रहीं हैं। लेकिन लोकसभा चुनावों में उनकी स्थिति बेहतर नहीं है। पिछले चार चुनावों के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में लोकसभा चुनावों में 79 फीसदी महिला उम्मीदवार जमानत भी नहीं बचा सकीं। 2004 से 2019 तक के चुनावों में बिहार में कुल 2367 उम्मीदवारों ने भाग्य आजमाया। इनमें 163 महिलाएं थीं। 129 महिलाओं सहित कुल 2016 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। हालांकि आधी आबादी का प्रतिशत चुनाव दर चुनाव बढ़ता जा रहा है। एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट के पूर्व निदेशक प्रो. डीएम दिवाकर कहते हैं कि बिहार की राजनीति में महिलाएं बड़े फलक पर अभी भी एक स्वतंत्र फैक्टर नहीं बन पाई हैं। इसलिए उनको वोटरों का व्यापक समर्थन नहीं मिल पा रहा है।

जगदीशपुर-टहसूर घाट पर कट्टा-गोली छोड़कर भागे बदमाश

भागलपुर/ गोराडीह, एजेंसी। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के टहसूर चांदन बालू घाट से पुलिस ने दो कट्टा व दो जिंदा कारतूस बरामद किया है। बालू खनन की योजना बना रहे बदमाशों को पुलिस ने खदेड़ा तो वह हथियार छोड़कर भाग निकले। थानाध्यक्ष ने बताया कि बदमाश हथियार के साथ अबैध बालू खनन करने की योजना बना रहे थे। सूचना पर पुलिस पहुंची थी। थानाध्यक्ष गणेश कुमार ने बताया कि हथियारों को जब्त कर बदमाशों की पहचान की जा रही है।

सड़क हादसे में एक की मौत,दूसरा घायल

गया, एजेंसी। जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के बगाही के निकट स्थित मंदिर के निकट तार के पेड़ में बाइक सवार युवक ने मोटर साइकिल सहित टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार दो युवक में से एक की मौत हो गई। जबकि दूसरा जख्मी है। उसे फतेहपुर सरकारी अस्पताल से प्रारम्भिक चिकित्सा के बाद मगध मेडिकल कालेज रेफर किया गया है। फिलहाल रेफर किए गए युवक की स्थिति गम्भीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि सामने से किसी वाहन की तेज रोशनी बाइक सवार युवकों के ऊपर पड़ी तो वे सन्तुलन खो बैठे और पेड़ में धक्का मार दिया जबकि जिस वाहन की तेज रोशनी पड़ी थी वह मौके से तेजी से निकल गया।समदा गांव के रहने वाले छोटू चौहान और पिंटू कुमार दोनों देर रात कहीं से घर को लौट रहे थे। रास्ते मे बगाही के निकट सामने से तेज गति में आ रहे एक वाहन ने खुद के आगे चल रहे वाहन को ओवर टेक किया तो उसकी तेज रोशनी बाइक सवार के ऊपर पड़ी तो बाइक सवार ने खुद को बचने के लिए कट मारा तो उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और वे बाइक सहित तार के पेड़ से टकरा गया। टक्कर की आवाज सुन कर गांव के लोग तार के पेड़ के पास पहुंचे तो देखा कि बाइक सहित दोनों युवक जख्मी गिरे पड़े हैं।

संक्षिप्त समाचार

युवती की मौत पर पिता ने कराया मामला दर्ज

भागलपुर/ बिहपुर। सोमवार की सुबह लगभग छह बजे तेज रफ्तार पिकअप ने बिहपुर प्रखंड के मड़वा महंत स्थान चौक के समीप झंडापुर थानान्तर्गत एनएच-31 पर चार लोगों को धक्का मार दिया था। घायल सभी लोग पूजा करने मड़वा बज्रलेश्वरनाथ धाम जा रहे थे। हादसे में भ्रमरपुर की 23 वर्षीय अनु कुमारी 55 वर्षीय मां अंजनी देवी समेत नन्हकार के 55 वर्षीय पूचो दास व कुशाहा के 21 वर्षीय जिप्सन कुमार को पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से इलाज के लिए सीएचसी भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टर ने अनु कुमारी, अंजनी देवी व जिप्सन कुमार को बेहतर इलाज के लिए मायागंज रेफर कर दिया। अन्नू कुमारी की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इस मामले में मृतका के पिता शशिकांत मिश्रा के झंडापुर थाना में पिकअप चालक पर मामला दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया है। दोनों मां-बेटी पूजा करने मरवा भोला मंदिर पैदल जा रही थी। अनु की मां अंजनी देवी की हालत चिंताजनक बनी हुई है। बताया गया कि पिकअप पटना से बांका जा रहा था। थानाध्यक्ष जांच में जुटे हैं।

दुष्कर्म के दोषी अभियुक्त को पांच साल की सजा

भागलपुर। दुष्कर्म मामले में दोषी पाए गए अभियुक्त को कोर्ट ने पांच साल की सजा सुनाई। मंगलवार को एडीजे-प्रथम की अदालत ने कांड के अभियुक्त मो जंगली उर्फ जंगली मंसूर को सजा सुनाई। कोर्ट ने उसपर पांच हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना की राशि जमा नहीं करने पर उसे छह महीने की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। अभियुक्त को अन्य धारा में भी सजा सुनाई गई और जुर्माना लगाया गया पर सभी सजा साथ चलेंगी। इस कांड में सरकार की तरफ से एपीपी अरमनाथ चौरसिया ने बहस में भाग लिया। 21 सितंबर 2016 को सन्हौला थाना क्षेत्र में घटना घटित हुई थी।

छात्रा ने बात नहीं की तो उसके पिता को कॉल कर दी धमकी

मुजफ्फरपुर। छात्रा ने जब मोबाइल पर बात करने से इंकार कर दिया तो शोहदे ने छात्रा के पिता को कॉल कर मोबाइल पर धमकी दी। उन्हें पुत्री से बात कराने के लिए दबाव दिया गया। जब पिता ने मना कर दिया तो गाली गलौज करते हुए उन्हें देख लेने की धमकी दी गई। छात्रा व उसके परिवार वाले अनहोनी घटना से भयभीत हैं। छात्रा के पिता ने मंगलवार को काजी मोहम्मदपुर थाना पहुंचकर थानेदार मनोज कुमार साह को पूरी घटना बताई। फोन करने वाले आरोपी का नंबर देते हुए उसे अपने स्तर से हैंडल करने का आग्रह किया। हालांकि, छात्रा के पिता ने फिलहाल एफआईआर दर्ज नहीं कराई है। उनका कहना है कि यदि शोहदा पुलिस की चेतावनी पर मान जाता है तो ठीक वरना विधिवत एफआईआर कराएंगे।

घर-घर पहुंचाएंगे कांग्रेस पार्टी की गारंटी

मुजफ्फरपुर। जिला कांग्रेस कार्यालय तिलक मैदान में मंगलवार को जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार मुकुल की अध्यक्षता में मुजफ्फरपुर व वैशाली संसदीय क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि हमलोग लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की गारंटी को घर-घर तक पहुंचाएंगे। बैठक में मुकेश त्रिपाठी, महताब आलम सिद्दीकी, जमाल नासिर, लालबाबू राय, जूही प्रीयतम, महेन्द्र श्रीवास्तव, डॉ. शंभू राम, प्रेम कुमार पंडित आदि उपस्थित थे।

नूपुर कला महोत्सव में दिखेगी भारत की कला-संस्कृति

मुजफ्फरपुर। भारत की कला एवं संस्कृति हमारा अभिन्न अंग है। इसको अमर बनाए रखने के लिए नूपुर कलाश्रम की ओर से नूपुर कला महोत्सव का आगाज किया गया है। 19 एवं 20 अप्रैल को वीणा कंसर्ट ऑडिटोरियम में यह महोत्सव मनाया जाएगा। इसमें कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी। बिहार में पहली बार नई शास्त्रीय विधा सत्रिय नृत्य की मशहूर नृत्यांगना अपने ग्रुप के साथ असम से यहां पधार रही हैं। लोक विधाओं की श्रेणी में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र की लोक नृत्य शैलियों की भी प्रस्तुति होगी। इसमें मशहूर कत्थक नृत्यांगना डॉ. रंजना सरकार के निर्देशन में शास्त्रीय नृत्य कत्थक तथा बसंत रस की प्रस्तुति होगी।

यूपीएससी में लहराया पटना का परचम; 7 छात्रों ने मारी बाजी, समस्तीपुर के शिवम को 19वीं रैंक

पटना, एजेंसी। संघ लोक सेवा आयोग की ओर से जारी 2023 के फाइनल रिजल्ट में पटना के आधा दर्जन से अधिक छात्रों को सफलता मिली है। यह संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। देर रात तक खबर लिखे जाने तक सात को सफलता मिल चुकी है। इनमें पटना की जुफिशां हक को 34वीं रैंक मिली है। वहीं विरुपाक्ष बिक्रम सिंह जिन्हें 49वीं रैंक मिली है। इनका पूरा परिवार पटना में रहता है।

इसी तरह पटना की कृति कामना को 41वां प्रिया रानी को 69वां, अन्नपूर्णा सिंह को 99वां, सिद्धांत कुमार 114, दिप्ति मोनाली 184 स्थान मिला है। बिहार की प्रतिभाएं टॉप ट्वेंटी में जगह बनाने में सफल रहे हैं पर टॉप टेन में जगह बनाने से चूक गए हैं।

हालांकि टॉप-50 में चार अभ्यर्थी जगह बनाने में सफल रहे। इसमें समस्तीपुर के शुभम कुमार को 19वां गोपालगंज के सौरभ शर्मा को 23वां, पटना की जुफिशां हक को 34 वां और औरंगाबाद के विरुपाक्ष को 49वां स्थान प्राप्त हुआ है।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा 2022 का फाइनल रिजल्ट भी मंगलवार को जारी किया गया था। पिछली बार बक्सर जिला निवासी गरिमा लोहिया को दूसरा रैंक मिला था। इसके अलावा पटना के राहुल श्रीवास्तव को दसवीं रैंक मिली थी। 17वें स्थान पर अररिया के अविनाश कुमार टॉप 20 में जगह बनाने में सफल रहे थे। इसके अलावा 44वीं रैंक प्राप्त करने वाले तुषार कुमार वर्तमान में मोहनियां में अवर निर्वाचन पदाधिकारी के पद पर नियुक्त हैं। शिवहर के प्रिंस कुमार को 89वीं रैंक मिली थी। इनके अलावा दर्जनों छात्रों का चयन हुआ था। वहीं वर्ष 2020 में बिहार के शुभम देशभर में टॉपर बने थे। इसके बाद से अबतक कोई टॉपर नहीं बना है। करीब दो दशक के बाद कोई बिहार का टॉपर बना था। पिछले साल यूपीएससी रिजल्ट के टॉप 10 में बिहार से तीन अभ्यर्थी थे।

स्नातक प्रथम सेमेस्टर में नामांकन को लेकर आवेदन 20 से

दरभंगा, एजेंसी। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय ने पिछले वर्ष चार वर्षीय स्नातक कोर्स का संचालन शुरू किया था। यह संचालन नई शिक्षा नीति के तहत किया गया है। अब इस वर्ष के नामांकन की प्रक्रिया विश्वविधालय के तरफ से शुरू कर दी गई है। जानकारी हो कि ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कई कॉलेज दरभंगा के अलावा मधुबनी, समस्तीपुर और बेगूसराय में भी हैं। यह अधिसूचना इन सभी जिले में मिथिला विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित अंगिभूत और संबंध कोलेजों के लिए भी है। 20 अप्रैल से नामांकन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी साथ ही 30 अप्रैल से विलम्ब शुल्क के साथ छात्रों को मौका दिया जायेगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय ने चार वर्षीय स्नातक (सत्र 2024-28) प्रथम सेमेस्टर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के प्रतिष्ठा विषयों में नामांकन के लिये ऑनलाइन आवेदन आर्मंत्रित करने की अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के लिए अनुसार दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर एवं बेगूसराय जिले के 43 अंगीभूत व 35 संबद्ध यानी कुल 78 कालेजों में कुल तीन लाख पांच हजार सीटों पर 37 विषयों में नामांकन के लिए आनलाइन आवेदन 20 अप्रैल से 29 मई तक स्वीकार किया जाएगा।

चाचा-भतीजे समेत पांच की पिटाई, लाठी डंडे से किया वार

भोजपुर, एजेंसी। भोजपुर के शाहपुर थाना के शिवपुर गांव में मंगलवार को खेत में भैंस घुस जाने का विरोध करने पर दूसरे गांव से आकर दबंगों ने चाचा-भतीजे समेत पांच लोगों की लाठी डंडे से जमकर पिटाई कर दी गई। मारपीट की घटना में सभी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद अन्य लोगों की मदद से मामले को शांत कराया गया। उसके बाद आनन-फानन में इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जख्मियों में शाहपुर थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी स्व चैत यादव के 50 वर्षीय पुत्र बिहारी यादव, बृज बिहारी यादव के 40 वर्ष से पुत्र संजय यादव, 35 वर्षीय पुत्र पंचानंद यादव, रास बिहारी यादव के 55 वर्षीय पुत्र हरेंद्र यादव और वसुंधरा यादव का 19 वर्षीय पुत्र मुन्ना कुमार शामिल हैं। इधर,जख्मी मुन्ना कुमार ने बताया कि शिवपुर गांव के बाजार में उनका और बक्सर जिले के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के कांटे गांव के रहने वाले लोगों का जमीन एक साथ है। उनके जमीन पर गेहूं लगा हुआ था। तभी कांटे गांव के रहने वाले लोगों के करीब 10 से 12 भैसें उनके खेत में घुस गई और फसल को बर्बाद करना शुरू कर दिया। भैंस को फसल बर्बाद करता देख बिहारी यादव और संजय यादव ने भैंस को अपने खेत से मारकर भगा दिया। तभी भैंस मालिकों ने भैंस को भगाने का विरोध करने पर जमकर गाली गलौज की। लेकिन उसे समय ग्रामीणों के मदद से मामले को शांत कर दिया गया । जब हम लोग अपने घर चले हैं तभी उक्त भैंस मालिक अपने अन्य परिवार वालों के साथ शिवपुर गांव में घुसकर हम लोगों की लाठी डंडे से जमकर पिटाई कर दी और उसके बाद सभी गांव छोड़कर अपने गांव चले गए।

जख्मियों को परिजनों के द्वारा इलाज के लिए आर सदस्य पता लाया गया। मामला शांत होने के बाद पीड़ित परिवारों ने इसकी शिकायत स्थानीय थाना पुलिस से की है। घटना बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिकंदरपुर व बालूघाट में बिजली संकट, एक लाख की आबादी प्रभावित

मुजफ्फरपुर। विद्युत विभाग के शहरी प्रमंडल वन से जुड़े सिकंदरपुर और बालूघाट फीडर से जुड़े इलाकों में सोमवार की रात से बिजली की आंख मिचैली जारी रही। इस दौरान मंगलवार की सुबह अचानक हाई वोल्टेज से एक दर्जन घरों में बिजली संचालित कई घरेलू उपकरण जल गए। उपभोक्ताओं को लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। इन दोनों फीडरों से जुड़े गोला बांध रोड, सिकंदरपुर, प्रभात जर्दा फैक्टरी रोड, अखाड़ा घाट रोड, रघुनाथ अडिग मार्ग, बालूघाट मोहल्ला के रोड नं एक, दो और तीन में रहनेवाले लोगों में बिना सूचना बिजली काटे जाने से रोष देखा गया। युवाओं में ज्यादा नाराजगी थी। वे एक बार फिर गोलबंध होकर विद्युत विभाग के स्थानीय कार्यालय में हंगामा का मन बना रहे थे, लेकिन स्थानीय कुछ बुद्धिजीवियों के समझाने पर उन्होंने अपना मन बदल लिया। गौरतलब है कि सोमवार को विभागीय अधिकारियों के लापरवाह रवैये के बाद सरैयागंज और कल्याणी फीडर से जुड़े दो सौ से अधिक उपभोक्ताओं ने तिलक मैदान रोड स्थित विभाग के कार्यालय में घुसकर जमकर हंगामा किया था। कार्यालय के फर्नीचर और अन्य सामान तोड़ दिये थे।

बिहार के 13 जिलों में तापमान 40 डिग्री के पार, 1आज से प्रदेश में हीट वेव का यलो अलर्ट

पटना, एजेंसी। बिहार के सभी जिलों के तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। बढ़ते तापमान के साथ गर्मी से लोगों की परेशानी भी बढ़ गई है। राजधानी पटना समेत बिहार के 13 जिलों का तापमान मंगलवार को 40 डिग्री के ज्यादा दर्ज किया गया।

वहीं, आज भी प्रदेश के सभी जिलों में मौसम सामान्य बना रहेगा। पिछले कुछ दिनों के मुताबिक अधिक गर्मी का एहसास होगा। मौसम विभाग के अनुसार पछुआ शुष्क हवा ने पटना समेत राज्यभर में जोर पकड़ लिया है। इस वजह से राज्य के अधिकतम तापमान में 1-2 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है।

वहीं, पिछले 24 घंटे के दौरान शेखपुरा जिला सबसे ज्यादा गर्म रहा जहां का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग की ओर से 18 से 21 अप्रैल के बीच प्रदेश की विभिन्न जिलों में हिट वेव को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

13 जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार : मंगलवार को शेखपुरा 42 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। इसके अलावा 12 ऐसे जिले रहे जहां का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पर दर्ज किया गया है। जिसमें जमुई का अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री, बांका 40.7 डिग्री, मधुबनी 40.9 डिग्री, नवादा 40.9 डिग्री, गया 40.4 डिग्री, वाल्मीकि नगर 40.6 डिग्री, मोतिहारी 41.2 डिग्री, रोहतास 40.02 डिग्री, भोजपुर 40.9 डिग्री, पटना 40 डिग्री, औरंगाबाद 40.9 डिग्री, देहरी 40.4 डिग्री। इसके अलावा अन्य जिलों का तापमान भी 40 डिग्री के करीब दर्ज किया गया है।

आने वाले दिनों में कैसा रहेगा मौसम : पटना मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक कुमार गौरव ने बताया कि अगले 24 घंटे में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है। 18-19 अप्रैल को 2-3 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। उन्होंने बताया कि अधिकतम तापमान में वृद्धि होने और पछुआ हवा चलने से लोगों को गर्म हवा का सामना करना पड़ेगा।

18 अप्रैल को फिर पश्चिमी विक्षोभ : मौसमविदों के अनुसार, 18 अप्रैल को एकबार फिर उत्तर-पूर्व भारत में पश्चिमी विक्षोभ आने वाला है। इसका थोड़ा बहुत असर बिहार के मौसम पर भी पड़ने की संभावना है। कितना प्रभाव होगा, यह पश्चिमी विक्षोभ की तीव्रता पर निर्भर करेगा। इसका असर 20-21 अप्रैल तक रहेगा।

मोबाइल तो कमल से भी चार्ज नहीं होता, अंधेरा में लालटेन ही प्रकाश देता है : तेजस्वी यादव

पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के गया जिले में आयोजित एक चुनावी रैली के दौरान बिना नाम लिए राजद प्रमुख लालू यादव पर हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार के युवा कभी भी राजद को वोट नहीं देंगे। सवालिया लहजे में पीएम मोदी ने पूछा कि क्या लालटेन (राजद का चुनाव चिन्ह) से स्मार्ट मोबाइल चार्ज हो सकता है? जब लोग स्मार्टफोन के बारे में बात कर रहे हैं, तो वे लालटेन के बारे में बात कर रहे हैं।

अब पीएम मोदी के इस बयान पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने पलटवार किया है। तेजस्वी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है कि मोदी जी, मोबाइल तो कीचड़ सने कमल के फूल से भी चार्ज नहीं होता। मोदी जी अंधेरा जब भी रहता है प्रकाश तो लालटेन ही देता है, ना कि कमल का फूल? तेजस्वी की ओर से जारी पोस्ट में आगे लिखा गया है कि इतिहास गवाह रहा है कि देश में, समाज में जब भी महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, सांप्रदायिकता और नफ़रत का घोर अंधेरा होता है तब-तब लालटेन की रोशनी में ही

वो अंधेरा छँटा है ना कि कमल के फूल से। मोदी जी, इसी लालटेन ने युगों-युगों से बिहार में व्यापत सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक गैर बराबरी, अन्याय और अत्याचार के अंधेरे को दूर भगाया है। इसी लालटेन की रोशनी में सदियों से गरीब, उत्पीड़ित, उपेक्षित और वंचित लोगो ने अपनी जुबान खोलना और बोलना सीखा, अपने हक़-अधिकार माँगने लगे, बराबरी पर बैठने लगे, नौकरियों में आने लगे, विधायक-सांसद बनने लगे। यह सब बाबा साहेब के द्वारा दिए गए संविधान और लालटेन के उजियारे से ही संभव हो पाया है। खैर ! आप समझ ही नहीं पायेंगे क्योंकि वंचितों के दर्द ओ ग़म को जानने के लिए जो संवेदनशील नज़रिया चाहिए वो आपके अंदर नहीं है। हमें ढेर सारा अपशब्द बोलिये लेकिन बिहार को उसका हक़ दीजिए, युवाओं को नौकरी देने में मेरी और बिहार की मदद कीजिए।फिर आप जितना चाहें मुझे और मेरी पार्टी को गालियाँ दीजिए। बस मेरे बिहार को उसका अधिकार दीजिए।

बता दें कि गया में अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजद को भ्रष्टाचार और गुंडा राज का प्रतीक बताते हुए कहा कि उसने बिहार को सिर्फ दो चीजें दी हैं, जंगलराज और भ्रष्टाचार क्योंकि राजद शासनकाल में भ्रष्टाचार एक उद्योग की तरह फला-फूला। पीएम मोदी ने कहा कि घमंडिया गठबंधन के पास कोई सोच नहीं है। ये लोग जब वोट मांगने जाते हैं, तो नीतीश जी के कामों पर वोट मांगते हैं। यह लोग नीतीश जी के और केंद्र सरकार के कामों का श्रेय स्वयं लेते हैं। पूरा बिहार जानता है कि राजद ने इतने वर्षों तक बिहार पर राज किया है लेकिन उनकी हिम्मत नहीं है कि अपनी सरकारों में क्या काम किया उसकी वे चर्चा करें।

खेत में बछड़े के प्रवेश को लेकर जमकर चले लाठी-डंडे

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया के मरंगा के नौजर वार्ड 14 में मक्के की खेत में मवेशी प्रवेश कर जाने को लेकर हुए विवाद में एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष से मारपीट शुरू कर दी। इस मारपीट में मवेशी स्वामी समेत 3 लोगों को चोटें आई हैं। वहीं, इस मारपीट से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में दोनों पक्ष के लोग आपस में झगड़ते दिख रहे हैं। वहीं घायलों का इलाज पूर्णिया के जीएमसीएच में चल रहा है। मारपीट को लेकर पीड़ित मवेशी स्वामी के घरवालों की ओर से स्थानीय मरंगा थाना में आवेदन किया गया है। वहीं, घायलों की पहचान मरंगा के नौजर गांव वार्ड 14 निवासी मो वासिम और उसके बेटे इस्माइल के रूप में की गई है। जबकि दूसरे पक्ष से भी एक अन्य को मामूली चोटें आई हैं। परिजनों ने बताया कि घर के बछड़ा घर के बाहर खुट्टे से बंधा हुआ था। बाद में किसी तरह खुट्टा तोड़कर बच्चा पास के ही मकई के खेत में चला गया और मकई के कुछ पौधों को खा गया। इससे भड़के खेत के स्वामी ने उनके बछड़े को पकड़कर अपने कब्जे में रख लिया। इसी को लेकर उन्होंने विरोध किया और बछड़े को उनके कब्जे में छुड़ाकर ले जाने लगे। इससे तमतमाए मो इसारूल ने अपने दोस्तों और घर वालों को बुला लिया। लाठी डंडे और लात घूसों से उन्होंने मिलकर पीटना शुरू कर

दिया। जिसके बाद उनके घर के लोग भी बीच बचाव में आए। इसी के बाद विवाद और बढ़ गया। जिसमें दोनों तरफ से लाठी डंडे, लात - घुसे चलना शुरू हो गया। इस मारपीट में वे और उनके बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी तबीयत काफी बिगड़ गई। जिसके बाद ग्रामीणों के हस्तक्षेप से किसी तरह मामला शांत हुआ। दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए इलाज के लिए जीएमसीएच पूर्णिया लाया गया। जहां दोनों का इलाज जारी है। वहीं मारपीट की घटना को लेकर घायल के परिजनों की ओर से मरंगा थाना में लिखित आवेदन दी गई है। वहीं समूचे घटनाक्रम से जुड़ा मारपीट का एक लाइव वीडियो भी सामने आया है। जिसमें लाठी डंडे लिए दो पक्ष एक दूसरे पर हमले पर आमदा हैं।

कोयलांचल में रामनवमी हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

खलारी। खलारी कोयलांचल में राम जन्मोत्सव और रामनवमी के मौके पर बुधवार को कोयलांचल के ग्रामीण क्षेत्रों में रामनवमी पर्व मनाया गया। इस दौरान जानकी रमण मंदिर, पहाड़ी मंदिर, बाजार टांड़,हुटाप करकट्टा, डकरा, धमधमिया, मैक्लुस्कीगंज सहित कोयलांचल के अन्य मंदिरों में राम जन्मोत्सव मनाया गया।

रामनवमी के मौके पर सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालु पूजापाठ करने को लेकर लम्बी कतार देखने को मिला जिसके बाद दोपहर के 12ः00 बजे समूचा मंदिर परिसर भगवान श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। कोयलांचल के ग्रामीण क्षेत्रों में अपने अपने जगहों से ध्वज पताका हाथों में लिए जुलूस निकाले गए जुलूस खलारी स्थित जानकी रमण मंदिर में एकत्रित हुए जहां जुलूस में शामिल लोगों को शर्बत, गुड चना दिया गया इसके बाद सभी अखाड़ों के बीच बारी-बारी से शस्त्र प्रतियोगिता का प्रदर्शन किया गया। जिसके बाद सभी आखाड़े के लोग खलारी पहाड़ी मंदिर पहुंचे जहां उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आखाड़े के लोगों के बीच को सम्मानित किया गया वहीं प्रसाद वितरण के बाद सभी अपने अपने जगहों पर आकर ध्वज पताकों अपने स्थानों पर स्थापित किया गया।

सिल्ली में रामनवमी का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया

सिल्ली। सिल्ली क्षेत्र में रामनवमी का त्योहार बुधवार दिनांक 17 अप्रैल 2024 को धूमधाम के साथ मनाया गया । मंदिर में स्थापित बजरंगबली मूर्ति की भक्ति भाव से पूजा अर्चना की गई । इसके बाद उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया । मंदिर प्रांगण में रामभक्तों के द्वारा लाठी एवं अस्त्र शस्त्र चालन का खेल खेला गया । महावीर सेवक संघ सिल्ली , रामसेवक संघ रजक टोला सिल्ली आदि की ओर से महावीर झंडा के साथ शोभायात्रा निकालकर मेन रोड सिल्ली में जगह जगह बाजा के साथ अस्त्र शस्त्र चालन हैरतअंगेज खेल खेला गया । जगह-जगह इसका स्वागत किया गया । इसको लेकर सोमवार को सिल्ली में रामनवमी की शोभायात्रा निकाली गई थी । वहीं मंदिर को रंग-रोगन कर आकर्षक ढंग से सजाया गया । प्रकाश आदि की भी व्यवस्था की गई ।

पंचमुखी शिव मंदिर से निकाली जाएगी भव्य झांकी

बरवाडीह लातेहार। प्रखण्ड मुख्यालय के पंचमुखी मंदिर रामनवमी पूजा समिति के द्वारा राम जन्म के उपलक्ष्य में देर शाम भव्य और आकर्षक झांकी निकाली जाएगी। झांकी में भव्य महाकाल शिव तांडव का विकराल रूप अघोड़ी भूत प्रेत के साथ राम लक्ष्मण सीता, पवन पुत्र हनुमान तथा राधा कृष्ण समेत अन्य किरदार नजर आएंगे। जिसकी लगभग सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

घाटी में दो बड़े हादसे में दो की गई जान, एक 35 फिट गहरे खाई में गिरकर गम्भीर

चौपारण – प्रखण्ड के दनुआ घाटी में रामनवमी के दिन दो बड़ा हादसा हुआ। जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। वहीं एक चालक 35 फ़ीट गहरे खाई में गिर कर गम्भीर रूप से घायल हो गया। पहली घटना बुधवार सुबह 4 बजे की है। जहां जीटी रोड जाम होने के कारण एक चालक गाड़ी से उतरकर जाम क्यों लगा है उसे पता करना चाहा। वह ट्रक से उतर कर कुछ दूर ही गया होगा कि अनियंत्रित होकर गहरे खाई में गिर गया।रात होने के वजह से किसी को पता नहीं चला। सुबह जब उनके साथ वाले खोजबीन किया तो उसे 254 चैनल के पास गहरे खाई घायल अवस्था में पाया। जिसका पैर पूरी तरह से फैक्चर कर गया था। उसे एनएचएआई के एम्बुलेंस के मदद से सामुदायिक अस्पताल लाया गया। घायल की पहचान केदार महतो 50 वर्ष जिला बोकारो के रूप में हुई। वहीं दूसरी घटना भी दनुवा घाटी में घटी जहां सड़क दुर्घटना में ट्रक चालक व उपचालक की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार सुबह 8 बजे सरिया लदा एक ट्रक संख्या यूपी 65 बीटी 2122 अनियंत्रित हो कर छर्री लदा ट्रक को जोरदार टक्कर मारते हुऐ दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना में ट्रक के परखच्चे उड़ गये। जिससे ड्राइवर एवं खलासी केबिन में दब गए। जहां चालक सुरेंद्र यादव पिता राजदेव यादव ग्राम जैयगिर बाराचट्टी का घटना स्थल पर मौत हो गयी। घटना की सूचना पर चौपारण थाना पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचकर ट्रक में दबे ड्राइवर व खलासी को घंटो मशक्कत के बाद ट्रक से बाहर निकाल कर चौपारण अस्पताल ले गई। जहां से खलासी रूपेश यादव 39 पिता सोहन यादव ग्राम नया टोला बाराचट्टी बिहार को रेफर किया गया। जिसका मेडिकल कॉलेज हजारीबाग में इलाज के दौरान मौत हो गया। इधर, पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिये हजारीबाग़ सदर अस्पताल भेज दिया है।

कोयलांचल की दामोदर नदी सहित अन्य नदियो के सूख जाने से जल संकट गहराया

खलारी। खलारी कोयलांचल की नदियो की शान कहे जाने वाले दामोदर नदी गर्मी पड़ने से पहले सुख जाने से कोयलांचल समेत आसपास के क्षेत्रों में जल संकट का खतरा मंडरा रहा है। कोयलांचल में इन दिनों नदियों में पानी के स्थान पर रेत ज्यादा दिखाई पड़ रहा है कारण कोई भी लेकिन कोयला उत्खनन क्षेत्र होने के बाद यहां से विकास के लिए लाखों लाख रुपए राज्य के अलग अलग जिलो में विकास कार्य के नाम पर लुटाई जा रही है लेकिन कोयलांचल के उत्खनन और इसके प्रदूषण से पिडित लोग ग्रामीण प्रत्येक वर्ष जल संकट का सामना करना पड़ता है। डीएमएफटी सीएसआर मद उत्खनन प्रभावित क्षेत्रों की उत्थान के लिए है खलारी कोयलांचल में इस मंद से आमजनों के रोजमर्रा की जिंदगी में विकास के नाम पर लुट की गई लेकिन जनता गर्मियों के मौसम में पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य उपयोगी कार्य नहीं किया गया जो रांची लोकसभा और कांके विधानसभा के विकास का दंभ भरने वाले नेताओं

और सम्बंधित पदाधिकारियों पर एक सवाल खड़ा कर रहा है? जिस मंद का उपयोग कोयलांचल में उत्पन्न होने वाली समस्याओं से निजात दिलाना था वहीं इस मंद का उपयोग कोयलांचल में सड़क नाली के आलावा कई अन्य कार्य कर खर्च कर दिया गया नदी सुख जाने से कोयलांचल के ग्रामीण पानी के लिए त्राहिमाम है। खलारी कोयलांचल दामोदर ,सपही,सोनडुब्बी सहित नदिया धीरे धीरे वाजूद खत्म होता जा रहा है लेकिन इसके बचाव को लेकर न सीसीएल के पास कोई महत्वाकांक्षी योजना है और न ही इसकी रोकथाम को लेकर झारखंड सरकार के द्वारा कोई पहल कि जा रही है यही स्थिति बनी रही तों आने वाले दिनों में लोग पानी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है । खुद को मिनी रत्न कहलाने वाली एनके एरिया सीसीएल के कामगार भी पानी गर्मियों में पानी को तरसते हैं जल स्तर घट जाने से नदी में लगे सीसीएल के द्वारा जल संयंत्र में पानी नहीं मिलने से क्वार्टर में पानी सप्लाई चरमरा गई है। इस गंभीर समस्या को दूर करने के लिए नदी में लगे मोटर के समीप नदी का बालु उत्खनन कर जल एकत्रित कर दो दिनों के बाद जल सप्लाई कर रही है जिससे सीसीएल कर्मी भी इस जल समस्या से परेशान हैं। स्थानीय लोग बताते है प्रत्येक वर्ष गर्मियों के मौसम में आसपास क्षेत्र के ग्रामीणो सहित सीसीएल कर्मियों को भी इस समस्या से गुजरना पड़ता है इसके लिए सीसीएल पदाधिकारी सहित क्षेत्रिय नेताओं को इस समस्या के निपटारे को लेकर कोई पहल नहीं की जाती है वोट तो लेलेते है पर जनता के समस्या पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता है। कोयलांचल सीसीएल कर्मी सहित हजारों की संख्या में ग्रामीण हर वर्ष इस समस्या से जुझते है।

रामनवमी पर राममय हुई रांची, तपोवन मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़, शोभायात्रा में दिखा उल्लास

रांची। रामनवमी को लेकर राजधानी रांची बुधवार को पूरी तरह राममय हो गयी। शहर भगवा झंडे से सजा हुआ है। रांची के ऐतिहासिक तपोवन मंदिर में सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं की कतार लग गई। हाथों में बजरंगी झंडा और सिर पर रामनामी लिये भक्तों की भीड़ मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए घंटों लाइन में खड़ी दिखी। इन सबके बीच श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। तपोवन मंदिर के बारे में मान्यता है कि रामनवमी के अवसर पर यहां ध्वज पूजन के बाद घर पर ध्वज फहराने से परिवार में सुख-समृद्धि के साथ-साथ सकारात्मक ऊर्जा भी आती है, यही कारण है कि यह लंबे समय से चली आ रही यह परंपरा आज भी जीवित है। इस मौके पर कई श्रद्धालु इस मंदिर में तलवार की पूजा भी करते हैं। इधर, श्री महावीर मंडल, डोरंडा केंद्रीय समिति, चुटिया राम मंदिर सहित दूसरी पूजा समितियों की भी शोभायात्रा बड़े धूमधाम से निकाली गयी। श्री महावीर मंडल, डोरंडा केंद्रीय समिति की यह यात्रा मंडल के अध्यक्ष संजय पोद्दार, मंत्री पप्पू वर्मा के नेतृत्व में निकाली गई। शोभा यात्रा दिन के तीन बजे तीन जगह से प्रारंभ हुई। सबसे पहले यह घाघरा से प्रारंभ हुई जो गोसाई टोली, देवी मंडप होते हुए लोहरा कोच होते हुए शांति रानी स्कूल, विद्युत बोर्ड कॉलोनी, 56 साइड बीएमपी होते हुए तुलसी चौक पहुंची। दूसरी शोभा यात्रा मनी टोला, पत्थर रोड होते हुए जोधा मंदिर, काली मंदिर के पास भवानीपुर का मिलन हुआ। वहां से बीएनएस क्लब कन्या पाठशाला, रविदास मोहल्ला होते हुए आगे बढ़ी। इसके बाद बेलदार मोहल्ला का मिलन हुआ। तीसरी यात्रा एजी कॉलोनी से निकाली गई, जो जेएमजे, मुंशी

मोहल्ला होते हुए एजी मोड़ से मिसकोट मैदान, झंडा चौक बाजार मोहल्ला को लेते हुए मस्जिद रोड से यूनिस चौक पहुंची, जहां पर बेलदार मोहल्ला को लेते हुए जैन मंदिर, तुलसी चौक की ओर गयी. फिर घाघरा शोभा यात्रा का मिलन हुआ। फिर तपोवन मंदिर में पहुंचकर पूजा अर्चना के पश्चात सभी अखाड़े धारी अपने-अपने विभिन्न परंपरागत मार्गों से होते हुए वापस अपने अखाड़ा की ओर चले गए। शोभा यात्रा में बजरंगबली के जयकारों के साथ अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन किया गया। हजारीबाग और झालदा, धनबाद बोकारो से आए ताशा पार्टी विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। शोभा यात्रा में सुंदर झांकी की प्रस्तुति की गई। डोरंडा मिस कोट मैदान द्वारा आकर्षक लाइट लगाई गईं। डोरंडा के विभिन्न मंदिरों को आकर्षक तरीके से फूलों से सजाया गया था। शोभा यात्रा में राम भक्त अस्त्र का प्रदर्शन करते हुए बजरंगबली के जयकारों के साथ शोभा यात्रा में शामिल हुए। महाअष्टमी झांकी प्रतियोगिता में श्री महावीर मंडल कुसाई को बंपर पुरस्कार, श्री महावीर मंडल, कुम्हार टोली को प्रथम पुरस्कार, श्री महावीर मंडल, रविदास मोहल्ला को द्वितीय पुरस्कार, श्री महावीर मंडल आदिवासी अखाड़ा मनी टोला को तृतीय पुरस्कार दिया गया। इस शोभा यात्रा में मुख्य संरक्षक बजरंग प्रसाद गुप्ता, मनोज वर्मा, सुरेश प्रसाद सहित अन्य भी शामिल थे। चुटिया के ऐतिहासिक राम मंदिर में चैती दुर्गा पूजा के लिए हवन, पूर्णाहुति भी हुई। दोपहर 12 बजे राम जन्मोत्सव मनाया गया। फिर सामूहिक भंडारे का भी आयोजन हुआ। मंदिर प्रबंधन समिति के प्रमुख सदस्य विजय साहू के मुताबिक, राम मंदिर से हर बार की तरह शोभा यात्रा बहु बाजार, महावीर मंदिर होते तपोवन मंदिर तक जाती रही है। फिर यह वापस चुटिया लौट आयी।

जीवन गोप, आरएसएस के श्रद्धानंद सिंह, हर्ष अजमेरा , बटेश्वर मेहता ने किया नेतृत्व, शहर में हुआ भव्य स्वागत

हजारीबाग – परंपरा के अनुसार आर्य समाज द्वारा संचालित आर्ष कन्या गुरुकूल की ओर से नवमी का शौर्य शोभायात्रा निकाला गया। बुधवार संध्या करीब तीन बजे प्रारंभ हुआ जुलूस रात के नौ बजे समाप्त हुआ। इस दौरान 275 आर्ष कन्या गुरुकूल की 275 ब्रहमचारी और ब्रहमचारिणियों ने शानदार तलवार बाजी,लाठी और अन्य साहसिक खेलों का प्रदर्शन कर लोगों को दांतों तले अंगुलियां दबाने को मजबूर कर दिया। लाठी के साथ साथ बालक और बालिकाओं का बैंड दस्ता भी चल रहा था। गुरुकुल के बच्चों ने इस दौरान मुख्य सड़क पर जमकर लाठियां भांजी। जुलूस में रथ और घोड़े भी शामिल किए गए। रथ पर आर्य समाज के प्रतिनिधि सवार थे। वहीं घोड़े पर रानी लक्ष्मीबाई बनी बेटियां हाथ में तलवार लेकर शौर्य और वीरता का साक्षी बनी।

शोभायात्रा का नेतृत्व आर्य समाज की ओर से जीवन यादव आरएसएस के जिला संघ चालक श्रद्धानंद सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता सह आरोग्यम के निदेशक हर्ष अजमेरा, भाजपा के बटेश्वर प्रसाद मेहता, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांत सह सचिव अरविंद राणा, महासमिति के पूर्व अध्यक्ष पीकू यादव सहित आर्य समाज के डा. विनोद व अन्य कर रहे थे। शोभायात्रा नवाबंगज से प्रारंभ होकर गुरु गोविंद पार्क होकर अनंदा चौक - पैगोडा चौक पहुंची। इसके बाद झंडा चौक होकर बड़ा अखाड़ा और फिर वापसी के क्रम में हनुमान मंदिर, ग्वाल टोली चौक होकर पुन ः झंडा चौक पहुंची। मालवीय मार्ग - बंशीलाल चौक होकर पुन ः अनंदा चौक पहुंचने के बाद इंद्रपूरी चौक होकर गुरुकूल में समापन हुआ। शोभायात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने भी लाठियां भांजी। समारोह में बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य और महिलाएं शामिल हुई।

कुड़माली लोक गायक भोलानाथ, ममता व राजदूत महातो के झूमर गीतों पर रातभर झूमे लोग

कसमार प्रखंड के मंजूरा गांव में सरहुल परब के अवसर पर हुआ रंगारंग कुड़माली सांस्कृतिक का कार्यक्रम
नेगाचारी गुरु संतोष केटिआर ने कहा कुड़मी जनजाति की अपनी भाषा, संस्कृति, परंपरा विशिष्ट व अलग

कसमार (बोकारो) कसमार प्रखंड के मंजूरा गांव में मंगलवार को सरहुल पूजन किया गया। इस अवसर पर आदिवासी कुड़मी समाज मंजूरा के द्वारा रात्रि को रंगारंग कुड़माली झूमर एवं ??पाता नाच कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध कुड़माली लोकगीत गायक भोलानाथ महतो, ममता महतो एवं राजदूत महतो के द्वारा एक से बढ़कर एक कुड़माली झूमर एवं अन्य गीत की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम की शुरुआत अखाड़ा वंदना के साथ की गई। इसके बाद एक से बढ़कर एक सुरूचिपूर्ण गीतों का आंनद लेते रहे। इस अवसर पर मुख्य रूप से पहुंचे कुडमाली नेगाचारी गुरु संतोष कटियार ने कहा कि कुड़मी जाति नहीं विशुद्ध रूप से जनजाति है। जिसकी अपनी आदिम लक्षण, विशिष्ट संस्कृति व भौगोलिक अलगाव का क्षेत्र है।?। अपनी भाषा, संस्कृति, परब-त्यौहार, देवाभूता हैं। जन्म, बिहा एवं मृत्यु संस्कार के अपने नेग-नियम है। जो किसी हिंदू वैदिक संस्कृति से पूर्णतया भिन्न है। कहा कि अपनी विशिष्ट संस्कृति को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। तभी कुड़मी जनजाति की पहचान सुरक्षित रहेगा। वही कुड़मी जनजाति के शोधकर्ता दीपक कुमार पुनरिनयार ने कहा कि सरकारी दस्तावेज एवं हमारी विशिष्ट जनजातीय लक्षण बता रही हैं कि कुड़मी जाति नहीं जनजाति है, लेकिन सरकार इन सब के बावजूद भी कुड़मी को जनजाति की सूची में शामिल नहीं कर रही है। इसके लिए और संघर्ष करने की जरूरत है। मौके पर मौके पर राजेन्द्र महतो, अनंत कड़हआर, मुरली पुनुरिआर, उमाचरण गुलिआर, टुपकेश्वर केसरिआर, जलेश्वर हिंदइआर, प्रवीण

केसरिआर, सहदेव टिडुआर, पियूष बंसरिआर, महावीर गुलिआर, ज्ञानी गुलिआर, भागीरथ बंसरिआर, मुरली जालबानुआर, सुभाष हिन्दइआर, सुलचंद गुलिआर, मिथिलेश केटिआर, उमेश केसरिआर, अखिलेश केसरिआर, अमरनाथ गुलिआर, सदानंद गुलिआर, लखीकांत केसरिआर, विश्वनाथ केसरिआर, शैलेश केसरिआर, दिलीप केसरिआर, निरंजन केसरिआर, धनेश्वर जालबानुआर, जनक केसरिआर, गणेश केसरिआर, कमल जालबानुआर, दुर्गा पुनअरिआर, द्वारिका केसरिआर, कुलेश्वर केसरिआर, लालमोहन गुलिआर, निरंजन केसरिआर, अजीत टिडुआर, बिंदेश्वर पुनुरिआर समेत कई अन्य लोग मौजूद थे।

ब्रह्माकुमारी गीता पाठशाला में हुआ चैतन्य नौ देवियों की झांकी का आयोजन

ब्रह्माकुमारी प्रीति बहन ने बताया नवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्य

खलारी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी गीता पाठशाला बिलारी में चैतन्य नौ देवियों की झांकी का आयोजन ब्रह्माकुमारी गीता पाठशाला डकरा सुभाष नगर की नियमित बीके प्रीति बहन के नेतृत्व में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यप अतिथि के रूप में बहेरा पंचायत के वार्ड सदस्य पंकज भाई उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में दुर्गा के अष्ट शक्तियों के प्रतीक स्व दर्शनचक्र, त्रिशूल, शंख, तलवार, धनुष, गदा, कमल पुष्प एवं ज्योति को स्पष्ट रूप से विस्तार करते हुए नवरात्रि के समय स्थापना किये जाने वाले कलश एवं पर्व के दौरान रखे जाने वाले व्रत व उपवास को भी बताया गया। वही दुर्गा, काली, उमा, वैष्णव, संतोषी, लक्ष्मी, सरस्वती के सभी रूपों को विस्तार करते हुए बताया गया कि पवित्रता जहां है, वहां सुख, शांति और संपत्ति स्वतः आती है। वही बीके प्रीति बहन ने नवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्यों को बताया। उन्होंने कहा कि भारत में परम्परागत तरीके से नवरात्र मनाया जाता है। नवरात्र का भावनात्मक अर्थ है दुर्गा के नौ रूपों की नौ दिनों तक पूजा-अर्चना और नवरात्र का आध्यात्मि अर्थ है नव युग में प्रवेश करने से ठीक पहले की ऐसी घोर अंधियारी रात्रि, जिसमें शिव, अवतरण लेकर मनुष्यात्माओं के पतित अवचेतन मन (कुसंस्कार) का ज्ञान अमृत द्वारा तरण (उद्धार) कर देते हैं। ऐसी तरित-आत्माएं फिर चैतन्य देवियों के रूप में प्रत्यक्ष हो कर कलियुगी मनुष्यों का उद्धार करती हैं। इस प्रकार पहले शिवरात्रि होती है, फिर नवरात्रि और फिर नवयुग आता है। महाविनाश से यह वसुन्धरा जलमग्न हो कर कल्पांत में अद्?भुत स्नान करती है, फिर स्वच्छ हो कर नौ लाख देवी-देवताओं के रूप में नौलखा हार धारण करती है। कहा कि देवियों के अन्दर कोई भी अवगुण नहीं होता है। सभी दैवी गुणों से भरपूर होती है। और दुर्गुणों का नाश करने वाली ही दुर्गा और काली है। बीके प्रीति बहन ने कहा कि वर्तमान समय सृष्टि पर परमात्मा शिव का दिव्य अवतरण हो चुका है और वह स्वर्णिम युग की पुनर्स्थापना का अपना अलौकिक कर्तव्य कर रहे हैं।

नवरात्रि के समय पूरे नौ दिन तक नौ देवियों की पूजा अर्चना ः पंकज

नवरात्रि के समय पूरे नौ दिन तक नौ देवियों की पूजा अर्चना होती है। तथा भक्त नौ दिनों तक व्रत रखते है। चाहे वह कोई भी हो। नर हो या नारी हर कोई नवरात्रि की उपासना करता है। उक्त बातें कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पंकज भाई ने कहा। उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह सृष्टि परिवर्तन की सर्वोत्तम संगम युग की घड़ी है।

रामनवमी मेला व शोभायात्रा में उमड़ी जन सैलाब, रामभक्तो ने हैरत अंगेज अस्त्र शस्त्र का प्रदर्शन किया

रामनवमी मेला व शोभायात्रा में उमड़ी जन सैलाब

- रामभक्तो ने हैरत अंगेज अस्त्र शस्त्र का प्रदर्शन किया

संवाददाता विकास कुमार

बेड़ो। प्रखंड़ मुख्यालय स्थित महादानी मैदान में रामनवमी पूजा महासमिति के तत्वावधान में बुधवार को रामनवमी मेला व शोभायात्रा का आयोजन किया गया. विभिन्न गांवों के अखाड़ेधारियों ने महावीरी झंड़ो के साथ जय श्रीराम व बजरंग बली की जय कारे लगाते हुए शोभा यात्रा निकाली. शोभायात्रा महादानी मैदान में पहुंच कर रामनवमी मेले में बदल गयी.जहां अखाड़ेधारियों ने हैरत अंगेज अस्त्र शस्त्र चालन कर लोगो को अचंभित कर दिया. वही अस्त्र शस्त्र चालन, बाजा व झांकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन टीमों के बीच पुरस्कार का वितरण किया

गया. झांकी में बमफर पुरस्कार श्रीराम सेना पाकल मेडी,प्रथम पवन पुत्र टेंगरिया, द्वितीय हरिहरपुर जामटोली,तृतीय शिवशक्ति क्लब फादिमार्चा की टीम पुरस्कार मिला. बाजा में प्रथम बजरंग दल करांजी, द्वितीय बजरंग दल करांजी,तृतीय अमर ज्योति क्लब मुढ़ामू को जबकि अस्त्र में शस्त्र में प्रथम बजरंग दल करांजी, द्वितीय पवन पुत्र क्लब चचगुरा, तृतीय बजरंग दल भंडरा को वही बडा झंड़ा का पारस गोप बोदा को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया.समारोह का संचालन नवदीप महतो, विश्वनाथ गोप व रवि सिंह ने किया. मुख्य अतिथि पूर्व निर्देशक प्रमुख डा प्रवीण चंद्र, राम नरायण भगत,हिंदू जागरण मंच के प्रदेश महामंत्री बाणी कुमार राय, अध्यक्ष राकेश भगत,धनंजय कुमार रॉय,मुखिया सुशंति भगत, महाबीर गोप,भवानी शरण सिंह, केश्वर महतो, नंदलाल महतो,राजेन्द्र साहु, बासुदेव महतो, पंकज महतो, दिलीप महतो, जगरनाथ भगत , शशी गोप,व अनिल उरांव सहित कई लोग थे.जबकि कार्यक्रम को सफल बनाने में महासमिति के कृष्णा गोप, सुरेंद्र महतो, अशोक महतो, कैलाश महतो,चरवा उरांव,आशीष महतो,हरिचरण महतो, मुकेश कुमार राय, मनोज बड़ाईक, सुरजीत भगत,अंकित सोनी, विकास बंटी रौनियार व रवि सिंह,डॉ रमेश गुप्ता,अजय गुप्ता (बबलू),मुकेश कुमार ने किया. इधर रामनवमी को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखी. हर चौक चौराहे पर पुलिस के जवान तैनात दिखे. डीएसपी , सीओ व थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस विभाग के पदाधिकारी और प्रखंड प्रशासन के अधिकारी तैयनात थे.समाजसेवियों द्वारा चना,गुड़ व पानी जगह-जगह स्टॉल लगाकर राम भक्तों की सेवा किया. वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलन्त चिकित्सा उपलब्ध करायी गयी थी।

एक नए सफ़र की शुरुआत कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो स्टील प्लांट से अप्रैल 2024 में सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृति से जुड़ी औपचारिकताओं तथा सेवानिवृति के उपरान्त जीवन में आने वाले संभावित परिवर्तनों के समुचित प्रबंन्धन की जानकारी देने के उद्देश्य से मानव संसाधन विकास केंद्र के मुख्य प्रेक्षागृह में ÷एक नए सफ़र की शुरुआत÷ कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के आरम्भ में वरीय प्रबंधक (कार्मिक-फाइनल सेटलमेंट) श्रीमती अंकिता देव ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा नए मेडिक्लेम योजना की जानकारी के साथ कार्यक्रम के प्रयोजन से सभी को अवगत कराया. डॉ जया लक्ष्मी, मेडिकल ऑफिसर (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) और योग विशेषज्ञ डॉ विनय योग ने इस्पात कर्मियों को स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में बताया. उप महा प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) श्री समीर कुमार रॉय ने उपस्थित समूह को वित्तीय प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी दी. एच डी एफ सी बैंक से श्री रोहन सिंह तथा श्री रबिश शर्मा ने उपस्थित समूह को धन निवेश पर सुझाव तथा बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जानकारी दी. सुश्री संगीता कुमारी, ए.सी.टी. (कार्मिक-फाइनल सेटलमेंट) ने अंतिम निपटारा गतिविधियों के बारे में बताया।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट: 47 साल की कानूनी लड़ाई के बाद 79 वर्षीय रेलकर्मी को मिला न्याय

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में रेलवे के रिटायर्ड कर्मचारी को बड़ी राहत दी है। 47 साल चली लंबी कानूनी लड़ाई के बाद यह फैसला आया है। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश के कल्पनातीत करार देते हुए याची को सेवा से संबंधित सारे लाभों का भुगतान करने का आदेश जारी किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट से 79 वर्षीय रेलकर्मी को 47 साल की कानूनी लड़ाई के बाद न्याय मिला है। कोर्ट ने रेलवे के सीनियर रक्षक की सेवा समाप्ति के आदेश को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया। साथ ही सेवा से संबंधित सभी लाभ देने का आदेश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन ने पांचू गोपाल घोष की याचिका स्वीकार करते हुए दिया। मामले में पांचू गोपाल घोष रेलवे में सीनियर रक्षक की सेवा पर तैनात था। बिना विभागीय जांच के 1976 में उसे बर्खास्त कर दिया गया। इस मामले में हाईकोर्ट ने 2010 के आदेश से बर्खास्तगी के आदेश पर रोक लगाते हुए विभागीय जांच कर नए सिरे से आदेश पारित करने का निर्देश दिया। जांच कमेटी ने 4 मई 2012 को रिपोर्ट दी और कहा कि मामला 35 साल पुराना है। ऐसे में आरोप साबित करने के लिए दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। विभागीय अधिकारियों ने 1976 के बर्खास्तगी आदेश को साक्ष्य मानते हुए 5 जून 2012 को नए सिरे से बर्खास्त कर दिया। हाईकोर्ट ने इसे कल्पनातीत आदेश करार देते हुए रद्द कर दिया। सेवा जनित सभी लाभ का भुगतान तीन माह में करने का रेलवे विभाग को निर्देश दिया।

रुहेलखंड का सियासी पारा बढ़ाएंगे पीएम मोदी, बरेली में 26 अप्रैल को करेंगे रोड शो

बरेली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 अप्रैल को बरेली में रोड शो प्रस्तावित है। इसको लेकर भाजपा के पदाधिकारी तैयारियों में जुट गए हैं। इससे एक दिन पूर्व 25 अप्रैल को बदायूं और शाहजहांपुर में पीएम मोदी चुनावी भी करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर चुनावी माहौल गरमाने के लिए रुहेलखंड के सियासी रण में ताबड़तोड रैलियां करेंगे। 26 अप्रैल को पीएम मोदी बरेली में भाजपा उम्मीदवार छत्रपाल सिंह गंगवार के पक्ष में रोड शो करेंगे। इससे एक दिन पूर्व 25 अप्रैल को बदायूं और शाहजहांपुर में उनकी चुनावी रैलियां प्रस्तावित हैं। प्रधानमंत्री मोदी 26 अप्रैल की शाम करीब एक घंटे जनता के बीच होंगे। पीएम मोदी के रोड शो की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए भाजपा के पदाधिकारी जुट गए हैं। उधर, 25 अप्रैल को आंवला और बदायूं लोकसभा सीट की संयुक्त रैली के स्थान पर बुधवार को अंतिम निर्णय कर लिया जाएगा।

शहर में चार बजे से शुरू करेंगे रोड शो

बरेली के भाजपा महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना ने बताया कि 26 अप्रैल को अपराह्न चार बजे प्रधानमंत्री बरेली में रोड शो की शुरुआत करेंगे। वह करीब एक घंटे तक बरेली में रहेंगे। पीएम मोदी के रोड शो के लिए रूट तय करने के लिए बुधवार को पार्टी पदाधिकारियों की बैठक होनी है। राम मंदिर के लोकार्पण के बाद पीएम मोदी पहली बार बरेली आएंगे। ऐसे में इस रोड शो में उनका आभार भी प्रकट किया जाएगा। आंवला के जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह ने बताया कि बदायूं में होने वाली रैली के लिए शहर में ही तीन मैदान चिह्नित किए गए हैं। बुधवार को बदायूं के जिलाध्यक्ष के साथ दौरा कर स्थान को तय कर दिया जाएगा।

बसपा प्रत्याशी समेत पांच का नामांकन, सपा-भाजपा भी तैयार, सात मई को होगा मतदान

बहजोई (संभल), एजेंसी। संभल में तीसरे चरण में मतदान होगा। इसके लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। अब तक बसपा समेत पांच प्रत्याशियों ने नामांकन करवाया है। भाजपा और सपा प्रत्याशी भी नामांकन करवाने के लिए तैयार है। संभल लोकसभा सीट मंगलवार को बसपा प्रत्याशी सौलत अली समेत पांच ने नामांकन कराया। हालांकि अभी तक भाजपा और सपा प्रत्याशी ने नामांकन नहीं कराया है। जबकि दोनों दलों के प्रत्याशी पर्चा खरीद चुके हैं। वहीं पीस पार्टी के प्रत्याशी राशिद ने मंगलवार को दोबारा अपने नाम से दूसरा सेट जमा किया है। जबकि नौ प्रत्याशियों ने 18 पर्चे खरीदे। संभल लोकसभ सीट पर तीसरे चरण में सात मई को मतदान होना है। इसके लिए 12 अप्रैल से नामांकन प्रक्रिया चल रही है। सोमवार को एक प्रत्याशी ने नामांकन कराया। मंगलवार को बसपा प्रत्याशी चौधरी सौलत अली अपने समर्थकों के साथ नामांकन के लिए पहुंचे। पुलिस ने भीड़ व समर्थकों को गेट के बाहर ही रोक दिया। बसपा प्रत्याशी चौधरी सौलत अली ने प्रस्तावक व कुछ समर्थकों के साथ कलक्ट्रेट स्थित नामांकन कक्ष में आरओ मनीष बंसल को अपना नामांकन पत्र सौंपा।

ब्रज में मतदाताओं का मिजाज ही अनोखा, जो पसंद आ गया...उसे बार-बार भेजा संसद

आगरा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में एक बार चुने जाने के बाद जो सांसद लगातार लोगों के बीच सक्रिय रहे उन्हें मतदाताओं ने भी कई बार चुना और संसद भेजा। ब्रज की पट्टी पर मतदाताओं का मिजाज ही कुछ ऐसा है जिसे एक बार पसंद तो फिर बार-बार चुना। कभी प्रत्याशी के इरादे पसंद आए तो कभी सियासी दल के वादे पसंद आए। अतीत के पन्ने पलटें तो पता चलता है कि दलीय लहर और बदलाव की हवा भी ब्रज क्षेत्र में चुनाव पर असर डालती रही है। आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा और मथुरा सीट पर एक ही प्रत्याशी बार-बार चुनाव जीतते रहे हैं। बार-बार एक दल को मतदाता वोट देते रहे हैं। आगरा लोकसभा क्षेत्र की बात करें तो यहां से 1952 से लेकर 1971 तक लगातार कांग्रेस के सेठ अचल सिंह एमपी बने। लगातार पांच चुनाव में कांग्रेस का आगरा सीट पर कब्जा रहा।

1977 में जनता पार्टी की लहर में कांग्रेस को यहां से हार मिली और जनता पार्टी के शंभूनाथ चतुर्वेदी सांसद चुने गए। इसके बाद फिर कांग्रेस को ही मौका मिला। 1980 और 84 के चुनाव में कांग्रेस के निहाल सिंह सांसद चुने गए। 1991 से 1998 तक इस

सीट पर भाजपा का कब्जा रहा। लगातार तीन बार भगवान शंकर रावत यहां से सांसद बने। 1999 ओर 2004 में सपा के राज बब्बर आगरा की पसंद बने। 2009 से 2019 तक फिर आगरा की पसंद भाजपा रही। रामशंकर कठेरिया और प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल एमपी चुने गए। आगरा सीट पर सात बार कांग्रेस का एमपी रहा है। छह बार भाजपा का कब्जा रहा है। यानी आगरा ने एक बार जिस दल और चेहरे पर भरोसा किया उसे बार-बार चुना।

कान्हा की नगरी में पांच चुनाव जीती कांग्रेस: मथुरा तो ब्रज का प्राण है। यहां शुरू से राधे-राधे का ही बोलबाला है। मथुरा के मतदाताओं ने एक बार जिस पर भरोसा किया उस पर बार-बार भरोसा कर संसद भेजा। यही वजह है कि कान्हा की नगरी से कांग्रेस पांच बार चुनाव जीती है। 1962 से 71 तक और 1984 में मथुरा में कांग्रेस चुनाव जीती। 1991 से 1999 तक लगातार भाजपा का कब्जा रहा। मानवेंद्र सिंह और तेजवीर सिंह पर मथुरा ने बार-बार भरोसा किया। दोनों तीन-तीन बार सांसद चुने गए। 2014 और 2019 में मथुरा ने हेमामालिनी को लगातार जिताया। इस बार फिर वे मैदान में हैं।

मैनपुरी में बार-बार मुलायम पर ही भरोसा

मैनपुरी तो सपा का गढ़ है। 1996 से 2019 तक लगातार यह सीट सपा जीत रही है। यूं कहें मुलायम के परिवार का ही कब्जा है। वैसे 1989 और 1991 में मुलायम सिंह यादव के गुरु उदय प्रताप सिंह लगातार दो बार यहां से सांसद चुने गए थे। तब सपा का गठन नहीं हुआ था लेकिन जनता दल और जनता पार्टी से उदय प्रताप सिंह को मुलायम ने ही चुनाव लड़ाया था। इस लिए माना जा सकता है कि कि सपा लगातार 12 चुनाव जीती है। पांच चुनाव यहां कांग्रेस जीती है। बादशाह गुप्ता दो बार सांसद चुने गए थे।

महादीपक शाक्य को नहीं छोड़ पाए एटा के लोग

एटा के वोटरों ने भी एक उम्मीदवार पर बार-बार भरोसा किया। महादीपक शाक्य को पांच बार सांसद चुना। वह 1977 में जनता पार्टी उसके बाद 1989 से 1998 तक लगातार भाजपा से सांसद चुने गए। 2014 से अब तक इस सीट पर भाजपा का कब्जा है। कल्याण सिंह को भाजपा से बगावत के बाद भी 2009 में एटा के लोगों ने जनक्रांति पार्टी से चुना। चार चुनाव यहां से कांग्रेस ने जीते हैं। सपा से कुंवर देवेंद्र सिंह लगातार दो बार सांसद चुने गए।

फिरोजाबाद में सुमन और कठेरिया को बार-बार जिताया

चूड़ियों के शहर फिरोजाबाद सीट पर भी मतदाताओं में एक उम्मीदवार को बार-बार जिताया। पांच बार यहां से रामजीलाल सुमन को सांसद चुना। कांग्रेस तीन बार ही यहां से जीत सकी। सपा चार बार जीती है। भाजपा ने भी चार चुनाव जीते हैं। भाजपा पर यहां के लोगों ने भरोसा किया किया तो 1991, 96, 98 में लगातार तीन बार प्रभु दयाल कठेरिया को एमपी बनाया।

बसपा के तीन सांसदों ने छोड़ा साथ... चार नए चेहरों पर लगाया दांव; पूर्वांचल की सीटों पर प्रत्याशी घोषित

वाराणसी, एजेंसी। 2019 के चुनाव में पूर्वांचल की लालगंज, गाजीपुर, जौनपुर और घोसी सीट पर बसपा ने जीत हासिल की थी। चारों सीटों पर जीते सांसदों ने इस बार पार्टी का साथ छोड़ दिया है। लोकसभा चुनाव की आहट के साथ बहुजन समाज पार्टी के सांसदों ने दूसरे ठौर तलाशने शुरू कर दिए थे। पूर्वांचल में जीते चार सांसदों में से तीन साथ छोड़ गए तो घोसी से अतुल राय का अधिकतर समय जेल में बीता। ऐसे में पार्टी ने इस बार चुनाव में जीती हुई सभी सीटों पर नए चेहरों पर दांव लगाया है। लालगंज सीट पर बसपा की संगीता आजाद ने जीत हासिल की थी। उन्होंने भाजपा की नीलम सोनकर को हराया था। इस बार बसपा ने डॉ. इंदु चौधरी को टिकट दिया है। वहीं जौनपुर से बसपा सांसद श्याम सिंह यादव ने पिछले दिनों कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की थी। वह कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए थे। माना जा रहा था कि उन्होंने खुद को पार्टी से अलग होने के संकेत दे दिए थे। इस चुनाव में बसपा ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह की पत्नी जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकला सिंह को चुनाव मैदान में उतारा है। श्याम सिंह यादव

ने 2019 के चुनाव में भाजपा के कृष्ण प्रताप सिंह को हराया था। इसी तरह घोसी सीट से अतुल राय का टिकट काट दिया है। अतुल राय का पूरा कार्यकाल लगभग जेल में ही बीता है। उनकी संसद में उपस्थिति भी सिर्फ एक फीसदी ही रही है।

उनकी जगह बसपा ने पूर्व सांसद बालकृष्ण चौहान को टिकट दिया है। बालकृष्ण कांग्रेस छोड़कर बसपा में शामिल हुए हैं। अतुल राय इस सीट पर भाजपा के हरिनारायण को हराकर चुनाव जीते थे।

गैर मुस्लिम अल्पसंख्यक बन सकते हैं किंग मेकर, जिले में ऐसे हैं 1.75 लाख मतदाता, ये है समीकरण

कानपुर , एजेंसी। जिले के 16.52 लाख मतदाताओं में 5.90 लाख अल्पसंख्यक मतदाता है। इनमें 4.15 लाख मुस्लिम, तो 1.75 लाख से ज्यादा अन्य अल्पसंख्यक वोटर हैं। मुस्लिमों के बाद सबसे बड़ी तादाद में सिख समाज है। इनके भी 1.20 लाख मतदाताओं की भूमिका अहम होगी। कानपुर की नगर लोकसभा सीट पर होने वाले चुनाव में 5.90 लाख अल्पसंख्यक मतदाता अहम भूमिका निभाएंगे। इनका वोट किसी की भी जीत-हार का समीकरण बना या बिगाड़ सकता है। इन अल्पसंख्यक मतदाताओं में सबसे ज्यादा 4.15 लाख मुस्लिम मतदाता हैं। इन्हें छोड़ भी दें तो अल्पसंख्यक वर्ग में शामिल शेष 1.75 लाख मतदाता, जिनमें सिख, ईसाई और जैन शामिल हैं। ये चुनाव में किंग मेकर की भूमिका निभा सकते हैं।

दलों के अल्पसंख्यक नेता इन्हें साधने में जुट गए हैं। कानपुर लोकसभा सीट में आने वाली गोविंदनगर, किदवईनगर, कैंट, आर्यनगर और सीसामऊ विधानसभा क्षेत्रों में मुस्लिमों के

अलावा 1.75 लाख अल्पसंख्यक मतदाता हैं। इनमें सिख समाज के 1.20 लाख, ईसाई के 30 हजार और जैन धर्म के 25 हजार मतदाता शामिल हैं। इन मतदाताओं का लामबंद वोट किसी भी दल के प्रत्याशी को संसद पहुंचा सकता है।

गोविंदनगर विधानसभा सीट: 3.57 लाख मतदाता वाले गोविंदनगर विधानसभा क्षेत्र में 45 हजार सिख, नौ हजार ईसाई और करीब पांच हजार जैन धर्म को मानने वाले मतदाता हैं। सपा-बसपा की कमजोर पकड़ वाली इस विधानसभा क्षेत्र में इन मतदाताओं ने ज्यादातर कमल खिलाया या फिर कांग्रेस का हाथ पकड़ा। पिछले विधानसभा चुनाव में इनका कांग्रेस से मोहभंग हुआ था तो सपा के वोट बढ़े नजर आए।

मुरादाबाद मंडल में डॉक्टर से प्रोफेसर तक रहे हैं सांसद, राजनीति में शामिल हो बनाई अगल छवि

मुरादाबाद, , एजेंसी। मुरादाबाद मंडल में अब तक चुने गए सांसदों में डॉक्टर से लेकर प्रोफेसर तक शामिल हैं। इन सभी लोगों ने राजनीति में अगल छवि बनाई। यह सांसद वर्ष 1977 से 2019 के बीच चुने गए। मुरादाबाद मंडल में चुने गए सांसदों में डॉक्टर से लेकर प्रोफेसर तक शामिल हैं। ये सांसद वर्ष 1977 से 2019 के बीच चुने गए हैं। जो सांसद बनने के बाद भी अपने पेशे को नहीं छोड़ा। मुरादाबाद से वर्तमान सपा सांसद डॉ. एसटी हसन एक सर्जन है।

संभल से 2004 में प्रो. रामगोपाल यादव को जनता ने सांसद चुनकर संसद भेजा था। राजनीति से पहले प्रोफेसर रामगोपाल यादव इटावा स्थित एक कॉलेज में प्रवक्ता रह चुके हैं। नगीना के मतदाताओं ने 2014 में डॉ. यशवंत सिंह को सांसद चुनकर संसद भेजा था।

डॉ. राजेंद्र कुमार शर्मा

डॉ. राजेंद्र कुमार शर्मा रामपुर से 1977 और 1991 में सांसद चुने गए थे। हाथरस के रहने वाले राजेंद्र कुमार शर्मा ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से पढ़ाई करने के बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली से जैव रसायन विज्ञान में डिग्री हासिल की थी। उन्होंने पैथोलॉजी में डीएससी और जैव रसायन में पीएचडी की। उन्हें 2014 में रॉयल सोसायटी ऑफ द आर्ट्स का फेलो चुना गया था।

डॉ. एसटी हसन

2019 में चुने गए मुरादाबाद के सांसद डॉ. एसटी हसन ने 1981 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से एमबीबीएस किया था। इसके बाद उन्होंने मास्टर इन सर्जरी की। सांसद बनने के बाद भी डॉ. एसटी हसन आज भी मरीज देखते हैं। वह 2006 से 2012 तक मुरादाबाद के मेयर रहे।

डॉ. यशवंत सिंह

डॉ. यशवंत सिंह 2014 में नगीना से सांसद रह चुके हैं। पेशे से वह एक डॉक्टर हैं। उन्होंने नेहरू मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली से पैथोलॉजी में एमडी की उपाधि प्राप्त की है। वह विधायक भी रह चुके हैं।

प्रो. राम गोपाल यादव

2004 से 2008 तक संभल के सांसद रह चुके प्रो. रामगोपाल यादव ने आगरा विश्वविद्यालय से भौतिक विज्ञान में एसएससी और कानपुर विश्वविद्यालय से एमए करने के बाद पीएचडी की। वह 1969 में केके पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज में भौतिक विज्ञान में प्रवक्ता नियुक्त हुए थे। 1994 में वह चौधरी चरण सिंह डिग्री कॉलेज इटावा के प्रधानाचार्य बने।

सोने और हीरे-मोती के जेवरातों की शौकीन हैं डिंपल यादव करोड़ों की मालकिन?

मैनपुरी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में जनता के बीच अपनी सादगी के लिए पहचानी जाने वाली सांसद डिंपल यादव निजी जिंदगी में आभूषणों की बेहद शौकीन हैं। उनके पास पौने तीन किलो सोना है। लाखों के हीरे और मोती हैं। 15.54 करोड़ की संपत्ति की मालकिन डिंपल के पास अपनी कार नहीं है। वहीं पति अखिलेश यादव संपत्ति

के मामले में डिंपल से कहीं आगे हैं। वे 26 करोड़ से अधिक की संपत्ति के मालिक हैं। ये जानकारियां डिंपल यादव ने मंगलवार को नामांकन पत्र के साथ दाखिल हलफनामे में सार्वजनिक की हैं। डिंपल यादव के पास 10.44 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। 5.10 लाख रुपये की चल संपत्ति है। पति अखिलेश यादव की अगर बात करें तो उनके पास 17.22 करोड़ की अचल संपत्ति और 9.12 करोड़ की चल संपत्ति है। डिंपल यादव आभूषणों के मामले में सभी प्रत्याशियों पर भारी हैं। 27704 ग्राम सोने के साथ ही उनके पास 203 ग्राम मोती और 125.75 कैरेट हीरे हैं। अखिलेश यादव के पास न तो सोना है और न ही हीरे मोती। हमेशा ही लंबी कारों में नजर आने वाली डिंपल यादव के पास अपनी कार तक नहीं है। उनके पति अखिलेश यादव का हाल भी कुछ ऐसा ही है, उनके पास भी कोई कार नहीं है।

न फेरे... न कसमें, एक दूजे का हाथ थाम बन गए हमसफर

बौद्ध रीति-रिवाज से हुआ 35 जोड़ों का विवाह

आगरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगरा में भीमनगरी आयोजन के दूसरे दिन मंगलवार को 35 जोड़े बौद्ध रीति रिवाज से एक दूजे का हाथ थाम हमसफर बने। देवरी रोड स्थित भीम वाटिका से 35 दूल्हे घोड़े सवार होकर बैंड बाजे संग नंदपुरा स्थित लंदन स्कूल ऑफ़ इकनोमिक एंड पॉलिटिक्स साइंस की तर्ज पर सजे भीमनगरी के मंच पर पहुंचे। जहां भीमनगरी केंद्रीय समिति की ओर से सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया।

भीमनगरी समारोह के सामूहिक विवाह में लोगों का उत्साह देखने को मिला। खचाखच भरे मैदान में जय भीम जय भीम के नारे लगते दिखे। मेले में चाट पकौड़ी, आसमानी झूले का बड़े छोटे लुत्फ उठाते दिखे। तो वहीं फिरोजाबाद, एटा, मथुरा आगरा देहात, शहरी क्षेत्रों के 35 दूल्हे घोड़े पर सवार होकर अपनी जीवनसाथी का हाथ थामने के लिए मंच पर पहुंचे।

लाल जोड़ा पहने 35 दुल्हन मंच पर पहुंची। बुद्धम शरणम गच्छामि के स्वर लहरिया के साथ आयोजन शुरू किया गया। बौद्ध रीति रिवाज से सामूहिक विवाह कराने के लिए 10 बौद्ध भिक्षुक पहुंचे। भिक्षुक सिद्धार्थ बोधी, अशोक रतन व अन्य भिक्षुकों ने विवाह की रस्में पूरी कराई। फिर एक के बाद एक समाज के प्रतिष्ठ लोगों ने नवविवाहितों को दिल खोलकर दान दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आईपीएस डॉ. डीपी अशोक, राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन, धर्म प्रकाश भारती ,विधायक डॉ.जीएस धर्मेश, रामबाबू हरित, श्याम जरारी, करतार सिंह भारती, धर्मेंद्र सोनी, एसबी दिनकर, राज नारायण, मुकेश कल्याण, डॉ. व्यास, संजय सिंह, विवाह समिति अध्यक्ष राजवीर सिंह, संयोजक रामकिशोर गौतम, शशि गौतम आदि उपस्थित रहे।

आगरा के एक व्यापारी राजेश ने सभी दूल्हों को उपहार के तौर में साइकिल भेंट की। वहीं, अन्य लोगों ने कुकर, चूल्हा, पंखा, मेज, कुर्सी ,डिनर सेट आदि उपहार के तौर में सभी जोड़ों को दिया।

नहीं मिल पाए अधिक जोड़े: इस बार विवाह समिति को भीमनगरी में सामूहिक विवाह कराने के दूल्हे और दुल्हन ढूंढने से भी नहीं मिले। पिछले साल पंचशील कॉलोनी में सजी भीमनगरी में 51 जोड़ों का बौद्ध रीति रिवाज से विवाह कराया गया था, लेकिन इस बार सिर्फ 35 जोड़े ही विवाह समिति को चार महीने की मेहनत के बाद मिल सके। जिस भीमनगरी में विवाह करने के लिए लोगों में ललक होती थी, उसी भीमनगरी में इस बार जोड़ों की संख्या कम दिखाई दी।

आज होगा मेधावियों, कार्यकर्ताओं का होगा सम्मान: भीमनगरी के आखिरी दिन बुधवार की शाम को भीमनगरी केंद्रीय समिति समाज के सभी मेधावियों, कार्यकर्ताओं व अधिकारी पद पर नियुक्त समाज के लोगों को सम्मानित करेगी। इसी के साथ अगले साल भीमनगरी कहां सजेगी उसका भी ऐलान किया जाएगा।

संपादकीय

बड़ी नौकरियां

आईआईटी, बॉम्बे से आई यह खबर विचारणीय है कि दुनिया में बड़ी नौकरियों का अभाव होने लगा है। वैसे तो दिसंबर से मई तक कैंपस प्लेसमेंट का दौर चलता है, लेकिन अभी तक के आंकड़ों को देखें, तो आईआईटी, बॉम्बे से इस साल पास हो रहे लगभग 36 प्रतिशत छात्रों की नौकरी सुरक्षित नहीं हुई है। संख्या में अगर बात करें, तो करीब 2,000 छात्रों ने कैंपस प्लेसमेंट के लिए आवेदन किया था, पर उनमें से 712 को अभी तक किसी कंपनी ने नौकरी का प्रस्ताव नहीं दिया है। इस विषय को लेकर कई आलोचकों ने चिंता का इजहार किया है, पर पिछले वर्षों से तुलना करें, तो स्थिति बहुत चिंताजनक नहीं दिखती है। अभी तक नौकरी न पाने वालों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 2.8 प्रतिशत अधिक है। विश्लेषकों की पहली दलील यही है कि विश्व अर्थव्यवस्था की स्थिति अच्छी नहीं है, इसलिए बड़ी नौकरियों के प्रस्ताव सामने नहीं आ रहे हैं। क्या एक आईआईटी से आए इन आंकड़ों को लेकर हमें बहुत चिंतित होना चाहिए? वास्तव में, चिंता उन्हीं लोगों को होगी, जो तुलनात्मक अध्ययन नहीं करेंगे। हां, यह सही है कि विश्व अर्थव्यवस्था में मंदी का दुष्प्रभाव है। विश्व की विकसित अर्थव्यवस्थाएं तनाव से गुजर रही हैं, पर इसका अर्थ यह नहीं कि आईआईटी से निकले इंजीनियर बेरोजगार रह जाएंगे। रोजगार तो सभी को मिलेगा, हां, कुछ इंतजार करना पड़ सकता है। दरअसल, आईआईटी, बॉम्बे अपनी नीति के तहत शुरुआत में कंपनियों के नाम और पैकेज का आधार तय करता है। जाहिर है, जब आप बड़ी विदेशी कंपनियों को प्लेसमेंट के लिए बुलाएंगे, तो वे बड़ी नौकरियां और बड़े पैकेज के साथ ही आएंगी। दूसरी बात, इसमें कोई शक नहीं कि बड़ी विदेशी कंपनियों ने पदों की संख्या घटा दी है। इसलिए कैंपस प्लेसमेंट में भारतीय कंपनियों को तरजीह देने की जरूरत है। भारत में प्रतिभाओं की भरमार है और आबादी भी बहुत ज्यादा है। यहां हर किसी को करोड़ रुपये का पैकेज नहीं प्रस्तावित किया जा सकता। वैसे भी करोड़ों की नौकरियां हकीकत नहीं हैं। हम पहले देख चुके हैं कि अनेक संस्थान अपने यहां प्लेसमेंट की पूरी हकीकत नहीं बताते और अपना सम्मान बढ़ाने के लिए दुष्प्रचार भी करते हैं। जैसे, महज 22 प्रतिभाओं को करोड़ रुपये का पैकेज प्रस्तावित होता है।

उ.प्र. में किसका खेल बिगाड़ेंगी मायावती, 17 साल पुराने फॉर्मूले से मिलेगी सफलता?

मायावती का पूरा फोकस दलित, मुस्लिम और ब्राह्मणों पर दिखाई दे रहा है। मायावती की पार्टी की ओर से तीन अलग-अलग सूची जारी की गई है। बुधवार को 12 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया था। इससे पहले 16 प्रत्याशियों की पहली और नौ उम्मीदवारों की दूसरी सूची भी पार्टी की ओर से जारी की गई थी। उत्तर प्रदेश में सियासी बिसात जबरदस्त तरीके से देखने को मिल रही है। कुछ समय पहले तक खामोश रही बहुजन समाज पार्टी अपनी ताकत दिखाने की शुरुआत कर चुकी है। उत्तर प्रदेश के चुनावी रण में मायावती ने अकेले मैदान में उतरने का फैसला लिया है। बड़ा सवाल यही है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में महज एक सीट पर सिमटने वाली बसपा लोकसभा चुनाव में क्या कमाल कर पाएगी। लेकिन जिस तरीके से मायावती टिकटों का बंटवारा कर रही हैं, उससे इस बात का संकेत साफ तौर पर हो रहा है कि बसपा खुद को कमजोर नहीं मानती। इतना ही नहीं, कई सीटों पर मायावती समाजवादी पार्टी का खेल बिगाड़ती नजर भी आ रही हैं। साथ ही साथ 2007 में जिस सोशल इंजीनियरिंग के सहारे मायावती ने उत्तर प्रदेश की सत्ता हासिल की थी, ठीक उनकी ओर से वैसा ही कुछ इस बार करने की कोशिश की जा रही है। मायावती का पूरा फोकस दलित, मुस्लिम और ब्राह्मणों पर दिखाई दे रहा है। मायावती की पार्टी की ओर से तीन अलग-अलग सूची जारी की गई है। बुधवार को 12 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया है। इससे पहले 16 प्रत्याशियों की पहली और नौ उम्मीदवारों की दूसरी सूची भी पार्टी की ओर से जारी की गई थी। बसपा की ओर से सभी सीटों पर नए चेहरे पर दांव लगाया गया है। 2019 में चुनाव जीतने वाले 10 सांसदों में से सिर्फ गिरीश चंद्र जाटव को ही टिकट दिया गया है। उनकी सीट बदल दी गई है। इस बार नगीना की बजाय बुलंदशहर से उन्हें उतर गया है। तीसरी लिस्ट की 12 प्रत्याशियों में तीन ब्राह्मण, तीन दलित, दो मुस्लिम, एक ठाकुर और एक खत्री के अलावा दो ओबीसी हैं। जबकि पहले जो 25 प्रत्याशियों की सूची जारी की गई थी उसमें आठ सवर्ण, 7 मुस्लिम, 7 अनुसूचित जाति और दो ओबीसी को मैदान में उतर गया था। पार्टी की ओर से ठीक इसी तरीके की रणनीति 2007 में दिखाई गई थी।

बिहार की राजनीति का 'चिराग' संभावना का वाहक

(ललित गर्ग)

चिराग इस मामले में अन्य क्षत्रप या नेता पुत्रों से थोड़ा अलग इसलिए भी हैं कि उनका नजरिया और अंदाज भविष्योन्मुखी और विकासवादी प्रतीत होता है। यही कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी चिराग में राजनीतिक संभावनाओं को गहराई से समझा है। इन सबके बावजूद यक्ष प्रश्न यह है कि क्या चिराग अपने पिता की दलित राजनीति की विरासत को कोई नया आयाम दे पाएंगे। या फिर वह इस विरासत से इतर मुख्यधारा की राजनीति में अपनी काबिलियत दिखाएंगे।

आगामी लोकसभा चुनाव 2024 चिराग का सशक्त एवं उम्मीदभरा राजनीतिक भविष्य उजागर करते हुए बिहार के शीर्ष नेतृत्व की ओर अग्रसर करे तो कोई आश्चर्य नहीं। इस बात के संकेत इनदिनों की बिहार की राजनीति गतिविधियों से मिलने लगे हैं। खुद को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हनुमान बताने वाले युवा नेता चिराग पासवान इन दिनों बिहार की राजनीति में लाइमलाइट में हैं। राजनीतिक कौशल एवं प्रभावी रणनीति के तहत तेजी से अपनी राजनीतिक जमीन को मजबूती देते हुए बिहार की राजनीति का 'चिराग' संभावना का वाहक बन रहा है। चिराग पासवान सक्षम जनप्रतिनिधि के साथ-साथ मौलिक सोच एवं संवेदनाओं के प्रतीक हैं। उन्हें सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी होकर प्रासंगिक एवं अप्रासंगिक के बीच भेदरेखा बनाने एवं अपनी उपस्थिति का अहसास कराने का छोटी उम्र में बड़ा अनुभव है जो भारतीय राजनीति के लिये शुभता का सूचक है। लोकतंत्र का सच्चा जन-प्रतिनिधि वही है जो अपनी जाति, वर्ग और समाज को मजबूत करने के साथ देश को मजबूत करें। 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' की लड़ाई लड़ने वाले चिराग 14 करोड़ बिहारियों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये प्रतिबद्ध है। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 चिराग का सशक्त एवं उम्मीदभरा राजनीतिक भविष्य उजागर करते हुए बिहार के शीर्ष नेतृत्व की ओर अग्रसर करे तो कोई आश्चर्य नहीं। इस बात के संकेत इनदिनों की बिहार की राजनीति गतिविधियों से मिलने लगे हैं। गतदिनों भाजपा मुख्यालय से विनोद तावड़े ने बिहार के एनडीए गठबंधन में सीट शेयरिंग का अपना फॉर्मूला सार्वजनिक किया, जिसमें भाजपा को 17 सीटें, जदयू को 16 सीटें तो चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोजपा (रामविलास) के खाते में 5 सीटें गईं। वहीं उपेंद्र कुशवाह और जीतनराम मांझी की पार्टी को एक-एक सीट दी गई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास की एक बड़ी तस्वीर सामने आई, जिसमें नीतीश चिराग के कंधे पर हाथ रखे आशीर्वाद की मुद्रा में दिखाई दे रहे हैं। इसी तरह का एक चित्र पहले चर्चित हुआ जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी चिराग की पीठ थपथपाते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारतीय राजनीति में युवाओं की भागीदारी को लेकर अक्सर बड़ी-बड़ी बातें हर किसी मंच से होती रहती हैं लेकिन कोई दल उन्हें प्रतिनिधित्व का मौका नहीं देता क्योंकि उनकी नजर में युवा वोट भर हैं। राजनीतिक दल उनका इस्तेमाल भीड़ और ट्रौलिंग के लिए करते रहते हैं। हालांकि इस मिथक को चिराग ने तोड़ा, 2014 के लोकसभा चुनाव में जमुई सीट पर 80 हजार से ज्यादा मतों से विजयी हुए थे तो एक ही संसदीय दौर में उन्होंने जनता का विश्वास इस कद्र जीता कि 2019 के चुनाव में चिराग ने 5 लाख से ज्यादा वोट हासिल करते हुए लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की। करिश्माई व्यक्तित्व वाले चिराग ने आगामी चुनाव में एनडीए को बिहार में 40 में से 40 सीटें मिलने का दावा किया है। इसमें कोई संदेह भी नहीं है क्योंकि 2019 में जब एनडीए में 3 पार्टियां थी, तब 40 में से 39 सीटें जीती थीं और इस बार 5 पार्टियां हैं और लोगों का उत्साह बताता है कि बिहार में 40 सीटों के साथ एनडीए देश में 400 सीटों के लक्ष्य को आसानी से पार कर लेगा। चिराग पासवान एक भारतीय राजनीतिज्ञ तथा लोक जनशक्ति पार्टी के राजनेता है। वे भारतीय राजनीति में सर्वाधिक मतों से जीतने वाले दलितों के शीर्ष नेता एवं लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के संस्थापक रामविलास पासवान के पुत्र हैं। चिराग ने न केवल बिहार की राजनीति में बल्कि समूची देश की राजनीति में युवा संभावनाओं को उजागर करने की खनक पैदा की है। यह वह आहट है जो भारत की राजनीति को एक नयी दिशा एवं दृष्टि प्रदत्त करेंगी। क्योंकि चिराग वोट की राजनीति के साथ-साथ सामाजिक उत्थान की नीति के चाणक्य है। वे रोजगार के नाम से एक एनजीओ भी चलाते हुए बिहार के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार दिलाने की मुहिम को संभव किया है। 'चिराग का रोजगार' एक मौलिक सोच की निष्पत्ति है और चिराग भारत की राजनीति में एक मौलिक सोच के प्रतीक नेता के रूप में उभर रहे हैं और मौलिकता अपने आप में एक शक्ति होती है, जो व्यक्ति की अपनी रचना होती है एवं उसी का सम्मान होता है। संसार उसी को प्रणाम करता है जो भीड़ में से अपना सिर ऊंचा उठाने की हिम्मत करता है, जो अपने अस्तित्व का भान कराता है। मौलिकता की आज जितनी कीमत है, उतनी ही सदैव रही है। जिस व्यक्ति के पास अपना कोई मौलिक विचार या कार्यक्रम है तो संसार उसके लिए रास्ता छोड़कर एक तरफ हट जाता है और उसे आगे बढ़ने देता है। मौलिक विचार तथा काम के नये तरीके खोज निकालने वाला व्यक्ति ही समाज एवं राष्ट्र की बड़ी रचनात्मक शक्ति होता है अन्यथा ऐसे लोगों से दुनिया भरी पड़ी है जो पीछे-पीछे चलना चाहते हैं और चाहते हैं कि सोचने का काम कोई और ही करे। चिराग ने भारत की राजनीति में युवा पीढ़ी के लिए कुछ नया सोचा है, कुछ मौलिक सोचा है, तो सफलता निश्चित है। वे इसी सोच से प्रदेश की राजनीति से केन्द्र की राजनीति की ओर अग्रसर होकर सफल नेतृत्व देने में सक्षम साबित होंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है। लोजपा अब पूरी तरह युवाओं के हाथ में है। चिराग युवा हैं, सक्षम है, प्रखर वक्ता है, कुशल संगठनकार एवं प्रबन्धक हैं और विगत में उन्होंने अनेक अवसरों पर अपनी इन क्षमताओं के साथ-साथ निर्णायकता साबित की है। कई मौकों पर यह बात सामने आई है कि बिहार के साथ-साथ केंद्रीय राजनीति के दांव-पेच और समीकरणों को भी वह अच्छी तरह जानने-समझने लगे हैं। हालांकि उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती दलित राजनीति के अगले ध्वजवाहक बनने और अपने लक्षित मतदाता समूह में पिता जैसी स्वीकार्यता पाने की होगी। चिराग नई लकीर खींचने में पारंगत है, वे अपने पिता की प्रतिछाया ही न बनकर कुछ नये प्रतिमान स्थापित करेंगे, राजनीति की नई परिभाषाएं गढ़ेंगे। क्योंकि वे विपरीत स्थितियों में सामंजस्य स्थापित करके भरोसा और विश्वास का वातावरण निर्मित करने में दक्ष है। युवापीढ़ी और उनके सपनों का मूर्च्छित होना और उनमें निराशा का वातावरण निर्मित होना- एक सबल एवं सशक्त राष्ट्र के लिये एक बड़ी चुनौती है। चिराग ने यह अनुभव किया, यह उनकी सकारात्मक राजनीति एवं मानवतावादी सोच का ही परिणाम है।

गरम दिनों की चेतावनी और सावधानी का आया समय

(राजीव दासगुप्ता, प्रोफेसर, कम्यूनिटी हेल्थ, जेएनयू)

विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने वैश्विक जलवायु की स्थिति रिपोर्ट में 2023 को दस वर्ष की अवधि में सबसे गरम वर्ष के रूप में दर्ज किया है। आज औसत वैश्विक तापमान उद्योग पूर्व दौर के तापमान से 1.45 डिग्री सेल्सियस ऊपर है। जाहिर है, यह जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते की 1.5 डिग्री सेल्सियस की निचली सीमा के करीब है। अब विश्व मौसम विज्ञान संगठन के महासचिव दुनिया को चेतावनी दे रहे हैं। दुनिया में तापमान बढ़ने की यह प्रवृत्ति इस वर्ष भी जारी है; जनवरी 2024 रिकॉर्ड पर सबसे गरम जनवरी है। ऐसे में, यह चिंता जायज है कि आने वाले दिनों में क्या होने वाला है? यहां गौर करने की बात है कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने इसी सप्ताह की शुरुआत में अप्रैल से जून महीने के दौरान औसत से ज्यादा गरम दिनों को लेकर सामान्य पूर्वानुमान जारी किया है। दक्षिणी प्रायद्वीप के बड़े हिस्से, मध्य भारत, पूर्वी भारत और उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में सामान्य से अधिक तापमान रहने की आशंका जताई है। यहां यह बताते चलें कि यदि सामान्य तापमान 4.50 डिग्री सेल्सियस से 6.40 डिग्री तक बढ़ जाता है, तो लू की स्थिति बनती है और जब 6.40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच जाता है, तो गंभीर लू के हालात बनते हैं। देश में शुरू हो चुके गरम दिनों में अधिकतम तापमान जब 45 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर हो जाए, तो लू की स्थिति बनेगी और तापमान जब 47 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक हो जाए, तो गंभीर लू चलने की घोषणा हो जाएगी। ध्यान रहे, लू की स्थिति तभी घोषित होती है, जब कम से कम दो मौसम विज्ञान उप-केंद्रों पर दो दिन लगातार निर्धारित उच्च तापमान दर्ज किया जाता है। भारतीय मौसम विभाग और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण संयुक्त रूप से रंग कोड आधारित गरमी की चेतावनी जारी करते हैं, इनमें हरा अलर्ट मतलब सामान्य दिन, पीला अलर्ट मतलब गरमी का अलर्ट, ऑरेंज अलर्ट मतलब भीषण गरमी और रेड अलर्ट मतलब दिन भर अत्यधिक गरमी की चेतावनी। चेतावनियों को समझते हुए लोगों को अपनी दिनचर्या तय करनी चाहिए। वैसे तो गरमी एक सामान्य बात है, पर गरमी के प्रति लोगों के शरीर की प्रतिक्रिया और उसे सहने की क्षमता व्यक्ति-दर-व्यक्ति अलग-अलग होती है। गरमी से होने वाला तनाव भी अलग-अलग रूपों में नजर आता है। औसत से अधिक गरम हालात के संपर्क में आने पर या गरमी में तेज वृद्धि से मानव शरीर की तापमान को नियंत्रित करने की क्षमता प्रभावित होती है, जिसके परिणामस्वरूप गरमी में ऐंठन, थकावट, हीटस्ट्रोक और हाइपरथर्मिया सहित कई स्थितियां पैदा होती हैं। हालांकि, इनमें से प्रत्येक स्थिति को चिकित्सकीय रूप से परिभाषित किया गया है और डॉक्टरों द्वारा चिकित्सकीय रूप से मान्यता भी मिली हुई है, पर जरूरी नहीं कि देश भर में बोली जाने वाली विभिन्न स्थानीय भाषाओं में भी गरमी को लेकर इसी तरह के शब्द हों। वैसे ध्यान रहना चाहिए, गरमी की वजह से स्थितियां एक ही दिन में तेजी से बिगड़ सकती हैं, अस्पताल में भर्ती होने और मौत की भी नौबत आ सकती है। बीमार पड़ने पर दिनचर्या कई दिनों तक प्रभावित हो सकती है। बुजुर्गों और कमजोर लोगों में मौजूदा बीमारियां और भी बदतर हो सकती हैं। विशेष रूप से हृदय, श्वसन और मस्तिष्क संबंधी रोग, मधुमेह से संबंधित शिकायतें बढ़ सकती हैं। ये दुष्प्रभाव आमतौर पर हीटवेव या लू के शुरुआती दिनों में ही स्पष्ट हो जाते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि मौसमी औसत तापमान में आने वाला मामूली अंतर भी बढ़ती बीमारी और मौत की वजह बन सकता है। केंद्र सरकार व राज्य सरकारों के साथ ही सभी मौसम विज्ञान से जुड़े संस्थान, अकादमिक और गैर-सरकारी संगठन भी तापमान से जुड़े इन जटिल मुद्दों को संबोधित करने और दुष्प्रभाव घटाने में लगे हुए हैं। कमजोर आबादी पर अत्यधिक गरमी के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए राज्य और अनेक शहरों द्वारा विशेष हीट एक्शन प्लान (एचएपी) विकसित किए गए हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5343

		7				9		8
	3		1	7				4
					6			
6	9	8	7	4		3		
		3		1		4		
		1		3	9	7	6	2
			4					
9				5	1		4	
4		5				1		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5342

2	9	6	1	4	5	8	3	7
3	5	7	8	2	6	1	4	9
1	4	8	9	3	7	5	2	6
6	3	9	5	1	2	4	7	8
5	8	1	7	6	4	3	9	2
4	7	2	3	9	8	6	1	5
9	6	4	2	8	3	7	5	1
8	1	5	4	7	9	2	6	3
7	2	3	6	5	1	9	8	4

आज का राशिफल

मेष
इन दिनों आपका सब कुछ ठीक ठीक ही चल रहा है। कारोबार की स्थिति भी सुधरती जा रही है। किसी बड़े अधिकारी पर आपका हाथ रहेगा और आपको नौकरी में भी मजबूत स्थिति से लाभ होगा। विरोधियों और आलोचना करने वाले भी आज आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। मित्रों का सहयोग लेना जरूरी है।

वृष
आज का दिन भाग्यशाली है। बेहतर होगा कि आप अपनी प्रतिभा पर भरोसा रखें और यह याद रखे कि कुछ कर दिखाने के लिए ज्यादा तामझाम की जरूरत नहीं होती। आज न चाहते हुए भी आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ता है जो औरों के लिए असुविधाजनक हो सकता है। आपके लिए आज का दिन शुभ है।

मिथुन
आज किसी परीक्षा प्रतियोगिता के लिए आपको तैयार रहना है, अगर आप अपने व्यवसाय या कारोबार से संबंधित कोई अनुबंध करने की जरूरत पड़े तो कर सकते हैं। उसमें आपको लाभ होगा। दिन के समय कोई जरूरी कार्य करना हो तो आपको बाहर जाना पड़ सकता है।

तुला
आज छोटे मोटे काम के बिगड़ जाने से आप चिंता में पड़ सकते हैं। आज आपके इस काम में सुधार हो सकता है। किसी व्यर्थ की डर या आशंका से आपका मन अशांत रह सकता है। दोपहर बाद कुछ भागदौड़ करने से छिटपुट लाभ हो सकते हैं। आपको मेहनत अधिक करनी पड़ेगी। अपराह्न तक अच्छा समय चलेगा।

वृश्चिक
आज आपकी तकदीर आपका साथ देगी। स्थापित कारोबार का विस्तार होगा। त्रिपक्षीय साझेदारी करने से आपकी स्थिति सुधरेगी। निजी संबंधों के मामले में त्रिपक्षीय रिश्ते अनुकूल साबित नहीं होंगे। एक नया दोस्त आपके प्रति आकर्षित होगा और आपकी हर कार्य में मदद करेगा। संसाधन जुटाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सशक्त करना चाहिए।

धनु
आज सुबह से ही कुछ प्रतिकूल समय आपका चल रहा है, इसलिए किसी भी मामले में सावधान रहें। आज आपको सेहत के मामले में सावधान रहने की जरूरत है, बेहतर होगा कि हर मामले में सावधान रहें। दिन के पहले हिस्से में डॉक्टर से मिलना बेहतर रहेगा उसके बाद आप अपने रूटीन काम करें।

कर्क
आज आपके धन में वृद्धि होगी। जिस व्यक्ति को आप सज्जन समझते हैं वहीं धोखा दे जाता है। कुछ ऐसी ही घटना आज भी हो सकती है जो आपको दुखी कर सकती है। मिश्रित फलदायक दिन है। एकाध काम अच्छा हो जाने से आपको संतोष होगा। किसी अच्छे समाचार मिलने से निराशा भी खत्म होगी।

सिंह
आज का दिन परेशानियों वाला रहेगा। आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं चलेगा। दिन के पहल हिस्से में बहुत सारे काम एक साथ आपके सामने लटके रहेंगे। जहां तक हो सके इनमें महत्वपूर्ण कार्य पूरे पहले कर लें। दोपहर बाद फिर समय ठीक नहीं है। बनते काम में रुकावटें पैदा होंगी और उसका मानसिक अवसाद शाम तक बना रहेगा।

कन्या
आज का दिन धन सम्मान से भरा होगा। आपकी बौद्धिक क्षमता में विस्तार होगा। प्रियजनों की तरफ से भी अच्छी खबरें मिलेंगी और किसी धार्मिक कार्य के लिए योजना बनाते वक्त आपकी सलाह ली जाएगी। आपको खुशी होगी।

मकर
आज आर्थिक लाभ होगा और आपके धन में वृद्धि होगी। आज का दिन आपके लिए अच्छा व्यतीत होगा। आपको हर काम में दोस्तों से सपॉर्ट मिलेगा। दोपहर तक आर्थिक मामलों में हर संकोच खत्म हो जाएगा। कार्यक्षेत्र की धीमी गति से मानसिक तनाव पैदा हो सकता है। किसी मामले में बेफिक्र रहें और अपने काम पर ध्यान दें। पैसों का खर्च संभलकर करें।

कुंभ
आज दिन काफी व्यस्तता से भरा होगा और इस वक्त आपको अपने कार्य समय से पूर्ण करने की जरूरत है। सभी कार्यों को समय पर निबटाने का दौर चल रहा है। इस बीच कुछ अपने ही लोग आपकी चिन्ता भी बढ़ा सकते हैं। यदि आप किसी की बातों में आएंगे तो आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है। कोई भी फैसला जल्दी में न करें।

मीन
आज लाभ का दिन है और आज आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। कोई आपकी झूठी तारीफ करे तो आपको उससे सावधान रहने की जरूरत है। आपको दूसरों के किसी मामले में बोलने की जरूरत नहीं है। ऐसे ही लोगों में आज आपका समय व्यतीत होगा। जो सही पात्र हो उसका ही कल्याण करें। मित्रों से चर्चा होगी। आपके सम्मान में वृद्धि होगी।

वर्ग पहेली 5343

1	2	3		4	5	■	6
7			■	8		9	
	■	10			■	11	
12	13		■	14	15		■
16		■	17			■	18
■	19	20	■		■	21	
22			■	■	23		
	■	24					■

संकेत: बाएं से दाएं
1. डिस्कवरी ऑफ इंडिया के लेखक और प्रमुख राजनीतिज्ञ की आज पुण्य तिथि है (6)
7. सिंचाई आदि के लिए बनाया गया कृत्रिम जलमार्ग (3)
8. मुंह या किनारे तक, लबालब (4)
10. येन मुद्रा का प्रचलन इस देश में है (3)
11. जंगल, अरण्य, कानन (2)
12. खरी-खोटी कहना, श्रवण कराना (3)
14. रसीद, पहुंच पत्र, प्राप्ति की स्वीकृति (3)
16. शास्त्रीय संगीत में स्वर का विस्तार, तानने की क्रिया (2)
17. समा जाना (3)
19. चौकोर चीज, पांसा (2)
21. दीर्घ मात्रा (2)
22. सौ करोड़ की संख्या (3)
23. कक्षा, समुदाय, संघ (3)
24. भगवान श्रीरामचंद्र के नामों में से एक (5)

ऊपर से नीचे
1. जनक की पुत्री होने के कारण सीता का एक नाम (5)
2. एक प्रशंसा सूचक शब्द, धन्व (2)
3. हानि का बदला, क्षतिपूर्ति (4)
4. प्रेम करना और पालना (6)
5. अधर, रदपट, ओंठ, ओष्ठ (2)
6. स्वकुल, आत्मीयजन, अपने लोग (3)
9. सत्ताईस नक्षत्रों में से अंतिम नक्षत्र, पुराणानुसार राजा रेवत की पुत्री बलराम की पत्नी थी (3)
13. सेवक को जीविका हेतु पुरस्कार में दी जाने वाली जमीन यह कहलाती थी (4)
15. अवस्था, उम्र (2)
18. यह लेबनान की राजधानी है (3)
20. इस मुगल शासक का मूल नाम जहीरूद्दीन मुहम्मद बादशाह था, इसका अरबी शब्द का अर्थ बाघ होती है (3)
21. बदगुमानी, कुधारणा (3)
22. यह एक राजनीतिक पार्टी का संक्षिप्त नाम है(2)

वर्ग पहेली 5342 का हल

अ	मी	र	खु	स	रो	■	■
दा	ना	■	द	हे	ज	■	ज
■	र	जा	■	ली	ना	■	न
भू	■	म	म	■	म	म	ता
■	सा	वं	त	■	चा	ल	■
कु	■	त	ल	ब	■	य	क्ष
वै	ट	■	बी	ना	■	गि	■
त	ब	का	■	ना	ग	रि	क

ऑनलाइन टीचिंग में चुन सकते हैं पार्ट टाइम या फुल टाइम कॅरियर

एजुकेशन एक्सपर्ट कहते हैं कि ऑनलाइन ट्यूशन वास्तव में होम ट्यूशन का ही एक एडवांस मैथड है। इसमें ई-ट्यूटरिंग के जरिए बच्चों को पढ़ाया जाता है। ऑनलाइन ट्यूटरिंग का मूल लाभ यह है कि ट्यूटर छात्र को किसी भी स्थान से, यहां तक कि वह अपने घर पर रहकर भी टीचिंग कर सकता है। ऑनलाइन टीचिंग के दौरान समय को पहले से ही सुनिश्चित किया जाता है और फिर ऑनलाइन क्लासरूम में छात्र व टीचर मिलते हैं और पढ़ते व पढ़ाते हैं। इस नौकरी के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि इसे आप अपने समय के अनुसार, पार्ट टाइम या फुल टाइम कॅरियर चुन सकते हैं। इसके अलावा यह आय का एक अच्छा स्रोत प्रदान करता है।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो एक ऑनलाइन ट्यूटर के पास विशेषज्ञता के आधार पर योग्यता होनी आवश्यक है। मसलन, आप किसी विशेष भाषा के ऑनलाइन ट्यूटर बनना चाहते हैं तो आपको उस भाषा से संबंधित कम से कम सर्टिफिकेट कोर्स अवश्य करना चाहिए। इसके अलावा, बीएड, एमएड या नेट, आदि के बाद भी आप शिक्षण के क्षेत्र को चुन सकते हैं।

एक ऑनलाइन ट्यूटर बनने के लिए सबसे जरूरी स्किल है पढ़ाई के प्रति जुनून। अर्थात ना सिर्फ आपको दूसरों को पढ़ाना पसंद होना चाहिए, बल्कि खुद भी हमेशा कुछ ना कुछ नया सीखने की चाहत होनी चाहिए। चूंकि आप ऑनलाइन टीचिंग कर रहे हैं, इसलिए आपमें तकनीकी गुण भी होने चाहिए। मसलन, कंप्यूटर व इंटरनेट के इस्तेमाल के साथ-साथ बच्चों के लिए प्रेजेंटेशन आदि भी बनाने आने चाहिए। इसके अलावा, ऑनलाइन टीचिंग के दौरान आपके कम्युनिकेशन स्किल भी काफी अहम हैं। याद रखें कि दूसरों को पढ़ाना एक बेहद सीरियस काम है और इसके लिए कमिटमेंट की जरूरत होती है।

ऑनलाइन ट्यूटर बनने के लिए आपको बहुत अधिक मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है। अगर आप अब तक ट्यूशन पढ़ाते आए हैं तो अब आप उन्हीं बच्चों को ऑनलाइन ट्यूशन पढ़ाने की शुरूआत कर सकते हैं। इसके अलावा, ऐसी कई कंपनियां व वेबसाइट हैं, जो टीचर्स को हायर करके ऑनलाइन पढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे में आपको ऑनलाइन छात्र ढूंढने की भी जरूरत नहीं है। बस इन कंपनियों के साथ जुड़कर आप एक अच्छा करियर बना सकते हैं।

आमदनी

ऑनलाइन ट्यूशन एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर अनुभवी टीचर्स काफी अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। शुरूआत में एक टीचर करीबन 200 रूपए प्रति घंटा चार्ज कर सकते हैं। वहीं कुछ समय के अुनभव, बाद आप 500 रूपए प्रति घंटा प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप इस क्षेत्र में अपनी क्वालिटी को साबित करते हैं और छात्रों को आपके पढ़ाने का तरीका पसंद आता है, तब आपकी कमाई की कोई सीमा नहीं है।

सेरिकल्चरिस्ट के लिए उपलब्ध हैं करियर की असीम संभावनाएं

अगर आपको फार्म प्रोडक्शन और उससे जुड़ी प्रक्रिया में रुचि है, तो आप बन सकते हैं बेहतरीन सेरिकल्चरिस्ट।

एग्रीकल्चर एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें बेहतरीन करियर का स्कोप तो है ही, देश की अर्थव्यवस्था को गति देने का शानदार मौका भी है। यही नहीं, विस्तृत होने के कारण इससे जुड़ी कई सब-फील्ड्स हैं, जिनमें करियर की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। ऐसी ही एक सब-फील्ड है, सेरिकल्चर। दुनिया भर में भारत के सिल्क की बढ़ती मांग के कारण सेरिकल्चरिस्ट के लिए बहुत-से करियर ऑप्शंस उपलब्ध हैं।

क्या है सेरिकल्चर?

सेरिकल्चर फार्मिंग पर आधारित और व्यवसायिक रूप से बेहद आकर्षक गतिविधि है। मूलत- कीटों से रेशम बनाने की प्रक्रिया को सेरिकल्चर कहते हैं, लेकिन अब यह उद्योग सिर्फ कीटों तक सीमित नहीं है बल्कि मल्बरी कल्टिवेशन और पोस्ट कोकून टेक्नोलॉजी जैसी नई प्रक्रियाओं से जुड़ चुकी है। आज के समय में यह एग्रो-बेस्ड इंडस्ट्री, ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही है।

कौन-से कोर्स?

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए आप सेरिकल्चर या सिल्क टेक्नोलॉजी में बीएससी या डिप्लोमा इन सेरिकल्चर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए इंटर में आपके पास बायोलॉजी और केमिस्ट्री जैसे विषय होने जरूरी हैं। आम डिग्री कोर्स से अलग सेरिकल्चर या सिल्क टेक्नोलॉजी में चार साल का डिग्री कोर्स होता है, जबकि पोस्ट ग्रेजुएशन दो साल का होता है। आप चाहें, तो इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और फिर पीएचडी भी कर सकते हैं। ग्रेजुएशन में स्टूडेंट्स को सिल्कवर्म रियरिंग, ब्रीडिंग एंड जेनेटिक्स, सिल्क रीलिंग एंड स्पिनिंग, सिल्क ग्रेडिंग एंड टेस्टिंग, मॉरीकल्चर, फूड प्लांट्स, सिल्क वीविंग टेक्नोलॉजी, सिल्क डाइंग, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं।

जरूरी स्किल्स

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए शारीरिक दमखम की बहुत जरूरत होती है। इसके अलावा आपमें धैर्य, समर्पण तथा अलग-अलग व खराब मौसम में भी काम करने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही, साइंस प्रैक्टिकल व साइंटिफिक गतिविधियों में रुचि होना चाहिए। भविष्य की संभावनाएं बतौर सेरिकल्चरिस्ट, आपके पास नौकरी व एंटरप्रेन्योरशिप के कई विकल्प मौजूद हैं। खास बात यह है कि देश के हर राज्य में सेरिकल्चर विभाग मौजूद है, जो इसके उत्पादन व मार्केटिंग की देख-रेख का काम करते हैं। आप सरकारी क्षेत्र में केंद्र सरकार की एजेंसियों जैसे सेंट्रल सिल्क बोर्ड, सिल्क एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, एफएओ, नाबार्ड, कृषि विज्ञान केंद्र आदि में काम कर सकते हैं।

इसके अलावा रिसर्च सेंटर्स, सेरिकल्चर यूनिट्स, एग्रीकल्चर सेक्टर से जुड़े बैंक्स में भी अपना करियर प्लान कर सकते हैं। अगर आप इंडस्ट्री से जुड़कर काम करना चाहते हैं, तो सेरिकल्चर फार्म में बतौर मैनेजर, या फिर सिल्क रीलिंग, सिल्क वीविंग मिल, डाइंग, प्रिंटिंग अथवा स्पिनिंग मिल में काम कर सकते हैं। केंद्र सरकार कई स्कीम्स स्पॉन्सर करती है, जहां आपको करियर के बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं। आप खुद का वीविंग तथा एक्सपोर्ट का बिजनेस कर सकते हैं।

कितनी आय

जो प्रोफेशनल्स अच्छी ट्रेनिंग के साथ पब्लिक सेक्टर में अपना करियर शुरू करते हैं, उनकी शुरूआती सैलरी 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह होती है, जबकि प्राइवेट सेक्टर में आप 20 से 25 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी से शुरूआत कर सकते हैं। सैलरी अनुभव के साथ बढ़ती है। हालांकि इस पर भी काफी कुछ निर्भर करता है कि आप कहां काम कर रहे हैं। बतौर एंटरप्रेन्योर आप बेहतरीन कमाई कर सकते हैं। एयरइंडिया में जॉब पाने का मौका, ट्रेनी केबिन क्रू के पद पर वैकेंसीज

प्रमुख संस्थान

- सेंट्रल सेरिकल्चरल रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, मैसूर
- शेरे-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू
- तमिल नाडु एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, कोयंबत्तूर
- यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसे, बेंगलुरू
- बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ
- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- शिवाजी यूनिवर्सिटी, कोल्हापुर

विद्यार्थियों के एंटरप्रेन्योरशिप पोटेंशियल को निखारते हैं बी-स्कूल

इसमें कोई शक नहीं कि बिजनेसमैन की वर्तमान पीढ़ी उच्च शिक्षित है और इनमें से अधिकांश के पास टेक्निकल व मैनेजमेंट डिग्रियां हैं। यदि हम भारत के सर्वश्रेष्ठ मैनेजमेंट संस्थानों के करिकुलम को देखें, तो पाएंगे कि इनमें फोकस केवल किताबी ज्ञान पर नहीं होता, बल्कि विद्यार्थियों के एंटरप्रेन्योरशिप पोटेंशियल को निखारने पर भी होता है।

इस बात पर बहस लंबे समय से चल रही है कि देश के सर्वश्रेष्ठ बिजनेस स्कूल्स से ली गई मैनेजमेंट की डिग्री सफल एंटरप्रेन्योर बनने में कितनी और कैसे काम आती है। इस मुद्दे के पक्ष और विपक्ष दोनों ही में तर्क दिए जाते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि बिजनेसमैन की वर्तमान पीढ़ी उच्च शिक्षित है और इनमें से अधिकांश के पास टेक्निकल व मैनेजमेंट डिग्रियां हैं। ऐसा कहा जाता है कि क्लास में पढ़ाई जानी वाली थ्योरी कभी भी काम करते हुए हासिल किए गए व्यवहारिक ज्ञान की जगह नहीं ले सकती। मगर यदि हम भारत के सर्वश्रेष्ठ मैनेजमेंट संस्थानों के करिकुलम को देखें, तो पाएंगे कि इनमें फोकस केवल किताबी ज्ञान पर नहीं होता, बल्कि विद्यार्थियों के एंटरप्रेन्योरशिप पोटेंशियल को निखारने पर भी होता है। तो चलिए, इस बात पर बिंदुवार नजर डालते हैं कि किसी टॉप बिजनेस स्कूल में पढ़ने पर आपको क्या मिलता है। बिजनेस स्टडीज एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रोग्राम्स आपको मौजूदा बिजनेस शैलियों, मार्केट रिसर्च डेटा, रियल टाइम तथा तथ्यात्मक केस स्टडीज का एक्सपोजर देते हैं, जो बेहद मूल्यवान साबित होता है। इन मॉडल्स और ट्रैंड्स के बारे में अच्छी तरह जानकर आप इन्हें अपने बिजनेस पर लागू कर सकते हैं। एक प्रकार से यह दूसरों की गलतियों से सीखने के समान होगा। किसी टॉप बिजनेस संस्थानके विद्यार्थी होने के नाते आपका एक्सपोजर देश तक सीमित भी नहीं रहेगा।

टेक्नोलॉजी

हम बेहद तेज रफ्तार दुनिया में जी रहे हैं और जहां तक बात नई व इनोवेटिव टेक्नोलॉजी की है, तो हम चल ही नहीं रहे, बल्कि दौड़ रहे हैं। किसी टॉप बिजनेस स्कूल के विद्यार्थी होने के नाते आपको विभिन्न नए टूल्स व टेक्नोलॉजीस को समझने और उनके साथ प्रयोग करने का अवसर मिलता है। ऐसे सॉफ्टवेयर, जो मैथमेटिकल मॉडलिंग को सरल बना दें और स्मार्ट प्रेजेंटेशन को वास्तविकता में बदल दें, आपको अपना बिजनेस शुरू करने में काफी मदद कर सकते हैं। ऐसी छोटी-छोटी बातों से आपके कामकाज को एक प्रोफेशनल टच मिल जाता है।

स्किल्स

किसी टॉप बिजनेस स्कूल में जाने से यह भी सुनिश्चित हो जाता है कि आपकी सॉफ्ट स्किल्स में निखार आएगा, जैसे पब्लिक स्पीकिंग, इंटर-पर्सनल कम्युनिकेशन, क्रिएटिविटी, लीडरशिप आदि। ये स्किल्स उन लोगों के लिए बहुत मायने रखती हैं, जो अपना बिजनेस चलाते हैं और रोजाना कई लोगों से डील करते हैं, फिर चाहे वे कर्मचारी हों, क्लाइंट हों या वेंडर आदि हों।

सही लोगों से मुलाकात

किसी अच्छे इंस्टीट्यूट में पढ़ते हुए आपको कई प्रसिद्ध हस्तियों से मिलने का मौका मिलता है। ये हस्तियां विजिटिंग फैकल्टी या गेस्ट प्रेजेंटर के तौर पर वहां आ सकती हैं। फिर, यह भी संभव है कि आपको अपने सहपाठियों में से ही कोई भावी बिजनेस पार्टनर मिल जाए! सर्वश्रेष्ठ एमबीए कॉलेज देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित करते हैं। इसलिए यहां आपकी जान-पहचान ऐसे प्रतिभाशाली लोगों से होने की संभावना काफी अधिक रहती है। यह जान पहचान किसी-न-किसी रूप में काम ही आती है।

साख मायने रखती है

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि किसी टॉप बिजनेस स्कूल से डिग्री लेकर जब आप सबको उस बिजनेस स्कूल का नाम बताएंगे, तो एंटरप्रेन्योर के तौर पर आपकी प्रामाणिकता भी बढ़ जाएगी। इससे आपके साथ डील करने वाली पार्टियों का आपके प्रति विश्वास बढ़ेगा। कुल मिलाकर, देश के किसी दिग्गज बिजनेस स्कूल से मैनेजमेंट की डिग्री लेना फायदे का ही सौदा होता है क्योंकि यहां आपको केवल किताबी ज्ञान ही नहीं मिलता, बल्कि इससे कहीं अधिक लाभ प्राप्त होता है।

वॉटर मैनेजमेंट में अपना करियर बना सकते हैं युवा

जल संरक्षण व प्रबंधन पर अब सरकारें और औद्योगिक प्रतिष्ठान भी ज्यादा जोर दे रहे हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए वॉटर मैनेजमेंट के प्रोफेशनल्स की जरूरत बढ़ रही है। ये ऐसे प्रशिक्षित लोग होते हैं, जिन्हें वॉटर हार्वेस्टिंग, वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट तथा वॉटर रिसाइक्लिंग की अच्छी समझ होती है। उधर, भूजल के स्तर को सुधारने के लिए आधुनिक तकनीकों की भी मांग बढ़ रही है। केंद्रीय जल संसाधन विभाग की ओर से जारी राष्ट्रीय जल नीति में भी पानी के कुप्रबंधन पर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में ज्यादा से ज्यादा वैज्ञानिक प्लानिंग पर जोर देने की बात कही गई है। जाहिर-सी बात है कि दिनो-दिन बढ़ते जल संकट को दूर करने के लिए वॉटर साइंटिस्ट, एन्वायर्नमेंट इंजीनियर, ट्रेंड वॉटर कंजर्वेशनिस्ट या कहें विभिन्न प्रकार के वॉटर मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स की मांग बनी रहेगी। ग्रीन जॉब्स मार्केट में आकर्षक जॉब्स के अवसर बहुत हैं। वॉटर मैनेजमेंट में ट्रेंड प्रोफेशनल्स की जल प्रबंधन से जुड़े सरकारी विभागों में तथा वॉटर प्रोजेक्ट्स में खूब मांग है। निजी क्षेत्र में भी पेयजल आपूर्ति तथा वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट से संबंधित कार्यों के लिए प्रशिक्षित लोगों को ही हायरिंग में तवज्जो दी जा रही है। बड़े-बड़े उद्योग, रियल एस्टेट सेक्टर और एनजीओ भी वॉटर हार्वेस्टिंग डिजाइनिंग तथा जल संचयन के लिए वॉटर मैनेजमेंट की पृष्ठभूमि वाले प्रोफेशनल्स की सेवाएं ले रहे हैं। आप चाहें, तो कंसल्टेंट बनकर भी करियर बना सकते हैं क्योंकि ऐसे लोगों की वॉटर ट्रीटमेंट सिस्टम्स के संचालन और देखरेख के लिए मांग लगातार बढ़ रही है।

क्वॉलिफिकेशन

जल प्रबंधन और संरक्षण पर आधारित कई तरह के कोर्स देश के विभिन्न सरकारी और निजी संस्थानों में संचालित हो रहे हैं। युवा वॉटर साइंस, वॉटर कंजर्वेशन, वॉटर मैनेजमेंट, वॉटर हार्वेस्टिंग, वॉटर ट्रीटमेंट तथा वॉटर रिसोर्स मैनेजमेंट जैसी किसी भी स्ट्रीम में कोर्स करके अपना करियर बना सकते हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) में वॉटर हार्वेस्टिंग एंड मैनेजमेंट नाम से ऐसा ही एक सर्टिफिकेट कोर्स संचालित हो रहा है। 10वीं पास युवा यह कोर्स कर सकते हैं। अगर आप बायोलॉजी विषय में 12वीं पास हैं, तो एक्वा साइंस या वॉटर साइंस में बीएससी और एमएससी भी कर सकते हैं। एग्रीकल्चर/ सिविल इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, जियोलॉजी, एन्वायर्नमेंटल स्टडीज या बायोलॉजी में बैचलर्स की पढ़ाई करके वॉटर साइंटिस्ट, एन्वायर्नमेंट इंजीनियर, बायोलॉजिस्ट, हाइड्रो जियोलॉजिस्ट या जियोलॉजिस्ट बन सकते हैं।

सैलरी कितनी?

वॉटर मैनेजमेंट में डिप्लोमाधारी युवा शुरूआत में आसानी से 15 से 25 हजार रुपए प्रति माह सैलरी पा सकते हैं। वहीं, वॉटर साइंटिस्ट या इंजीनियर को भी 30 से 40 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी मिल जाती है।

क्या है वॉटर मैनेजमेंट?

देश-दुनिया में वॉटर कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट की कोशिश कई स्तरों पर चल रही है ताकि दिनो-दिन गहराते जल संकट से पार पाया जा सके। इसके लिए नदियों और भूजल में बढ़ रहे प्रदूषण को कम करने से लेकर भूजल स्तर सुधारने, परंपरागत जल स्रोतों को सुरक्षित रखने तथा आधुनिक तकनीकों के सहारे वॉटर हार्वेस्टिंग की विधियां विकसित करने व वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट जैसे अनेक उपायों पर जोर दिया जा रहा है। कम पानी से कृषि की उत्पादकता बनाए रखने का प्रयास भी इसी मुहिम का हिस्सा है।

मानव कौल ने शेयर किया गंगाजल का किस्सा

जॉली एलएलबी 2, तुम्हारी सुलू और बदला जैसी फिल्मों में काम कर चुके मानव कौल ने फिल्म 'गंगाजल' से जुड़ा एक किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान प्रियंका चोपड़ा रोने लगी थीं। दरअसल, फिल्म के एक फाइट सीन की प्रैक्टिस चल रही थी। सीन के दौरान गलती से प्रियंका का पैर मानव को लग जाता है। मानव कहते हैं कि एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान ऐसा होना आम बात है। इसके बाद प्रियंका मानव से पूछती हैं कि वो ठीक हैं और इसी के साथ रोना शुरू कर देती हैं। मानव बताते हैं कि इसके बाद प्रियंका बहुत देर तक रोती रहीं। इस वजह से शूटिंग को 2 घंटे के लिए रोकना पड़ा था। प्रियंका ने इस फिल्म में एसपी आभा माथुर का रोल निभाया था। फिल्म जय गंगाजल साल 2016 में रिलीज हुई थी। इसका डायरेक्शन प्रकाश झा ने किया था। प्रियंका और मानव के अलावा अंकुश बाली, अरुण कुमार, निनाद कामत, जगत सिहं जैसे एक्टर्स ने फिल्म में काम किया था। 19 दिसम्बर 1976 को बारामुला, कश्मीर में जन्मे एक्टर, नाटककार, स्टेज डायरेक्टर और फिल्म डायरेक्टर मानव कौल एक बेहतरीन लेखक भी हैं। मानव ने एक्टर बनने के लिए मुंबई में बहुत स्ट्रगल किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों पैसों की तंगी थी। वो अपने रुममेट्स के साथ देर रात तक जागते थे। ताकि सुबह लेट उठ सकें और नाश्ते की जगह सीधा दोपहर का खाना खाएं। इससे पैसे बच जाते थे। इसके अलावा भी उन्हें कई मुसीबतों का सामना करना पड़ा था। बता दें, मानव हाल ही में सी ए टॉपर त्रिभुवन मिश्रा और द फेम गेम सीरीज में नजर आए हैं।

थलाइवर 171 में अदाकारी का जलवा बिखेरेंगी श्रुति हासन!

साउथ के सफल निर्देशक और निर्माता लोकेश कनगराज इन दिनों सुपरस्टार रजनीकांत के साथ अपनी फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसका अस्थाई शीर्षक थलाइवर 171 है। इस फिल्म की घोषणा पिछले साल की गई थी। समय-समय पर लोकेश फिल्म से जुड़ी जानकारियां फैंस के साथ साझा करते रहते हैं, जिससे प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बनी रहती है। अब वे जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। वहीं, अब फिल्म के कलाकार को लेकर नई जानकारी सामने आई है। फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा है कि अभिनेत्री श्रुति हासन और अभिनेता सत्यराज फिल्म का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। हालांकि, अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यदि इन खबरों में सच्चाई होगी और श्रुति फिल्म में शामिल होंगी तो यह पहली बार होगा जब श्रुति और रजनीकांत साथ में स्क्रीन साझा करेंगे। इससे पहले श्रुति हासन और लोकेश कनगराज ने एक संगीत वीडियो के लिए सहयोग किया था। अभिनेत्री ने हाल ही में इनिमेल शीर्षक से एक संगीत वीडियो जारी किया था, जिसमें लोकेश कनगराज भी प्रमुख भूमिका में थे। वहीं बात करें थलाइवर 171 के बारे में तो इसका आधिकारिक प्रोमो वीडियो 22 अप्रैल को जारी होगा, जिसके साथ निर्माता फिल्म के शीर्षक का भी खुलासा करेंगे। हाल ही में यह खबर आई थी कि फिल्म के शीर्षक के लॉन्च की शूटिंग रजनीकांत के साथ पहले ही खत्म हो चुकी थी। इससे पहले लोकेश कनगराज ने थलाइवर 171 से रजनीकांत का पहला लुक जारी किया था, जिसमें रजनीकांत को अलग अवतार में देखा गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, थलाइवर 171 ड्रग्स के इर्द-गिर्द नहीं घूमेगी। कहा जा रहा है कि लोकेश फिल्म के साथ कुछ नया करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले थलाइवर 171 के बारे में बात करते हुए लोकेश ने खुलासा किया था कि फिल्म अभी प्री प्रोडक्शन में है। इसकी शूटिंग शुरू होने में लगभग चार से पांच महीने लगेंगे। शायद फिल्म की शूटिंग इस साल जून से शुरू हो सकती है। फिल्म पर लगभग एक से डेढ़ साल का समय लगेगा। वहीं, बात करें फिल्म की तो सन पिक्चर्स के तले इसका निर्माण हो रहा है। अनिरुद्ध रविचंदर फिल्म के लिए धून बनाएंगे। इस फिल्म के जरिए रजनीकांत और लोकेश कनगराज पहली बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म पर अपडेट का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। बात करें रजनीकांत की फिल्मों के बारे में तो अभिनेता अपनी अगली फिल्म वेट्टैयन की शूटिंग कर रहे हैं। टीजे ज्ञानवेल इस प्रोजेक्ट का निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म में अमिताभ बच्चन, फहद फासिल, राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, रितिका सिंह और कई अन्य कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वहीं दूसरी ओर लोकेश कनगराज ने 14 अप्रैल को तमिल नव वर्ष के अवसर पर अपनी अगली फिल्म के शीर्षक का खुलासा किया। वे राघव लॉरेंस के साथ बेंज पर काम करेंगे।

डर को स्वीकार करना ही साहस है

आर्या 3 में अपने दमदार अभिनय से प्रशंसा हासिल करने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने डर से निपटने के तरीके पर बात की है। एक्ट्रेस और पूर्व मिस यूनिवर्स ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में कैमरे में देखते हुए अपनी एक डी-ग्लैम फोटो शेयर की है। सुष्मिता ने तस्वीर पर लिखा, साहस भय का अभाव नहीं है, दरअसल इसकी शुरुआत डर को स्वीकार करने से होती है। विपरीत परिस्थितियों में भी खड़े रहने के सुष्मिता सेन के हौसले की अक्सर तारीफ की जाती है। इससे पहले अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर शेयर किया था कि वह किसी चीज का पीछा नहीं करती बल्कि उसे अपनी ओर आकर्षित करती है और संभावनाओं, आशा, दया, प्रेम, कृतज्ञता और प्रचुरता को चुनती है। एक्ट्रेस ने इससे पहले इंस्टाग्राम पर काले रंग के टैंक टॉप और गुलाबी रंग के बड़े धूप के चश्मे के साथ अपनी एक फोटो शेयर की थी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैं पीछा नहीं करती, मैं आकर्षित करती हूं... मेरा गुलाबी रंग का चश्मा अक्सर मुझे याद दिलाता है... यह वहां क्या है के बारे में नहीं है, यह मैं क्या देखना चुनती हूं के बारे में है... मैं संभावनाओं, आशा, दया, प्रेम, कृतज्ञता, एकता और प्रचुरता को देखना चुनती हूं... मैं जो चुनती हूं, मैं उसे आकर्षित करती हूं। एक्ट्रेस को स्ट्रीमिंग सीरीज आर्या 3 की शूटिंग के दौरान दिल का दौरा पड़ा था, लेकिन वह पूरी तरह से ठीक होकर शूटिंग पूरी करने के लिए सेट पर लौट आई थी।

महिला प्रधान फिल्मों की सफलता पर विद्या ने की बात

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दो और दो प्यार और भूल भुलैया 3 को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। विद्या बालन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह कई हिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। अभिनेत्री ने कहा कि ये मिथक है कि पुरुष प्रधान फिल्मों के एक्शन से भरपूर होने से फिल्में कमाई कर रही हैं। उन्होंने करीना कपूर खान, तब्बू और कृति सेनन की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म क्रू के लिए चीयर किया है, जो बॉक्स ऑफिस पर दबदबा बनाए हुए है।

क्रू को बताया मजेदार फिल्म

विद्या बालन ने फिल्म क्रू के बारे में बात करते हुए कहा, सभी माचो ब्लॉकबस्टर फिल्में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हैं। मुझे लगता है कि हमें इसे याद रखने की जरूरत है कि यहां एक ऐसी फिल्म है, जिसमें तीन महिलाएं हैं। साथ ही यह फिल्म बहुत मजेदार है। वे खुद को बहुत गंभीरता से नहीं ले रही थीं। यह मुझे बहुत रोमांचित करता है कि तीन महिलाओं के साथ एक फिल्म और जिस उम्र में वे हैं, वह बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं।
विद्या ने महिला प्रधान फिल्मों पर की बात महिला प्रधान फिल्मों के प्रति फिल्म इंडस्ट्री की धारणा में बदलाव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, वास्तव में इसमें बहुत बदलाव आ रहा है। हम उस परिवर्तन का अनुभव कर रहे हैं। यह एक अद्भुत समय है। कोविड लॉकडाउन के बाद मैं थोड़ी चिंतित थी क्योंकि लोग महिला प्रधान फिल्मों और उन सभी चीजों को लेकर थोड़े रूढ़िवादी थे। मगर अब यह काफी बेहतर समय है।

पूजा हेगड़े ने मुंबई में खरीदा 45 करोड़ का घर

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने मुंबई में 45 करोड़ रुपए का घर खरीदा है। ईटाइम्स की एक रिपोर्ट की मानें तो एक्ट्रेस ने मुंबई के बांद्रा में सी-फेसिंग बंगले में इन्वेस्ट किया है। इस बंगले में 4 हजार स्क्वायर फीट का लिविंग स्पेस है। हालांकि, इस खबर पर अब तक एक्ट्रेस की तरफ से ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं आया है।

8 करोड़ के अपार्टमेंट में रहती हैं एक्ट्रेस

पूजा अब तक बांद्रा में ही एक सी-फेसिंग 3बीएचके अपार्टमेंट में रह रही थीं। इसकी कीमत 6 से 8 करोड़ रुपए बताई जाती है। इस फ्लैट के अलावा पूजा के पास पोर्श कायेन जैसी लग्जरी कार है जिसकी कीमत तकरीबन 2 करोड़ रुपए है। कई मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एक्ट्रेस की नेटवर्थ 51 करोड़ रुपए है।
वर्कफ्रंट पर पूजा की अपकमिंग फिल्म देवा है। इसमें वो शाहिद कपूर के अपोजिट नजर आएंगी। पूजा ने ऋतिक रोशन के अपोजिट 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'मोहेंजो दारो' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इससे पहले वो तीन साउथ की फिल्मों में काम कर चुकी थीं। इसके अलावा पूजा ने अब तक बॉलीवुड में हाउसफुल 4, राधे श्याम, सर्कस और किसी का भाई किसी की जान जैसी फिल्मों में काम किया है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने सेनापति बन लौटे कमल हासन

कमल हासन की आगामी फिल्म इंडियन 2 2024 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। शंकर शनमुगम के निर्देशन में बन रही फिल्म के लिए दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। प्रशंसक सेनापति के रूप में कमल हासन को बड़े पर्दे पर वापस देखने के लिए उत्सुक हैं। इस बीच आगामी राजनीतिक थ्रिलर फिल्म के निर्माताओं ने नए पोस्टर साझा किए हैं, जिनमें कमल हासन को उनके प्रतिष्ठित सेनापति अवतार में दिखाया गया है। 14 अप्रैल को कमल हासन अभिनीत इंडियन 2 के निर्माताओं ने अपने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर आगामी फिल्म से दमदार पोस्टर साझा किए। निर्माताओं ने लिखा, सेनापति इंडियन-2 में जीरो टॉलरेंस के साथ पुनर्जीवित होने के लिए पूरी तरह तैयार है। जून 2024 से सिनेमाघरों में महाकाव्य सीक्वल के लिए तैयार रहें। जहां भी अन्याय होता है, इसे रेड अलर्ट मानें। इंडियन 2। पोस्टर में कमल हासन को सेनापति के रूप में उनके दो अलग-अलग लुक में अवतार में देखा जा सकता है। पोस्टर में बैकग्राउंड में ऊंचा लहराता हुआ एक भारतीय झंडा भी दिखाया गया है। निर्माताओं ने राजनीतिक थ्रिलर फिल्म के चार पोस्टर तमिल, तेलुगु, अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में इंडियन 2, भारतीयुडु 2 और हिंदुस्तानी 2 के रूप में साझा किए। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक आगामी फिल्म की रिलीज की तारीख का खुलासा नहीं किया है, जिससे उत्सुक प्रशंसक रिलीज की तारीख की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं।
कमल हासन ने 1996 की फिल्म इंडियन में दो भूमिकाएं निभाई, एक पिता की और एक उनके बेटे की। पिता को एक अनुभवी स्वतंत्रता सेनानी के रूप में चित्रित किया गया था, जो देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक सजग व्यक्ति के रूप में भी काम करते हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और अच्छी कमाई की। वहीं अब कहा जा रहा है कि इंडियन 2 में भाग एक की कहानी को आगे बढ़ाया जाएगा। कमल हसन इससे पहले फिल्म पर अपडेट साझा करते हुए बताया था कि उन्होंने इंडियन 2 और इंडियन 3 की शूटिंग पूरी कर ली है। इंडियन 2 के पोस्ट प्रोडक्शन पर काम जारी है, जिसके खत्म होने पर टीम इंडियन 3 के पोस्ट प्रोडक्शन पर काम करेगी। वहीं बात करें फिल्म के कलाकार के बारे में तो इसमें कमल हासन के साथ काजल अग्रवाल, रकुल प्रीत सिंह, प्रिया भवानी शंकर, सिद्धार्थ, समुथिरकानी, बॉबी सिम्हा, ब्रह्मनंदम और अन्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्माण लाइका प्रोडक्शंस ने रेड जाइंट मूवीज के सहयोग से किया है। अनिरुद्ध रविचंदर धुन बनाने वाले हैं। इंडियन 2 और इंडियन 3 दोनों की रिलीज डेट का खुलासा होना अभी बाकी है।

वरुण धवन ने अपना पसंदीदा बॉलीवुड ट्रैक किया शेयर

वरुण धवन ने अपना पसंदीदा बॉलीवुड ट्रैक शेयर किया है। आगामी फिल्म बेबी जॉन में नजर आने वाले एक्टर वरुण धवन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने पसंदीदा बॉलीवुड गाने पर एक मीम शेयर किया। मीम में दो फ्रेम नजर आ रहे हैं। स्क्रीन के निचले हिस्से में सलमान खान अभिनीत फिल्म हैलो ब्रदर के गाने चांदी की डाल पर के दृश्य दिखाई दे रहे हैं। इस गाने को बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने गाया है और यह गाना जन्माष्टमी की पृष्ठभूमि पर आधारित है। हाल ही में वरुण ने मुंबई में पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ के संगीत कार्यक्रम में भाग लिया, जहां उन्हें अपनी भेड़िया की सह-कलाकार कृति सेनन के साथ ट्रैक पर थिरकते देखा गया। मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) क्षेत्र में एमएमआरडीए आर2 ग्राउंड में कार्यक्रम में भाग लेने वाले अन्य सेलेब्स में अंगद बेदी, करण कुंद्रा, तेजस्वी प्रकाश, आयुष्मान खुराना, अभिनेत्री तापसी पन्नू, यूलिया वंतूर, गायिका हर्षदीप कौर, तमन्ना भाटिया-विजय वर्मा, राजकुमार राव-पत्रलेखा, अर्पिता खान शर्मा, शूरा खान, राम कपूर, गौतमी कपूर, मुनव्वर फारुकी, अवनीत कौर और बोनी कपूर शामिल थे।

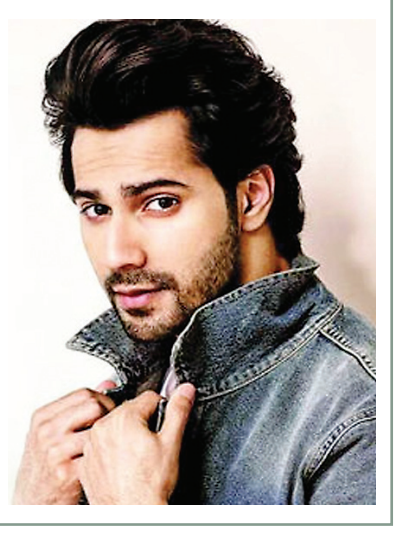

संक्षिप्त समाचार

कंपनी इंडोनेशिया में विनिर्माण पर विचार कर रही है: एप्पल के सीईओ

जकार्ता एजेंसी। एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने बुधवार को इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विदोदो से मुलाकात के बाद कहा कि कंपनी इंडोनेशिया में विनिर्माण पर विचार कर रही है। कुक ने मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा, ''हमने देश में विनिर्माण को लेकर राष्ट्रपति की इच्छा के बारे में बात की और हम इस पर ध्यान देंगे। कुक ने कहा, मुझे लगता है कि इंडोनेशिया में निवेश की अनंत क्षमता है। मुझे लगता है कि निवेश करने के लिए बहुत से बेहतरीन स्थान हैं। हम निवेश कर रहे हैं। हम देश में विश्वास रखते हैं।

वित्त वर्ष 2023-24 में स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड की संपत्ति 83 प्रतिशत बढ़कर 2.43 लाख करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी। खुदरा निवेशकों की भागीदारी में उछाल तथा बाजार में तेजी से मार्च 2024 के अंत में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड श्रेणी की संपत्ति 2.43 लाख करोड़ रुपए तक बढ़ गई। यह सालाना अधार पर 83 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। संपत्ति में वृद्धि को निवेशकों की संख्या में वृद्धि ने बल दिया। मार्च 2024 में फोलियो की संख्या 1.9 करोड़ तक पहुंच गई, जो एक साल पहले 1.09 करोड़ थी। इसमें 81 लाख इज़ाफा हुआ। यह स्मॉल-कैप फंड के प्रति निवेशकों के रुझान को दर्शाता है। फायर्स में उपाध्यक्ष (अनुसंधान) गोपाल कवलिरेड्डी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था का वृद्धि पथ लोगों की बढ़ी हुई रुचि को आकर्षित कर रहा है। इससे कई गैर-सूचीबद्ध स्मॉल-कैप कंपनियां पूंजी बाजार से समर्थन मांग रही हैं। यह प्रवृत्ति दीर्घकालिक विकास संभावनाओं पर नजर रखने वाले निवेशकों को आशाजनक अवसर प्रदान करती हैं।

एलेक्सा पर अन्य उपयोगकर्ताओं के मुकाबले बिताते हैं दोगुना अधिक समय

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत में छोटे बच्चों वाले परिवार, जो एलेक्सा का उपयोग करते हैं, वे अन्य उपयोगकर्ताओं के मुकाबले इसका दोगुना उपयोग करते हैं और इस पर भारतीय लोककथाओं से लेकर जानवरों तक की आवाज़ें सुनते हैं। छोटे बच्चों के माता-पिता अपने रोज़मर्रा के पालन-पोषण से जुड़े काम में एलेक्सा की मदद लेते हैं और एलेक्सा से राइम, कहानियां, खेल, सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्न आदि पूछकर अपने बच्चों को व्यस्त रखते हैं। उपयोगकर्ता एलेक्सा को हिंदी, अंग्रेजी और हिंग्लिश में सरल वॉयस कमांड देने की आसानी और सुविधा का आनंद लेते हैं, जिससे एआई, माता-पिता के लिए सहायक और बच्चों के लिए साथी बन जाता है। वाइल्ड प्लैनेट स्किल के माध्यम से जानवरों की आवाज़ पैदा करने की एलेक्सा की क्षमता ने हाल ही में उत्तर प्रदेश के बस्ती में एक 13 वर्षीय लड़की और उसकी 15 महीने की भतीजी को बंदर के हमले से बचाने में मदद की। एलेक्सा, कुत्ते की आवाज़ निकालो बोलकर वह लड़की बंदरों को डराने में सफल रही। अमेज़न इंडिया के एलेक्सा के निदेशक और कंट्री मैनेजर, दिलीप आर.एस. कहते हैं, माता-पिता अक्सर हमें बताते हैं कि एलेक्सा उनके लिए बच्चों के लालन-पालन के लिहाज़ से बेहद मददगार है।

रघुराम राजन ने कहा कि भारत में बेरोजगारी बेतहाशा बढ़ी

पीएचडी वाले रेलवे में चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन कर रहे हैं

भारत अपने युवाओं की क्षमता का पूरा फायदा नहीं उठा पा रहा है

नईदिल्ली, एजेंसी। आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन का कहना है कि चीन और साउथ एशिया के दूसरे देशों की तुलना में भारत अपने युवाओं की क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है। उनका कहना है कि भारत को अपने लोगों की स्किल को सुधारने पर फोकस करना चाहिए। मोदी सरकार की नीतियों के धुर आलोचक माने जाने वाले राजन ने कहा कि भारत में हर सेक्टर में समस्या है और यही वजह है कि कई इनोवेटर्स विदेश जाकर कंपनियां बना रहे हैं। देश में भयंकर बेरोजगारी है। हालत यह है कि पीएचडी वाले भी रेलवे में चपरासी की नौकरी के लिए अप्लाई कर रहे हैं।

राजन में जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी में आयोजित एक कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत को जीडीपी के सही आंकड़े बताने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हम डेमोग्राफिक डिविडेंड के बीच में हैं लेकिन समस्या यह है कि हम इसका फायदा नहीं उठा पा रहे हैं। चीन और कोरिया जब इस स्थिति में थे तो उन्होंने इसका कहीं बेहतर तरीके से फायदा उठाया था। लेकिन हम अपने युवाओं को काम नहीं दे पा रहे हैं। सवाल उठता है कि हम कैसे रोजगार पैदा कर सकते हैं। मेरा मानना है कि हम लोगों की क्षमताओं को बढ़ाकर ऐसा कर सकते हैं। साथ ही रोजगार की प्रकृति भी बदली जा सकती है। हमें दोनों मोर्चों पर काम करने की जरूरत है।

विराट कोहली वाली मानसिकता

भारत से प्रतिभाओं के पलायन के बारे में राजन ने कहा कि आज कई भारतीय इनोवेटर सिंगापुर या सिलिकॉन वैली जाकर कंपनियां बना रहे हैं। इसकी वजह यह है कि उन्हें वहां काम करना आसान लगता है। उन्होंने कहा, हमें यह पूछना चाहिए कि उन्हें भारत के बाहर जाने की जरूरत क्यों पड़ रही है। इनमें से कई लोग दुनिया को बदलना चाहते हैं और भारत में रहकर खुश नहीं हैं। वे वैश्विक स्तर पर अपना विस्तार करना चाहते हैं। मुझे लगता है कि भारत में युवाओं के वर्ग की मानसिकता विराट कोहली जैसी है। यानी हम दुनिया में किसी से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भारत में सर्विसेज, मैन्यूफैक्चरिंग और एग्रीकल्चरल कंस्ट्रक्शन हर क्षेत्र में समस्या है। देश में बेरोजगारी की दर बहुत ज्यादा है। लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन बहुत कम है। महिलाओं की भागीदारी तो बहुत कम है। पढ़े-लिखे लोगों में बेरोजगारी की दर ज्यादा है। सरकारी नौकरियों के लिए बहुत लोग अप्लाई करते हैं। पीएचडी वाले भी रेलवे में चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन कर रहे हैं। बेरोजगारी की समस्या पिछले 10 साल में पैदा नहीं हुई है बल्कि यह समस्या कई दशक से बढ़ रही है। हमें यह देखने की जरूरत है कि गलती कहां हुई है और इसे कैसे दुरुस्त किया जा सकता है। हम लंबे समय तक इस समस्या को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं।

वेदांता को मिला 27 करोड़ से ज्यादा का जीएसटी नोटिस

नईदिल्ली, एजेंसी। वेदांता लिमिटेड को जीएसटी टैक्स का नोटिस मिला है। कंपनी ने इस बारे में मंगलवार को बताया कि वेदांता को वित्त वर्ष 2018-19 से वित्त वर्ष 2020-21 की अवधि के लिए 27.97 करोड़ रुपए के जीएसटी के जुर्माने का आदेश मिला है। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, ये फाइन वित्त वर्ष 2018-19 से 2020-21 तक के इनपुट टैक्स क्रेडिट रीकॉन्सिलेशंस से जुड़े विवाद से संबंधित है। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, 'कंपनी को अतिरिक्त आयुक्त, जीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्तालय, राउरकेला के कार्यालय से ये आदेश मिला है, जिसमें टैक्स की मांग और लागू ब्याज के साथ 27.97 करोड़ रुपये का जुर्माना भरने के लिए कहा गया है। इस मामले में कंपनी का कहना है कि वो इस विवाद से जुड़े मामले को निपटाने के लिए अपीलीय प्राधिकारियों के साथ आदेश के बारे में अपील करेगी। कंपनी ने इस मामले को लेकर अपने स्टेकहोल्डर्स को एक संबोधन में भरोसा दिलाया कि इस जुर्माने का उन पर कोई भौतिक वित्तीय प्रभाव उन पर पड़ने की आशंका नहीं है। स्टेकहोल्डर्स को किए गए संबोधन में कंपनी ने कहा, 'कंपनी का उक्त आदेश के खिलाफ अपीलीय प्राधिकारियों के पास अपील दायर करने का इरादा है। कंपनी को इस मामले में अनुकूल परिणाम की उम्मीद है।

टाटा पावर के ईवी चार्जिंग नेटवर्क ने 10 करोड़ हरित किलोमीटर का पड़ाव पार किया

मुंबई एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनियों और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग समाधान प्रदाताओं में से एक, टाटा पावर ने सार्वजनिक, अर्ध-सार्वजनिक, बस/फ्लीट और पूरे भारत में होम चार्जर सेगमेंट में 10 करोड़ (100 मिलियन) हरित किलोमीटर तक बिजली पहुंचाने वाली पहली ईवी चार्जिंग समाधान प्रदाता बन गई है। यह उपलब्धि देश भर में टिकाऊ मोबिलिटी समाधानों को बढ़ावा देने में टाटा पावर की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है।

वर्ष 2030 तक देश में हो रही वाहनों की कुल बिक्री में से 30 प्रतिशत इलेक्ट्रिक हो इस लक्ष्य को लेकर भारत ने पर्यावरण के पूरक परिवहन का दृष्टिकोण अपनाया है, साथ ही ,द्धक्त्,द्गड्ड और नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से ई-मोबिलिटी को बढ़ावा दिया जा रहा है। ईवी चार्जिंग सुविधाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए इस परिवर्तन के बुनियादी ढांचे के रूप में, टाटा पावर ने ईज़ी चार्ज के नाम से अपने नेटवर्क को 86,000 से अधिक होम चार्जर, 5,300+ सार्वजनिक, अर्ध-सार्वजनिक और फ्लीट चार्जिंग पॉइंट के साथ-साथ 530 शहरों में 850+ बस चार्जिंग स्टेशनों तक बढ़ाया है। लोगों की आसानी के लिए इन चार्जर्स को राजमार्गों, होटलों, मॉलों, अस्पतालों, कार्यालयों, आवासीय परिसरों आदि जैसे कई अलग-अलग और भारी आवाजाही वाले स्थानों पर रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है। टाटा पावर के यह प्रयास भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की तेज़ी से वृद्धि को सुविधाजनक बनाने में सहायक रहा है।

उद्योग के एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2030 तक भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की वार्षिक बिक्री 1 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। टाटा पावर, देश भर में अपनी उपस्थिति के साथ, इस परिवर्तन में सबसे आगे है। इलेक्ट्रिक वाहनों और ईवी चार्जिंग की बुनियादी सेवाओं की मांग में वृद्धि के साथ, टाटा पावर आरएफआईडी कार्ड जैसे तकनीकी-सक्षम ग्राहक-केंद्रित समाधान भी ला रहा है। शून्य-उत्सर्जन गतिशीलता के प्रति अटूट समर्पण के लिए टाटा पावर को शून्य इन्फ्रास्ट्रक्चर चैंपियन यह प्रतिष्ठित सम्मान मिला है। हाल ही में नई दिल्ली में दूसरे वार्षिक शून्य फोरम के दौरान पुरस्कार प्रदान किया गया। नीति आयोग द्वारा 2021 में शुरू किए गए शून्य - ज़ीरो पोल्यूशन मोबिलिटी कैम्पेन ने कई महत्वपूर्ण साझेदारियों को बढ़ावा दिया है।

ओरिएंट इलेक्ट्रिक ने बड़ी टैंक क्षमता वाले एयर कूलर्स लॉन्च किए

नईदिल्ली, एजेंसी। ओरिएंट इलेक्ट्रिक लिमिटेड जो कि 2.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के विविधीकृत सीके बिरला ग्रुप का अंग है, ने डेज़र्ट और कॉमर्शियल कैटेगरीज़ में बड़े टैंक वाले नए मॉडल्स को लॉन्च करके एयर कूलर की अपनी पहले से ही व्यापक रेंज का विस्तार किया है। बड़ी टैंक क्षमताओं, उन्नत सुविधाओं और बेहतर प्रदर्शन वाले ये कूलर बड़ी जगहों की कूलिंग के लिए एक आदर्श विकल्प हैं। कंपनी का इस सीज़न में एयर कूलर्स की कैटेगरी में डबल डिजिट ग्रोथ हासिल करने का लक्ष्य है।

ओरिएंट इलेक्ट्रिक लिमिटेड के बिज़नेस हेड - ईसीडी, गौरव धवन ने कहा, चूंकि मौसम विशेषज्ञों ने इस गर्मी के सीज़न में सामान्य से अधिक तापमान रहने का पूर्वानुमान लगाया है और तेज़ लू चलने की संभावना जताई है, हम एयर कूलर्स की मांग में काफी वृद्धि होने की उम्मीद कर रहे हैं। आज हम इस सेगमेंट में देश में सबसे ज्यादा बिकने वाले ब्रांड्स में से एक हैं, और हमारे पास उपभोक्ताओं की हर ज़रूरत को पूरा करने के लिए विभिन्न आकार, साइज़, क्षमता और मटीरियल में एयर कूलर्स की एक व्यापक रेंज है। हमारी रेंज में 60 से अधिक मॉडल शामिल हैं जिनमें आईओटी-सक्षम और आवाज़ से नियंत्रित होने वाले एयर कूलर, मेटल-बॉडी वाले एयर कूलर और बिजली बचाने वाले इन्वर्टर एयर कूलर शामिल हैं। हमने हमेशा उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को समझने और उनका समाधान करने पर ध्यान दिया है। हमारे नए बड़े टैंक वाले एयर कूलर्स अत्यधिक गर्मी झेलने वाले इलाके, जैसेकि मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। अपनी कूलर्स की विशाल रेंज और अनुकूल मौसम के पूर्वानुमान के चलते हुए, हम एक अच्छे सीज़न की उम्मीद कर रहे हैं।

लॉन्च किए गए कुछ नए मॉडल्स में डेज़र्ट कूलर कैटेगरी में स्मार्टचिल 125 लीटर, अवांते 105 लीटर और टाइटन 100 लीटर हैं, और कॉमर्शियल कूलर कैटेगरी में मैक्सोचिल 100 लीटर शामिल हैं। ये कूलर एरोफेन टेक्नॉलजी वाले फैन ब्लेड्स से लैस हैं, जो प्रभावशाली ढंग से 60 फीट दूर तक हवा देते हैं।

ओरिएंट एयर कूलर्स न केवल उन्नत तकनीक से लैस हैं बल्कि डिज़ाइन और फिनिश की दृष्टि से भी ये बेहद आकर्षक हैं। ओरिएंट एयर कूलर्स की कुछ खास खूबी डेंसनेस्ट टेक्नॉलजी वाले हनीकॉम्ब पैड हैं, जो कि पानी को लंबे समय तक रीटेन करके 25 प्रतिशत अधिक कूलिंग प्रदान करते हैं। इसके अलावा, इन कूलर्स में ऑटो फिल फ़ंक्शन, मच्छरों के प्रजनन की रोकथाम, आइस चैंबर, कोलैप्सिबल लूवर, और कैस्टर व्हील आदि शामिल हैं। प्लास्टिक से लेकर मेटल कूलर और कॉमर्शियल से इंडस्ट्रियल एयर कूलर तक, ओरिएंट इलेक्ट्रिक के पास हर तरह की ज़रूरत और जगह के लिए एयर कूलर उपलब्ध हैं।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने 1,000 करोड़ के सुरक्षित प्रतिदेय गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर सार्वजनिक निर्गम की घोषणा की

- **सुरक्षित एनसीडी का पहला सार्वजनिक निर्गम**
- **प्रति वर्ष 9.70 प्रतिशत तक की प्रभावी उपज**

मुंबई एजेंसी। मोतीलाल ओसवाल फाइनैन्शल सर्विस लिमिटेड (एम ओ एफ एस एल / कंपनी / जारीकर्ता) ने 500 करोड़ तक के ग्रीन शू विकल्प के साथ 500 (बेस इशू साइज़) की राशि तक के सुरक्षित प्रतिदेय गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के सार्वजनिक निर्गम की घोषणा की है, जिसका प्रत्येक का अंकित मूल्य 1,000 है और जो संचयी रूप से 1,000 करोड़ (इश्यू) तक होगा।

एनसीडी की आठ श्रृंखलाएं हैं, जिनमें निश्चित कूपन हैं और जो 24 महीने, 36 महीने, 60 महीने और 120 महीने की अवधियों में वार्षिक, मासिक और परिपक्वता के ब्याज विकल्प मौजूद हैं। एनसीडी के लिए प्रभावी वार्षिक प्रतिफल 8.85 प्रतिशत प्रति वर्ष से 9.70 प्रतिशत प्रति वर्ष है।

यह इश्यू 23 अप्रैल, 2024 को खुलेगा और 7 मई, 2024 को बंद होगा: इस इश्यू के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का कम से कम 75 प्रतिशत का उपयोग कार्यशील पूंजी की आवश्यकता को पूरा करने और मौजूदा देनदारियों के पुनर्भुगतान के लिए किया जाएगा और शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा, बशर्ते कि ऐसा उपयोग राशि का 25 प्रतिशत से अधिक न हो और जो समय-समय पर संशोधित भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (गैर-परिवर्तनीय प्रतिभूतियों का निर्गम और सूचीकरण) विनियम, 2021 (सेबी एनसीएस विनियम) के अनुपालन के अनुसार होगा।

इश्यू के तहत जारी किए जाने वाले प्रस्तावित एनसीडी को क्रिसिल रेटिंग्स द्वारा क्रिसिल एए/स्टेबल और इंडिया रेटिंग्स द्वारा इंडिया एए/स्टेबल रेटिंग दी गई है। इस रेटिंग वाले उपकरणों को वित्तीय दायित्वों की समय पर सेवा के संबंध में उच्च स्तर की सुरक्षा वाला माना जाता है। ऐसे उपकरणों में क्रेडिट जोखिम बहुत कम होता है। ट्रस्ट इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड, नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेडस इस इश्यू के लीड मैनेजर हैं। एनसीडी को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध किया जाएगा। कंपनी को बीएसई और एनएसई से सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। इस इश्यू के प्रयोजनों के लिए, बीएसई नामित स्टॉक एक्सचेंज होगा। मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (मर्चेंट बैंकर्स) विनियम, 1992, संशोधित (मर्चेंट बैंकर्स विनियम) के अनुसार जारीकर्ता का सहयोगी माना जाता है। इसके अलावा, विनियम 21ए के प्रावधानों और मर्चेंट बैंकर्स विनियमों के विनियम 21ए के स्पष्टीकरण के अनुपालन में, मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड केवल इश्यू के विपणन में शामिल होगा और सेबी एनसीएस विनियमों के विनियम 25 (3) के अनुसार उचित उद्यम प्रमाणपत्र जारी नहीं करेगा।

महिंद्रा ने लॉन्च किया बोलेरो नियो+, कीमत 11.39 लाख से शुरू

- 9-सीटर यात्री वाहन खंड में शीर्ष स्थान लेने के लिए तैयार
- एंट्री-लेवल पी4 और प्रीमियम वेरिएंट पी10 में उपलब्ध है
- ईंधन दक्षता बढ़ाने के लिए माइक्रो-हाइब्रिड प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल

मुंबई , एजेंसी। भारत की अग्रणी एसयूवी विनिर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने आज बोलेरो नियो+ 9-सीटर का अनावरण किया, जिसे दो वेरिएंट- पी4 और प्रीमियम पी10 में पेश किया गया है। इस एसयूवी को स्टाइलिश, विशाल और मज़बूत एसयूवी चाहने वाले ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है, जिसमें ड्राइवर सहित 9 यात्री आराम से बैठ सकते हैं।

बोलेरो नियो+ 9-सीटर बोलेरो के भरोसेमंद, शक्तिशाली और 'कहीं भी जाएं' वाली विशेषता पर आधारित है, जो नियो के स्टाइलिश बोल्ड डिज़ाइन, प्रीमियम इंटीरियर और प्रौद्योगिकी से लैस है। एसयूवी ग्राहकों को बड़े परिवारों, संस्थागत ग्राहकों, टूर एवं ट्रैवल ऑपरेटर और कंपनियों को पट्टे पर वाहन देने वाले कांट्रेक्टर के लिए अनूठी पेशकश करती है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी ङ्क वाहन खंड, नलिनीकांत गोल्लगुंटा ने कहा, बोलेरो ब्रांड वर्षों से हमारे ग्राहकों के लिए मज़बूती और विश्वसनीयता की मिसाल बन गया है, जो लगातार उम्मीद से अधिक प्रदर्शन कर रहा है। बोलेरो नियो+ के लॉन्च के साथ, हम टिकाउपन, उन्नत सुविधाओं और बेहतर आराम का वादा कर रहे हैं जो हर परिवार और बेड़े के मालिक के लिए ड्राइविंग अनुभव को समान रूप से समृद्ध करता है।

कहीं भी जाने की क्षमता के साथ शक्तिशाली: बोलेरो नियो+ मजबूत 2.2 लीटर एमहॉक डीजल इंजन से लैस है, जिसमें उत्कृष्ट ईंधन दक्षता और प्रदर्शन के लिए माइक्रो-हाइब्रिड प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल हुआ। इसका बॉडी-ऑन-फ्रेम निर्माण और उच्च शक्ति वाला स्टील बॉडी शेल टिकाउपन और सुरक्षा के लिए डिज़ाइन किया गया है। एसयूवी ईबीडी के साथ एबीएस, डुअल एयरबैग, आईएसओफिक्स चाइल्ड सीट, इंजन इमोबिलाइज़र और ऑटोमैटिक डोर लॉक सहित उन्नत सुरक्षा सुविधाओं के साथ आता है, जो सभी यात्रियों के लिए सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करता है।

स्टाइलिश बोल्ड डिज़ाइन: बोलेरो नियो+ में एक्स-आकार के बंपर, क्रोम इन्सर्ट से लैस फ्रंट ग्रिल और एक एक्स-आकार के स्पेयर व्हील कवर जैसे सिग्नेचर बोलेरो तत्व हैं और साथ ही साइड बॉडी क्लैडिंग भी है। इसका प्रामाणिक एसयूवी डिज़ाइन और प्रभावशाली रुख को स्टाइलिश हेडलैंप, फॉग लैंप और एक कमांडिंग हुड से और बढ़ता है। 40.64 सेंटीमीटर अलॉय व्हील और मस्क्युलर साइड तथा रियर फुटस्टेप के साथ, बोलेरो नियो+ आत्मविश्वास और मज़बूती सौम्यता का परिचय देता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि यह किसी भी सड़क पर अलग दिखे।

परिष्कृत आंतरिक साज-सज्जा और बेहतर आराम: बोलेरो नियो+ प्रीमियम इटालियन इंटीरियर और 22.8 सेमी टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ बेजोड़ आराम प्रदान करता है जिसमें ब्लूटूथ, यूएसबी और ऑक्स कनेक्टिविटी शामिल है। साथ ही एंटी-ग्लेयर आईआरवीएम, इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल ओआरवीएम और एक हाइट-एडजस्टेबल ड्राइवर की सीट द्वारा प्रदान की जाती हैं। वाहन फ्रंट और रीयर पावर विंडो, आर्मरेस्ट और उदार बूट स्पेस से भी लैस है, जो आराम और व्यावहारिकता दोनों सुनिश्चित करता है। इसमें बैठने की बहुमुखी व्यवस्था, जिसमें 2-3-4 पैटर्न में व्यवस्थित 9 सीटें शामिल हैं, विभिन्न प्रकार की यात्रा आवश्यकताओं को पूरा करते हुए, यात्री और सामान दोनों जगह के लिए अधिकतम जगह प्रदान करता है।

बजाज आलियांज लाइफ ने ग्राहकों को व्हाट्सएप पर डिजिटल लेनदेन की सुविधा प्रदान की

पुणे , एजेंसी। अग्रणी निजी जीवन बीमाकर्ता कंपनियों में में से एक बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने मेटा के साथ साझेदारी के माध्यम से व्हाट्सएप पर प्रीमियम भुगतान का विकल्प पेश किया है। लाखों भारतीय उपभोक्ताओं को जोड़कर, व्हाट्सएप संचार और सेवा के लिए एक लोकप्रिय ऐप के रूप में सामने आया है। इस लोकप्रियता का लाभ उठाने और ग्राहकों को बेहतरीन सुविधा प्रदान करने के लिए, बजाज आलियांज लाइफ ने व्हाट्सएप के माध्यम से अपनी प्रीमियम भुगतान सेवाओं को अपग्रेड किया है। इस तरह ग्राहक एक ही स्थान पर अपनी पॉलिसी और अपने पेमेंट्स को मैनेज कर सकते हैं। ग्राहक सीधे व्हाट्सएप इंटरफ़ेस के भीतर नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, यूपीआई जैसे विभिन्न पेमेंट मोड के माध्यम से अपने प्रीमियम का भुगतान आसानी से कर सकते हैं। यह पहल भुगतान प्रक्रिया को और सुव्यवस्थित करती है, साथ ही विभिन्न पेमेंट ऐप्स के बीच स्विच करने की आवश्यकता को समाप्त करती है और सीधे व्हाट्सएप के भीतर निर्बाध और कुशल तरीके से प्रीमियम भुगतान सुनिश्चित किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

मायकोलास ने 38 साल पुराना डिस्कस थ्रो का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

74.35 मीटर दूर चक्का फेंका

रामोना (अमेरिका), एजेंसी। वर्ल्ड एथलेटिक्स के मुताबिक अलेक्ना का थ्रो 244 फुट 1 (74.41 मीटर) इंच नापा गया था, लेकिन बाद में इसे 74.35 मीटर कर दिया गया। हालांकि रिकॉर्ड को अभी वर्ल्ड एथलेटिक्स से मान्यता मिलना बाकी है। लिथुआनिया के मायकोलास अलेक्ना ने डिस्कस थ्रो का 38 साल पुराना विश्व कीर्तिमान भंग कर दिया। उन्होंने 1986 में जर्मनी के जुर्गेन शुल्ट की ओर से स्थापित 74.08 मीटर के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। अलेक्ना ने ओकलाहामा थ्रोज सीरीज

कंपटीशन में 243 फुट 11 इंच (74.35 मीटर) दूर चक्का फेंका। वर्ल्ड एथलेटिक्स के मुताबिक अलेक्ना का थ्रो 244 फुट 1 (74.41 मीटर) इंच नापा गया था, लेकिन बाद में इसे 74.35 मीटर कर दिया गया। हालांकि रिकॉर्ड को अभी वर्ल्ड एथलेटिक्स से मान्यता मिलना बाकी है। 21 वर्षीय एलेक्ना कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में जूनियर हैं। वह विश्व चैंपियनशिप में दो बार पदक जीत चुके हैं। 2022 में उन्होंने रजत और बीते वर्ष उन्होंने कांस्य पदक जीता था। एलेक्ना ने अपने पिता वर्जीलियस एलेक्ना को भी पीछे धकेल दिया है। शुल्ट के बाद सर्वश्रेष्ठ थ्रो वर्जीलियस की 73.88 मीटर थी, जो अब तीसरे स्थान पर आ गई है। एलेक्ना ने यह रिकॉर्ड क्यूबा की यामे पेरेज की ओर से एक दिन पहले ही फेंकी गई महिलाओं की सर्वश्रेष्ठ थ्रो 73.09 के बाद बनाया है।

बिना तैयारियों के ओलंपिक क्वालिफायर खेलेंगे पहलवान

- टूर्नामेंट के लिए नहीं लगा तैयारी शिविर

नई दिल्ली, एजेंसी। सूत्रों की मानें तो खेल मंत्रालय की ओर से भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगे निलंबन के चलते ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पहलवानों का तैयारी शिविर नहीं लग सका। कुश्ती पर विवादों के साये ने ओलंपिक क्वालिफायर जैसे टूर्नामेंट के

लिए पहलवानों की तैयारियों को छीन लिया। भारतीय टीम के पहलवान बिना तैयारियों के देश को पेरिस ओलंपिक का कोटा दिलाने बिश्केक (किर्गिस्तान) रवाना हो गए। ओलंपिक क्वालिफायर जैसे टूर्नामेंट के लिए पुरुष और महिला पहलवानों का कोई तैयारी शिविर नहीं लगाया गया। पहलवान अपने स्तर पर अखाड़ों में तैयारी कर क्वालिफायर में उतरने जा रहे हैं। अभी तक भारत को कुश्ती में सिर्फ एक ओलंपिक कोटा मिला है, जो अंतिम पंघाल ने दिलाया है।

वनमैन आर्मी जोस बटलर...

कोलकाता नाइट राइडर्स के जबड़े से छीना मैच, जड़ा दमदार शतक

कोलकाता, एजेंसी। संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में धूम मचा दी है. राजस्थान टीम ने मंगलवार (16 अप्रैल) को ईडन गार्डन्स में खेले गए रोमांचक मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को 2 विकेट से करारी शिकस्त दी. इस जीत के साथ ही राजस्थान टीम ने पॉइंट्स टेबल में अपना नंबर-1 का ताज बरकरार रखा है. संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान टीम ने अब तक 7 में से 6 मुकाबले जीते हैं. इस जीत के साथ अब राजस्थान टीम अपनी नंबर-1 की पोजिशन मजबूत कर ली है. दूसरी ओर कोलकाता टीम ने अब तक 6 में से 4 मुकाबले जीते हैं.

बटलर अकेले डटे रहे और टीम को जीत दिलाई

ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में कोलकाता टीम ने 224 रनों का टारगेट सेट किया था, जिसके जवाब में राजस्थान टीम शुरुआत से ही लड़खड़ाती नजर आई. एक समय टीम ने 186 रनों पर 8 विकेट गंवा दिए थे और जीत के लिए 15 गेंदों पर 38 रनों की जरूरत थी. उस समय जोस बटलर क्रीज पर थे और उन्होंने हार नहीं मानी. बटलर ने अकेले के दम पर राजस्थान को मैच जिताया. साथ ही उन्होंने अपना भी शतक पूरा किया. बटलर ने 60 गेंदों पर नाबाद 107 रनों की पारी खेली. इस दौरान 6 छक्के और 9 चौके जमाए. बटलर की पारी के बदौलत राजस्थान ने 8 विकेट गंवाकर मैच जीत लिया. बटलर के अलावा रियान पराग ने 14 गेंद पर 34 रन बनाए. आखिर में रोवमैन पॉवेल ने 13 गेंदों पर 26 रन जड़े. बटलर और पॉवेल के बीच 27 गेंदों पर 57 रनों की पार्टनरशिप हुई थी, जो बेहद अहम रही. दूसरी ओर केकेआर टीम के लिए हर्षित राणा, सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती ने 2-2 विकेट हासिल किए. जबकि वैभव अरोड़ा को 1 सफलता मिली.

राजस्थान की पारी का स्कोरकार्ड: (224/8, 20 ओवर)

बल्लेबाज	रन	गेंदबाज	विकेट पतन
यशस्वी जायसवाल	19	वैभव अरोड़ा	1-22
संजू सैमसन	12	हर्षित राणा	2-47
रियान पराग	34	हर्षित राणा	3-97
ध्रुव जुरेल	2	सुनील नरेन	4-100
रविचंद्रन अश्विन	8	वरुण चक्रवर्ती	5-121
शिमरोन हेटमायर	0	वरुण चक्रवर्ती	6-121
रोवमैन पॉवेल	26	सुनील नरेन	7-178
ट्रेंट बोल्ट	0	रनआउट	8-186

नरेन की तूफानी शतकीय पारी से बना बड़ा स्कोर

मैच में टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी कोलकाता टीम ने 6 विकेट गंवाकर 223 रन बनाए. टीम के लिए सुनील नरेन ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की और 49 गेंदों पर शतक जड़ दिया. मैच में नरेन ने 56 गेंदों पर कुल 109 रनों की पारी खेली. इस दौरान उन्होंने 6 छक्के और 13 चौके जमाए. जबकि अंगकृष रघुवंशी ने 30 रन बनाए. दूसरी ओर राजस्थान टीम के सभी गेंदबाजों की जमकर धुलाई हुई.

नारायण ने जड़ा टी20 करियर का पहला शतक

आईपीएल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता के ईडन गार्डेंस स्टेडियम में सुनील नारायण के बल्ले से एक शतकीय पारी देखने को मिली है। अपनी जादूई गेंदबाजी के लिए पहचाने जाने वाले सुनील नारायण ने इस बार बतौर बल्लेबाज कमाल का प्रदर्शन किया है। सुनील नारायण ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले जा रहे मैच में शतक जड़ा। ये उनकी टी20 करियर का पहला शतक भी है।

सुनील नारायण ने जड़ा पहला शतक

सुनील नारायण साल 2011 से टी20 क्रिकेट खेल रहे हैं। लेकिन 13 साल के उनके करियर में ये पहला मौका है जब उन्होंने शतक जड़ा है। सुनील नारायण इस बार आईपीएल में केकेआर के लिए ओपनिंग कर रहे हैं और वह मैनेजमेंट के फैसले पर खरे भी उतरे हैं। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले जा रहे मैच 49 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने शतक तक पहुंचने के लिए 11 चौके और 6 छक्के जड़े। नारायण इस मैच में 56 गेंदों पर 109 रन बनाकर आउट हुए।

आईपीएल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा – सुनील नारायण ने इस शतक के साथ आईपीएल में एक बड़ा रिकॉर्ड भी बना दिया है। सुनील नारायण आईपीएल में शतक जड़ने के साथ-साथ 100 विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनसे पहले आईपीएल में ये कारनामा किसी भी खिलाड़ी ने नहीं किया था। वहीं, नारायण के इतिहास के तीसरे खिलाड़ी बने हैं जिसने इस लीग में शतक जड़ा है और हैट्रिक लेने का कारनामा भी किया है।

ट्रेंट बोल्ट की स्टंप तोड़ यॉर्कर ने

कर दिया लाखों का नुकसान!

क्या अब करनी पड़ेगी भरपाई?

कोलकाता, एजेंसी। ट्रेंट बोल्ट ने आईपीएल 2024 के 31वें मुकाबले में एक ऐसी यॉर्कर डाली कि स्टंप ही टूट गया. बोल्ट ने अपनी एक यॉर्कर से करीब 10 लाख रुपये का नुकसान कर दिया. स्टंप टूटने के बाद खेल को कुछ देर तक रोका भी गया. ईडन गार्डन्स में टूर्नामेंट का 31वां मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया था. इस मैच में राजस्थान रॉयल्स के ट्रेंट बोल्ट ने खतरनाक यॉर्कर से सुनील नरेन को चलता किया था. लेकिन बोल्ट की यॉर्कर से जो स्टंप टूटा, उसकी उन्हें भरपाई करनी पड़ेगी?

पहली पारी में 18वें ओवर की तीसरी गेंद पर ट्रेंट बोल्ट ने सुनील नरेन को यॉर्कर पर बोल्ड कर पवेलियन भेजा. बोल्ट की इस गेंद से स्टंप टूट गया था, जिसकी वजह से कुछ देर खेल रुका क्योंकि नया स्टंप लाकर लगाने में वक़्त लगा. इस आईपीएल नए तरह के स्टंप्स का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसमें अलग-अलग मौकों पर अलग लाइट्स जलती हैं. जैसे- चौका-छक्का लगाने पर अलग लाइट्स, वाइड और नो बॉल होने पर अलग तरह की लाइट्स स्टंप में फ्लैश होती हैं.

10 लाख रुपये के करीब एक स्टंप की कीमत

एक साइड तीन स्टंप लगाए जाते हैं और मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इसमें एक स्टंप की कीमत करीब 10 लाख रुपये होती है. ऐसे में दोनों तरफ 30-30 लाख रुपये के स्टंप्स का इस्तेमाल किया जाता है. यही कराण है कि अब पहले के जैसे खिलाड़ियों को मैच जीतने के बाद स्टंप निकालने की इजाजत नहीं होती है. पहले जब लकड़ी वाले स्टंप का उपयोग होता था तब खिलाड़ी मुकाबला जीतने के बाद स्टंप निकलाकर ले जाते थे.

क्या ट्रेंट बोल्ट को करनी पड़ेगी 10 लाख की भरपाई?

तो आपको बता दें कि ऐसा किसी भी तरीके का कोई नियम नही हैं. अगर गेंदबाज़ अपनी बॉलिंग से स्टंप तोड़ता है, तो उसे किसी भी तरह की कोई भरपाई नहीं करनी होती है. ऐसा कई मौकों पर देखा गया है कि अक्सर गेंदबाज़ अपनी तेज़ तर्रार गेंदों से स्टंप तोड़ देते हैं, लेकिन उन्हें किसी भी तरह की कोई भरपाई नहीं करनी होती है.

कैंडिडेट्स शतरंज

नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ खेलकर गुकेश की बढ़त कायम

टोरंटो (कनाडा), एजेंसी। डी गुकेश ने 10वें दौर के बाद अकेली बढ़त पर आने का मौका खो दिया। गुकेश ने अपने साथ बढ़त साझा कर रहे रूस के इयन नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ

खेला। अगर इस बाजी में वह जीतते तो अकेली बढ़त पर आ सकते थे। अब दोनों खिलाड़ियों के छह-छह अंक हैं और दोनों अभी भी संयुक्त बढ़त पर हैं। वहीं आर प्रगनानंदा (5.5) और विदित गुजराती (5) के बीच मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। दूसरी ओर शीर्ष वरीय अमेरिका के फैबियानो कारुआना और उनके साथी हिकारु नाकामुरा ने जीत हासिल कर प्रगनानंदा के साथ तीसरा स्थान हासिल कर लिया। कारुआना (5.5) ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा (3.5) को और नाकामुरा (5.5) ने अजरबैजान के निजात एबासोव (3) को हराया। महिला वर्ग में आर वैशाली (3.5) ने हार का क्रम तोड़ते हुए बुल्गारिया की नुरग्यूल सालिमोवा (4) को हराया। महिला वर्ग में चीन की झोंगयी तान और ली टिंगजी 6.5 अंक के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

प्रगनानंदा और गुजराती ने भी ड्रॉ खेला

गुजराती ने प्रगनानंदा को आसानी से ड्रॉ पर रोका

गुकेश के खिलाफ नेपोमनियाच्ची सफेद मोहरों से खेल रहे थे। शुरुआत में गुकेश समय के दबाव में भी फंसे। बावजूद इसके वह उन्होंने नियंत्रण बनाकर रखा। हालांकि नेपोमनियाच्ची काफी संभलकर खेल रहे थे और जोखिम लेने के मूड में कतई नहीं दिखे। वह 10 दौर के बाद टूर्नामेंट में अकेले खिलाड़ी हैं, जो अब तक हारे नहीं हैं। प्रगनानंदा को भी अभी तक टूर्नामेंट में एक हार गुकेश के खिलाफ मिली है। वह गुजराती के खिलाफ सफेद मोहरों से खेल रहे थे। गुजराती ने उनके खिलाफ बर्लिन डिफेंस का सहारा लिया और आसानी से बाजी ड्रॉ करा सी। 11वें दौर में प्रगनानंदा नाकामुरा से, गुकेश कारुआना से और गुजराती नेपोमनियाच्ची से भिड़ेंगे।

ग्रीस के ओलंपिया में जलाई गई पेरिस ओलिंपिक मशाल

26 जुलाई से शुरू होगें गेम्स, ग्रीस की राष्ट्रपति कैटरीना एन सकेलारोपोलू सेरेमनी में मौजूद रहीं

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलिंपिक 2024 की मशाल मंगलवार को ग्रीस के ओलंपिया में जलाई गई। इस मशाल को सूर्य की किरणों से जलाया जाता है। आज से पूरे विश्व में मशाल की यात्रा शुरू हो जाएगी। आखिर में यह पेरिस में जा कर रुकेगी। इसे ग्रीक एक्ट्रेस मैरी मीना ने जलाया। पेरिस ओलिंपिक में 100 दिन बचे हैं। पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच होना है। यह सेरेमनी (ओलिंपिक प्लेम लाइटिंग सेरेमनी) मंगलवार को इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के अध्यक्ष थॉमस बाक की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान ग्रीस की राष्ट्रपति कैटरीना एन सकेलारोपोलू भी मौजूद रहीं।

1928 से जलाई जा रही है ओलिंपिक मशाल

इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के तत्वावधान में पहला ओलिंपिक 1896 में हुआ। जो एथेंस के पैनाथेनिक स्टेडियम में खेला गया। साल 1928 में नीदरलैंड्स के एम्सटर्डम में आयोजित ओलिंपिक से मशाल जलाने का विचार आया। 1936 में बर्लिन (जर्मनी) ओलिंपिक गेम्स से ओलिंपिक रिले की शुरुआत हुई। ओलिंपिक लौ प्राचीन और आधुनिक खेलों को जोड़ने की एक कड़ी मानी जाती है।

पेरिस ओलिंपिक्स में ट्रैक का कलर पर्पल होगा– पेरिस ओलिंपिक में ट्रैक इस बार बैंगनी कलर का होगा। सामान्य रूप से ट्रैक लाल कलर में होता है। टोक्यो में हुए ओलिंपिक गेम्स में ट्रैक लाल कलर का था।

विजडन टॉप-5 क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर में तीन ऑस्ट्रेलियाई: कमिंस लीडिंग क्रिकेटर इन द वर्ल्ड, हेड ने विजडन ट्रॉफी जीती

नईदिल्ली, एजेंसी। विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड क्रिकेट का सबसे पुराना इंडिविजुअल अवॉर्ड है। विजडन 1889 से हर साल यह लिस्ट जारी कर रहा है। सिलेक्शन पिछले इंग्लिश सीजन में परफॉर्मेंस के आधार पर होता है। कोई भी खिलाड़ी एक से ज्यादा बार यह अवॉर्ड नहीं जीत सकता है। विजडन के एडिटर लॉरेंस बूथ ने मंगलवार को पांचों नामों की घोषणा की।

कमिंस की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया तीन बड़े टूर्नामेंट जीता– ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और नैट साइवर-ब्रंट को विजडन लीडिंग क्रिकेटर इन द वर्ल्ड से सम्मानित किया गया है। विजडन लीडिंग क्रिकेटर इन द वर्ल्ड अवॉर्ड दुनिया के कुछ सबसे अनुभवी लेखकों और कमेंटेटर्स के परामर्श से विजडन क्रिकेटर्स अलमानेक के एडिटर द्वारा दिया जाता है। सिलेक्शन पिछले कैलेंडर ईयर में दुनिया भर में कहीं भी खिलाड़ी के परफॉर्मेंस पर आधार पर होता है। खिलाड़ी एक से ज्यादा बार अवॉर्ड जीत सकते हैं। कमिंस की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया जून में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और नवंबर में वनडे वर्ल्ड कप जीता था। दोनों का फाइनल भारत के खिलाफ खिलाफ खेला गया था। इसके अलावा उनकी कप्तानी में पिछले साल इंग्लैंड में 2-2 से एशेज सीरीज भी ड्रॉ हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

ईरान क्षेत्र में तनाव नहीं बढ़ाना चाहता : विदेश मंत्री

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन का कहना है कि देश क्षेत्र में तनाव बढ़ाना नहीं चाहता है। ईरानी विदेश मंत्रालय से जारी बयान के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री ने मंगलवार को इंडोनेशिया के विदेश मंत्री रेटनो मार्सुडी के साथ फोन पर बातचीत के दौरान यह बयान दिया। इस दौरान दोनों पक्षों ने मध्य पूर्व में लेटेस्ट घटनाओं पर चर्चा की, जिसमें इजरायल पर ईरान के बड़े पैमाने पर जवाबी हमले और गाजा पट्टी की स्थिति के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंध भी शामिल थे। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्री अमीर-अब्दुल्लाहियन ने कहा कि ईरान हमेशा क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा। इजरायल क्षेत्र में तनाव और युद्ध का मूल कारण है। विदेश मंत्री ने एक अप्रैल को सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरान के दूतावास के कांसुलर सेक्शन पर इजरायल के कथित हमले की इंडोनेशिया की निंदा की सराहना की और इजरायली हमले को आक्रामकता का कार्य बताया। विदेश मंत्री अमीर-अब्दुल्लाहियन ने कहा कि इजरायल के खिलाफ ईरान का ड्रोन और मिसाइल हमला अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में था। इंडोनेशियाई विदेश मंत्री ने अपनी ओर से फिलिस्तीनी मुद्दे पर द्विपक्षीय सहयोग जारी रखने का आह्वान करते हुए कहा कि गाजा संकट को नहीं भूलना चाहिए और फिलिस्तीनी मुद्दे को जीवित रखना चाहिए।

ईरान के राष्ट्रपति ने फिर इजरायल को पलटवार की चेतावनी दी

बर्लिन, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने एक बार फिर इजरायल पर ईरान के हालिया हवाई हमले के बाद सैन्य जवाबी हमला करने के खिलाफ इजरायल को चेतावनी दी है। कतर के अमीर तमीम बिन हमद अल थानी के साथ एक टेलीफोन कॉल के दौरान रायसी ने चेतावनी दी कि ईरान के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ इजरायल द्वारा थोड़ी सी कार्रवाई के व्यापक और दर्दनाक परिणाम होंगे। कॉल का विवरण ईरान के राष्ट्रपति कार्यालय के वेब पोर्टल पर प्रकाशित किया गया था। ईरान ने हाल ही में इजरायल को उसके बड़े पैमाने पर हमले के लिए सैन्य प्रतिक्रिया की कई बार चेतावनी दी है, जिसमें शनिवार रात इजरायल की ओर सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलें दागी गईं। देश की सुरक्षा परिषद ने एक बयान में कहा कि किसी भी आगे की इजरायली कार्रवाई पर ईरानी प्रतिक्रिया पहले हमले की तुलना में कम से कम 10 गुना अधिक कठोर होगी। परिषद ने अपने प्रेस बयान में कहा ईरान ने अब तक इजरायल के लिए सबसे कम गंभीर सजा का विकल्प चुना है। इजरायल के सैन्य नेतृत्व ने कहा है कि इजरायल शनिवार के बड़े पैमाने पर ईरानी हमले को अनुत्तरित छोड़ने का इरादा नहीं रखता है।

अफगानिस्तान में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 50 हुई

इस्लामाबाद, एजेंसी। देश के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने मंगलवार को बताया कि अफगानिस्तान में पिछले चार दिनों में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ में कम से कम 50 लोग मारे गए हैं। एजेंसी के प्रवक्ता जनान सयाक ने कहा कि बाढ़ की वजह से अन्य 36 लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने पहले देश भर में 33 मौतों की जानकारी दी थी। प्रवक्ता ने कहा कि बाढ़ से कृषि भूमि और घरों के नष्ट होने समेत महत्वपूर्ण क्षति हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अफगानिस्तान दशकों के संघर्ष, बाढ़ और भूकंप समेत एक के बाद एक प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव से जूझ रहा है। अक्टूबर में पश्चिमी प्रांत हेरात में आए भूकंप में कम से कम 1,500 लोगों की जान चली गई थी। नूरिस्तान प्रांत के एक पहाड़ी गांव में फरवरी में हिमस्खलन हुआ था, जिसमें कम से कम 21 लोग मारे गए थे। खासकर दूरदराज के इलाकों में मजबूत बुनियादी ढांचे की कमी अक्सर ऐसी आपदाओं के परिणामों को बढ़ा देती है।

बांग्लादेश में बस-पिकअप के बीच जोरदार टक्कर, 13 लोगों की मौत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में फरीदपुर शहर के कन्हैयापुर इलाके में मंगलवार को बस और पिकअप ट्रक की आमने-सामने से टक्कर हो गई। हादसे में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, फरीदपुर के एसपी मोहम्मद मुर्शीद आलम ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। दुर्घटना सुबह करीब 7.30 बजे हुई। मगुरा जाने वाली बस फरीदपुर जाने वाले पिकअप ट्रक से टकरा गई थी। सभी मृतक पिकअप ट्रक में सवार थे। दुर्घटना का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ईरान को भुगतने होंगे अपनी करनी के परिणाम : आईडीएफ प्रमुख

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हरजी हलेवी ने कहा है कि ईरान को अपनी करनी के परिणाम भुगतने होंगे। दक्षिणी इजराइल में नेवातिम हवाई अड्डे का दौरा करने के बाद हलेवी ने कहा कि रविवार सुबह इजराइल पर ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमले का जवाब दिया जाएगा। हलेवी ने कहा, इजराइल अपनी रक्षा करने में सक्षम है। ईरान ने रविवार सुबह इजराइल पर मिसाइलों व ड्रोन से हमला किया था। आईडीएफ ने कहा है कि इनमें से 99 प्रतिशत को इजराइल पहुंचने से पहले ही रोक दिया गया और विफल कर दिया गया। आईडीएफ प्रमुख ने कहा कि उनकी सेना ने ईरानी हमलों को विफल कर दिया।

ईरान के मिसाइल और ड्रोन कार्यक्रमों पर नए प्रतिबंध लगाएगा अमेरिका; इस्राइल पर हमले के बाद उठाया कड़ा कदम

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान द्वारा इस्राइल पर हमले के बाद से पश्चिमी एशिया में तनाव और बढ़ गया है। ईरान की इस हमले की कई देशों ने व्यापक निंदा की है। हालांकि ईरान ने अपने फैसले को सही ठहराते हुए कहा है कि उसने इस्राइल द्वारा सीरिया में अपने दूतावास पर हुए हमले का बदला लिया है। इसी बीच, अमेरिका ने कहा है कि वह ईरान पर और कड़े प्रतिबंध लगाएगा। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा है कि अमेरिका ईरान के मिसाइल और ड्रोन कार्यक्रमों पर नए प्रतिबंध लगाएगा इसके अलावा इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) और ईरान के रक्षा मंत्रालय का समर्थन करने वाली संस्थाओं पर भी आने वाले दिनों में नए प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

सुलिवन ने ताजा बयान में कहा कि इस्राइल के खिलाफ ईरान के हवाई हमले के बाद राष्ट्रपति बाइडन जी7 सहित सहयोगियों और भागीदारों और कांग्रेस में द्विदलीय नेताओं के साथ व्यापक प्रतिक्रिया पर समन्वय कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में अमेरिका ईरान को निशाना बनाते हुए कई तरह के प्रतिबंध लगाएगा। जेक ने अपील करते हुए कहा कि अमेरिका अपने सहयोगियों और साझेदारों से भी ईरान के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की उम्मीद करता है। अमेरिका ईरान की मिसाइल और यूएवी क्षमताओं की प्रभावशीलता को और कम करने के लिए मध्य पूर्व में वायु और मिसाइल रक्षा और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को और मजबूत करने के लिए अपना कान जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि

हमारे सहयोगी जल्द ही प्रतिबंधों का पालन करेंगे। अपने ताजा बयान में उन्होंने यह भी कहा कि हम वायु और मिसाइल रक्षा के सफल एकीकरण को और मजबूत करने और विस्तारित करने के लिए रक्षा विभाग और अमेरिकी सेंट्रल कमांड के जरिए काम कर रहे हैं और हम इसे आगे भी जारी रखेंगे। इससे हम पूरे मध्य पूर्व में ईरान की मिसाइल और यूएवी क्षमताओं की प्रभावशीलता को और कम कर पाएंगे। ईरान पर नए प्रतिबंधों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि नए प्रतिबंध और अन्य उपाय ईरान की सैन्य क्षमता और प्रभावशीलता को नियंत्रित करने और कम करने के लिए हैं। ये उस पर दबाव बनाने के लिए लगातार जारी रहेंगे। इस दौरान उन्होंने यह भी याद दिलाया कि अमेरिका ने बीते तीन सालों में मिसाइल और ड्रोन से संबंधित प्रतिबंधों के अलावा, आतंकवाद से जुड़े 600 से अधिक व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ प्रतिबंध लगाए हैं। इनमें हमास, हिजबुल्लाह, हूती और कताइब हिजबुल्लाह सहित कई अन्य आतंकवादी समूह हैं। उनपर ये प्रतिबंध जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरानी सरकार को उसके दुर्भावनापूर्ण और अस्थिर करने वाले कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराने के लिए हम दुनिया भर के सहयोगियों और साझेदारों और कांग्रेस के साथ समन्वय में कार्रवाई जारी रखने में संकोच नहीं करेंगा। इससे पहले, 14 अप्रैल को, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस्राइल के खिलाफ ईरान के हमलों पर अपडेट के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से मुलाकात की थी। उससे पहले शनिवार को उन्होंने इस्राइल पर ईरानी ड्रोन हमलों के मद्देनजर अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ बैठक की थी।

बिना अनुमति के अश्लील डीपफेक वीडियो-फोटो बनाने पर होगी जेल, प्रधानमंत्री सुनक बोले- ऐसे लोगों पर होगी कार्रवाई

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश सरकार डीपफेक वीडियो-फोटो को लेकर सावधान हो गई है। ब्रिटिश सरकार ने मंगलवार को कहा कि अश्लील डीपफेक सामाग्री बनाने वाले लोगों को अब मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। डीपफेक से जुड़ा एक कानून फिलहाल संसदीय प्रक्रिया से गुजर रहा है। नए कानून के तहत बिना सहमति के इस तरह की तस्वीरें बनाने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और जुर्माने का भुगतान करना पड़ेगा। नए कानून के अनुसार, अगर डीपफेक सामाग्री व्यापक रूप से फैल जाती है तो दोषियों को कारावास की सजा भी हो सकती है।

पीएम सुनक ने किया ट्वीट : प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने एक्स पर लिखा कि हमारी सरकार अश्लील डीपफेक बनाने वाले नीच लोगों के खिलाफ नकेल कस रही है। डीपफेक सामाग्री इंसान को परेशान करती हैं। इन अपमानजनक छवियों के निर्माण पर प्रतिबंध लगाने के लिए ही नया कानून पेश कर रहे हैं। यूके की पीड़ित और सुरक्षा मंत्री लॉरा फैरिस ने कहा कि डीपफेक से बनाई गईं अश्लील तस्वीरें निंदनीय और पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। यह कुछ लोगों को नीचा दिखाने और उन्हें अमानवीय बनाने का एक तरीका है और खासकर महिलाओं को। अगर किसी डीपफेक सामाग्री को व्यापक रूप से साझा किया जाता है तो इसके परिणाम काफी खतरनाक हो सकते हैं। हमारी सरकार इसे बर्दाश्त नहीं करेगी।

महिलाओं के हिंसा को राष्ट्रीय खतरे के रूप में किया वर्गीकृत : न्याय मंत्रालय ने कहा कि विधेयक फिलहाल संसदीय प्रक्रिया में है। सरकार ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा को राष्ट्रीय खतरे के रूप में वर्गीकृत किया है। इसका मतलब यह है कि पुलिस जैसे आतंकी खतरों से निपटती है ठीक वैसे ही पुलिस अब इस मामले को भी प्राथमिकता देगी। डीपफेक वीडियो और वीडियो दोनों रूप में हो सकता है। इसे एक स्पेशल मशीन लर्निंग का इस्तेमाल करके बनाया जाता है जिसे डीप लर्निंग कहा जाता है। डीप लर्निंग में कंप्यूटर को दो वीडियोज या फोटो दिए जाते हैं जिन्हें देखकर वह खुद ही दोनों वीडियो या फोटो को एक ही जैसा बनाता है। यह ठीक उसी तरह है जैसे बच्चा किसी चीज की नकल करता है। इस तरह के फोटो वीडियोज में हिडेन लेयर्स होते हैं जिन्हें सिर्फ एडिटिंग सॉफ्टवेयर से ही देखा जाता है। एक लाइन में कहें तो डीपफेक, रियल इमेज-वीडियोज को बेहतर रियल फेक फोटो-वीडियोज में बदलने की एक प्रक्रिया है। डीपफेक फोटो-वीडियोज फेक होते हुए भी रियल नजर आते हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने चीनी समकक्ष से की बात, द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने पर चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच लंबे समय से अनबन चल रही है। इस बीच, अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने मंगलवार को चीनी रक्षा मंत्री से बात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने सैन्य संचारों के महत्व पर भी जोर दिया। गौरतलब है कि ऑस्टिन ने नवंबर 2022 के बाद पहली बार चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बात की। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के प्रेस सचिव पा राइडर ने दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच हुई बातचीत के बाद कहा कि ऑस्टिन ने दोहराया कि जिम्मेदारी और सुरक्षा के साथ अमेरिका हर उन जगहों पर उड़ान भर सकता है, जिसकी अनुमति अंतरराष्ट्रीय कानून देते हैं। उन्होंने यूक्रेन और रूस युद्ध पर भी बात की और उत्तर कोरिया की हालिया चेतावनी पर चिंता व्यक्त की।

पिछले साल मिले थे अमेरिकी और चीनी राष्ट्रपति : अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग ने पिछली बार नवंबर में मुलाकात की थी। एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं की यह मुलाकात सैन फ्रांसिस्को के फिलोली एस्टेट में हुई थी। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब, अमेरिका और चीन के द्विपक्षीय संबंध सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। विश्व में आर्थिक मंदी छाई हुई है। पश्चिम एशिया और यूरोप में युद्ध छिड़े हैं और ताइवान को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई है।

चीन और अमेरिका के बीच और उड़ानों को मंजूरी न दें-स-एयरलाइंस : अमेरिकी एयरलाइंस ने पिछले गुरुवार को अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और परिवहन सचिव पीट बटिगिएग को पत्र लिखा था। पत्र में एयरलाइंस ने कहा कि चीन ने कोरोना महामारी के दौरान बाजार पहुंच के खिलाफ सख्त सीमाएं लागू कीं। साथ ही चीन ने सख्त नियम भी लागू किए, जिससे परिचालन, ग्राहकों और अमेरिकी एयरलाइन्स का चालक दल प्रभावित हुआ। चीन की नीतियों के कारण एयरलाइन्स के लगभग 3,15,000 कर्मचारी परेशान होते हैं।

पीएम सुनक ने बेंजामिन नेतन्याहू से की बात, इस्राइल की सुरक्षा के लिए ब्रिटेन के समर्थन की बात दोहराई

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने मंगलवार को अपने इस्राइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू से टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने सप्ताहांत में ईरान के हमले के बाद इस्राइल की सुरक्षा के लिए ब्रिटेन के समर्थन की बात दोहराई। ब्रिटेन के पीएम ने कहा कि तनाव के और ज्यादा बढ़ने से क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ेगी। एक्स पर एक पोस्ट में, ऋषि सुनक ने कहा, आज पहले, मैंने प्रधान मंत्री नेतन्याहू से बात की और बीते वीकेंड पर ईरान के लापरवाह हमले के बाद इस्राइल की सुरक्षा के प्रति अपना समर्थन दोहराया। तनाव में वृद्धि केवल क्षेत्र में अस्थिरता को गहरा करेगी। यह शांत रहने का समय है। वार्ता के दौरान, सुनक ने कहा कि ईरान ने बहुत बुरी तरह से अनुमान लगाया और जी-7 की राजनीतिक पहल के बाद अलग-थलग पड़ गया। । उन्होंने जोर देकर कहा कि तनाव में वृद्धि केवल मध्य पूर्व में असुरक्षा को गहरा करेगी। उधर, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने शनिवार को ईरान के लापरवाह और खतरनाक हमले के बाद तेजी से और मजबूत समर्थन के लिए ब्रिटेन को धन्यवाद दिया। गाजा पर, ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक ने कहा कि वह मानवीय संकट के गहराने के बारे में गंभीर रूप से चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन महत्वपूर्ण आपूर्ति के साथ गाजा तक सहायता पहुंचाने में बड़े पैमाने पर बदलाव देखना चाहता है।

पेट्रोल-डीजल के बढ़ सकते हैं दाम, ईरान पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी में अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। इजरायल पर किए गए ड्रोन अटैक के बाद अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है। ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने मंगलवार को नई चेतावनी जारी की है। अमेरिकी धमकी अगर वास्तविक्ता में बदलती है तो ईरान की तेल निर्यात करने की क्षमता कम हो सकती है। येलेन ने वाशिंगटन में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की बैठक के दौरान कहा, मुझे पूरी उम्मीद है कि हम आने वाले दिनों में ईरान के खिलाफ अतिरिक्त प्रतिबंध लगाएंगे।

उन्होंने कहा कि ट्रेजरी और विदेश विभाग ने तेल निर्यात करने की क्षमता को कम करके ईरान के व्यवहार को सुधारने के लिए पहले भी कार्रवाई की है। एक वरिष्ठ ट्रेजरी अधिकारी के अनुसार, ट्रेजरी ईरान की तेल निर्यात जारी रखने की क्षमता को खत्म करने और इजरायल पर हमला करने के लिए इस्तेमाल किए गए ड्रोन के लिए आवश्यक माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स प्राप्त करने और रूस को बेचने के लिए चीन, जी 7 देशों और दुनिया के अन्य देशों के साथ

चर्चा कर रहा है। अधिकारी ने हालांकि यह कहा है कि कहा कि तेल की कीमतों में उछाल अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, हम दुनिया भर के सभी प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं के साथ बातचीत करने जा रहे हैं। इसमें त7 के देश शामिल हैं। इसमें चीन भी शामिल है। इन सभी देशों को ईरान की उन वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने की अपील की जा रही है, जिनका इस्तेमाल ईरान हथियार बनाने के लिए कर रहा है।

प्रतिबंध लगाने की तैयारी में ईयू : कुछ सदस्य देशों के प्रस्ताव के बाद यूरोपीय संघ (ईयू) ईरान के खिलाफ अपने प्रतिबंधों को बढ़ाने पर काम शुरू करेगा। यूरोपीय संघ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विदेशी मामलों और सुरक्षा नीति के लिए यूरोपीय संघ के उच्च प्रतिनिधि जोसेप बोरेल ने यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की एक आपातकालीन वीडियो कॉन्फ्रेंस के बाद एक प्रेस बैठक में कहा, मैं प्रतिबंधों से संबंधित आवश्यक कार्य शुरू करने के लिए बाहरी कार्रवाई सेवा को अनुरोध भेजूंगा। बोरेल ने सभी पक्षों से संयम बरतने का आग्रह करते हुए क्षेत्र में तनाव कम करने का भी आह्वान किया।

एक अप्रैल को सीरिया में ईरानी दूतावास के कांसुलर अनुभाग पर हमले में इजरायल द्वारा दो वरिष्ठ कमांडरों सहित सात ईरानियों की हत्या के जवाब में ईरान ने शनिवार देर रात लगभग 350 ड्रोन और मिसाइलें प्रक्षेपित की थी।

जन्म के बाद एक महीने तक बेटे को खिलाई सिर्फ धूप, मौत, पिता को आठ साल की जेल

मास्को, एजेंसी। रूस की इन्फ्लूएंजर को अपने एक महीने के बेटे की मौत पर आठ साल की सजा सुनाई गई। वह बेटे को मां का दूध नहीं पीने देता था, वह उसे धूप के जरिए ही जिंदा रखना चाहता था। साथ ही वह दूसरों के लिए एक उदाहरण सेट करना चाहता था कि सिर्फ सूरज की रोशनी से जीवित रहा जा सकता है। कुपोषण और निमोनिया से बच्चे की मृत्यु हुई है।

रूस की एक अदालत में बढ़ा अजीबो-गरीब केस आया। जिसमें एक महीने के बच्चे कोसमोस जिसका वजन 3.5 पाउंड था, उसे अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। चिकित्सकों का कहना है कि वह पहले से ही काफी कमजोर था। उसकी माता ओक्साना मिरोनोवा और पिता मैक्सिम ल्युटी को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की सुनवाई के दौरान कोसमोस की मां ने जो खुलासा किया, उसे अदालत में बैठे सब लोग हैरान रह गए। उसने बताया कि मैक्सिम ल्युटी आलौकिक शक्तियों के लिए बेटे पर अजीब-अजीब प्रयोग किया करता था। प्रसव पीड़ा के दौरान जब मिरोनोवा के

अस्पताल ले जाने की बारी आई तो उसने मना कर दिया। घर पर ही मिरोनोवा का प्रसव कराया गया। बेटे का जन्म हुआ उसका नाम कोसमोस रखा। लेकिन अब कोसमोस और मिरोनोवा के साथ प्रताड़ना शुरू हुई। ल्युटी को मिरोनोवा को जबरन शाकाहारी भोजन करवाया, जिसमें जामुन इत्यादि खिलवाए। उसका मानना था कि इससे शरीर में आध्यात्मिक ऊर्जा का विकास होता है। उसके बाद तो उसने हद कर दी। उसने मिरोनोवा को बच्चे को दूध पिलाने के लिए भी मना कर दिया। मिरोनोवा की बहन ने अदालत में बताया कि ल्युटी का मानना था कि सूर्य ही बच्चे को दूध पिला रहा है। उसने बताया कि मिरोनोवा कई बार ल्युटी से छिपकर बेटे को दूध पिलाती है। लेकिन उसे हमेशा डर रहता था कि की ल्युटी को पता न चल जाए। मिरोनोवा की बहन ओलेसा ने कहा कि एक बच्चा सूर्य के भरोसे कैसे जीवित रह सकता है, उसे मां के दूध की आवश्यकता तो होती ही है। मिरोनोवा ने बताया कि ल्युटी अपने बेटे कोसमोस में आलौकिक शक्तियां चाहता था, वह उस पर एक प्रयोग भी कर रहा था। वह चाहता था कि कोसमोस सिर्फ सूर्य की रोशनी के सहारे ही जीवित रहे। बीमार होने पर उसे दवाई नहीं देता था, बल्कि उसने कोसमोस को ठंडे पानी से नहलाया, सिर्फ इसलिए कि इससे बच्चा मजबूत होगा। मिरोनोवा की मां ने बताया कि पागल था ल्युटी ओक्साना मिरोनोवा की मां गैलिना ने बच्चे की मौत पर अफसोस जताते हुए कहा कि मैंने महसूस किया कि उसमें कुछ तो अलग से वह आम लोगों की तरह नहीं था, वह पागल था।

लेबनान में आईडीएफ ने हिजबुल्ला के तीन लड़ाके मार गिराए, आतंकी संगठन ने की मौतों की पुष्टि

तेल अवीव, एजेंसी। ईरान-इस्राइल संघर्ष के बीच इस्राइली सुरक्षा बल ने बताया कि उन्होंने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के दो कमांडर समेत तीन लड़ाके मार गिराए हैं। आईडीएफ की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि राडवान बलों के पश्चिमी क्षेत्र के रॉकेट और मिसाइल यूनिट के कमांडर मोहम्मद हुसैन शाहोरी हवाई हमले में मारा गया। आईडीएफ ने कहा, मोहम्मद ने लेबनान की तरफ से इस्राइली क्षेत्र में रॉकेट और मिसाइलों को लॉन्च करने की योजना बनाने में मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा, हिजबुल्ला के रॉकेट और मिसाइल यूनिट का संचालक मोहम्मद इब्राहिम फादल्लाह भी इस हवाई हमले में मारा गया। एक अलग बयान में आईडीएफ ने बताया कि लेबनान के ऐन एबेल क्षेत्र में हिजबुल्ला के तटीय क्षेत्र के कमांडर इस्माइल यूसुफ बज को दक्षिणी लेबनान में मार दिया गया है। हिजबुल्ला ने अपने तीन लड़ाके की मौतों की पुष्टि की है। एक इस्राइली अधिकारी ने कहा कि ईरान के हवाई हमले की जवाबी कार्रवाई करने के लिए युद्ध कैबिनेट के साथ जो बैठक हुई थी वह खत्म हो चुकी है। सूत्रों ने इस बैठक से जुड़ी अन्य जानकारी पर कोई बात नहीं की है। ईरान के हमले के बाद स्थानीय समयानुसार 12:30 बजे युद्ध कैबिनेट के साथ बैठक शुरू हुई थी। इस्राइल के सहयोगियों और क्षेत्रीय नेताओं ने संयम बरतने का आह्वान किया था, जिससे कि तेल अवीव में ईरान के हमले का बदला

लेने की योजना बनाई जा सके। बता दें कि शनिवार को ईरान ने पहली बार इस्राइली क्षेत्र में करीबन 300 मिसाइलों और ड्रोन्स से हमला किया था। इस्राइल सुरक्षा बल के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने बताया कि इन मिसाइलों में 99 फीसदी को उन्होंने रोक दिया था। उन्होंने आगे बताया कि ईरान की तरफ से 120 बैलिस्टिक मिसाइलें भी दागी गई थी। इस हमले के बाद इस्राइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने कहा कि ईरान और इस्राइल के बीच टकराव अभी खत्म नहीं हुआ है। इसी के साथ उन्होंने इस्राइल को हर स्थिति के लिए तैयार रहने को भी कहा है। एक अप्रैल को सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। इससे दूतावास का एक खंड पूरी तरह ध्वस्त हो गया था। वहीं, ईरान के दो शीर्ष सैन्य जनरल और पांच अन्य अधिकारी भी मारे गए थे। इस हमले का ईरान इस्राइल पर आरोप लगा रहा है। साथ ही उसने जवाबी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी थी।

एयरपोर्ट डूबा, स्कूल-कॉलेज और मेट्रो भी बंद, दुबई में बाढ़ ने मचाई तबाही

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात में मूसलाधार बारिश के कारण रेगिस्तानी देश में बड़े पैमाने पर बाढ़ आ गई है। इसके कारण दुबई के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को मंगलवार को आने वाली कई उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। बारिश के कारण दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को 25 मिनट के लिए ऑपरेशन रोकना भी पड़ गया। बारिश के कारण स्कूल बंद करने पड़े और यातायात ठप कर दिया।

दुनिया के सबसे व्यस्ततम हवाईअड्डों में से एक दुबई हवाईअड्डे की वेबसाइट पर 16 अप्रैल को दर्जनों उड़ानें रद्द दिखाई गई हैं। इनमें भारत, पाकिस्तान, सऊदी और यूनाइटेड किंगडम सहित कई देशों की फ्लाइट शामिल हैं। दुबई में भारी बारिश के कारण पूरे रेगिस्तानी देश में बाढ़ आ गई, जो आंशिक रूप से क्लाउड सीडिंग के कारण उत्पन्न हुई थी।

बारिश बनेगी आफत: दुबई के समयानुसार दोपहर तीन बजे तक दिन में ही रात हो गई। यानी यहां दोपहर के वक्त ही अंधेरा छा गया और भारी बारिश होने लगी। कई सड़कों पर पानी भर गया। यूएई के मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि मंगलवार दोपहर तक तटीय क्षेत्रों पर बादल छाए रहेंगे। ये बादल पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों की ओर बढ़ेंगे। इसके अलावा बिजली और गरज के साथ बारिश जारी रहेगी। साथ ही कुछ स्थानों

पर ओले गिरने की भी संभावना है।

दुबई में कई फ्लाइट प्रभावित : मौसम विज्ञान केंद्र ने बारिश की स्थिति में वाहन चलाते समय सावधानी बरतने और जल जमाव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी है। मानव संसाधन और अमीरात मंत्रालय ने निजी क्षेत्र की कंपनियों से मौसम की स्थिति के दौरान सभी व्यावसायिक सुरक्षा उपायों को लागू करने का आह्वान किया था। बारिश और मौसम की मौजूदा स्थिति को देखते हुए दुबई को लेकर कई फ्लाइट को पर भी प्रभाव पड़ने के आसार हैं।

दुबई के मेट्रो स्टेशनों में पानी घुसा : खलीज टाइम्स के मुताबिक, बारिश की वजह से दुबई की मेट्रो सेवा भी प्रभावित रही। सोशल मीडिया पर आए वीडियो में नजर आ रहा है कि मेट्रो स्टेशनों के अंदर बारिश का पानी घुस आया है। दुबई में सड़क और परिवहन प्राधिकरण ने एक घोषणा में कहा है कि ऑनपैसिव मेट्रो स्टेशन से जेबेल अली मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो सेवाएं प्रभावित हुई हैं।

लोगों को घर से काम करने की सलाह : वहीं मौसम की खराब स्थिति को देखते हुए संयुक्त अरब अमीरात में सरकारी कर्मचारियों कल भी घर से काम करने का निर्देश दिया गया है। वहां की सरकार की तरफ से देशभर में बिगड़ते मौसम के कारण यह एडवाइजरी जारी की गई है।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में बेटी-बहू की जंग में सुप्रिया आगे, आईएनडीआईए को मिल सकती हैं 20 सीटें

मुंबई, एजेंसी। पहले चरण के चुनाव से ठीक पहले एक न्यूज चैनल द्वारा किए गए पोल सर्वे के नतीजे जारी किए हैं। सर्वे में कहा गया है कि महाराष्ट्र की कुल 48 लोकसभा सीटों में से 28 एनडीए गठबंधन को और 20 एमवीए गठबंधन को मिल सकता है। सर्वे में कहा गया है कि राज्य में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी हो सकती है और उसे 25 सीटें मिल सकती हैं। इसके अलावा उसकी सहयोगी एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को तीन सीटें मिल सकती हैं, जबकि एनडीए के तीसरे सहयोगी अजित पवार की एनसीपी को एक भी सीट नहीं मिल सकती है। सर्वे नतीजों में कहा गया है कि अजित पवार को डबल झटका लग सकता है। पहला तो उनकी पार्टी का खाता नहीं खुल सकता है और दूसरा उनकी पत्नी बारामती सीट से चुनाव हार सकती हैं। अजित पवार ने पत्नी सुनेत्रा पवार को पवार परिवार का गढ़ कहेजाने वाले बारामती सीट पर अपनी ही बहन और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के खिलाफ उतारा है। सर्वे में कहा गया है कि इस सीट पर फिर से सुप्रिया सुले जीत सकती हैं। यानी एक तरह से महाराष्ट्र की जनता भतीजे अजित पवार को चाचा से बगावत करने की सजा दे सकती है। सर्वे के आंकड़ों में बताया गया है कि विपक्षी महा विकास अघाड़ी को 20 सीटें मिल सकती हैं। इनमें सबसे बड़ी पार्टी उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिव सेना हो सकती है, जिसे 10 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। सर्वे के मुताबिक कांग्रेस को 5 और शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी को भी पांच सीटें मिल सकती हैं।

पहले तो 180 का अनुमान था, अब लगता है 150 पर ही सिमटेगी भाजपा : राहुल गांधी

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने गाजियाबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस की और भाजपा पर खूब हमला बोला। इस दौरान राहुल गांधी ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि पहले तो मुझे लगता था कि भाजपा को लोकसभा चुनाव में करीब 180 सीटें मिल जाएंगे, लेकिन अब लगता है कि ये लोग 150 पर ही सिमट जाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष के आईएनडीआईए गठबंधन के पक्ष में खामोश लहर है। इस दौरान राहुल गांधी ने अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मैं पार्टी के फैसले का पालन करूंगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी पूछा गया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने आप पर तंज कसा है कि एक नेता एक झटके में गरीबी खत्म करने का दावा कर रहे हैं। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि गरीबी एक झटके में खत्म करने की बात किसी ने नहीं कही। लेकिन हमारे पास फॉर्मूला है, जिससे देश में गरीबी और असमानता खत्म हो सकती है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने देश के संसाधनों को 22 से 25 लोगों के बीच ही बांट दिया है। उसे हमको खत्म करना है और हर समाज की भागीदारी बढ़ानी है। इससे गरीबी अपने आप खत्म होने लगेगी। इसी मंशा से हम जातिगत जनगणना की मांग भी कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा तो संविधान तक खत्म करना चाहती है। उन्होंने कहा कि यह विचारधारा का चुनाव है, भाजपा संविधान को खत्म करना चाहती है, 'इंडिया' गठबंधन इसकी रक्षा कर रहा है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लोकसभा चुनाव में एक भी वोट बंटे नहीं। वहीं अखिलेश यादव ने कहा कि हम गाजियाबाद में इसलिए प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं क्योंकि यह यूपी का बॉर्डर है। यहीं से भाजपा को विदा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यूपी के लोग अच्छे से स्वागत करना जानते हैं तो फिर जोरदार विदाई देना भी आता है। अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश से बदलाव की बयार बहेगी। गाजियाबाद से गाजीपुर तक भाजपा का सफाया होने जा रहा है।

रेलवे देने वाला है बड़ी खुशखबरी, अब भारत खुद बनाएगा बुलेट ट्रेन

नईदिल्ली, एजेंसी। वंदे भारत एक्सप्रेस के बाद अब भारत स्वदेशी बुलेट ट्रेन की भी तैयारी कर रहा है। कहा जा रहा है कि प्रस्तावित ट्रेन की भारत की सबसे तेज रेलगाड़ी होगी। फिलहाल, इसकी डिजाइन पर काम जारी है। खासबात है कि विश्व स्तर पर 250 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ने वाली रेलगाड़ियों को हाईस्पीड ट्रेन कहा जाता है। इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक अधिकारी ने कहा, इसे वंदे भारत प्लेटफॉर्म पर तैयार किया जा रहा है, जो पहले ही 220 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार को छू सकती है। चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में डिजाइन पर काम किया जा रहा है। रिपोर्ट में अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि ये ट्रेन फिलहाल भारत में दौड़ रहीं किसी भी ट्रेन से तेज होंगी। भारत फिलहाल जापान की तकनीक की मदद से बुलेट ट्रेन तैयार कर रहा है। यह ट्रेन अहमदाबाद से मुंबई के बीच दौड़ेगी और 320 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार तक पकड़ सकती है।

लॉरेंस बिश्नोई को खत्म कर देंगे, सलमान से मिलकर बोले सीएम शिंदे, गैंगस्टरों को चेतावनी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई में अभिनेता सलमान खान से उनके आवास पर मुलाकात के बाद कहा कि सरकार लॉरेंस बिश्नोई को खत्म कर देगी। अभिनेता से मुलाकात के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि सलमान खान के घर पर गोलीबारी के मामले में पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगी। मुंबई में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के आवास के बाहर कथित तौर पर गोलीबारी करने वाले एक व्यक्ति समेत दो लोगों को गुजरात से गिरफ्तार किया गया है। कच्छ-पश्चिम के उप महानिरीक्षक महेंद्र बागड़िया ने बताया कि बिहार के पश्चिम चंपारन के निवासियों विक्की गुप्ता (24) और सागर पाल (21) को सोमवार देर रात गुजरात के कच्छ जिले के माता नो माध गांव से गिरफ्तार किया गया। इस घटना के कुछ दिनों बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज दोपहर अभिनेता सलमान खान से मुलाकात की। सलमान से मिलने के बाद शिंदे ने कहा, मैंने सलमान खान से कहा है कि सरकार आपके साथ है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनसे पूछताछ की जाएगी। हम मामले की तह तक जाएंगे। किसी को बख्शा नहीं जाएगा। किसी को भी इस तरह से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। किसी गैंग या गैंगवार की इजाजत नहीं दी जाएगी। हम

ऐसा नहीं होने देंगे। हम (लॉरेंस) बिश्नोई को खत्म कर देंगे।

यात्रा के दौरान, सीएम शिंदे ने गोलीबारी की घटना के मद्देनजर सलमान और उनके परिवार के सदस्यों को कड़ी सुरक्षा का आश्वासन दिया। सलमान के घर के बाहर मीडिया से बात करते हुए शिंदे ने कहा, मैंने सलमान खान से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ है। मैंने पुलिस को मामले में तत्काल कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया है। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और सुराग के लिए उनसे पूछताछ की जा रही है।

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का इस घटना में हाथ होने का आरोप है। उसे खत्म करने की कसम खाते हुए, सत्तारूढ़ शिवसेना सुप्रीमो ने कहा, महाराष्ट्र में अब भी गिरोह बचे हैं। हम सभी को उखाड़ फेंकेंगे। गिरोहों और गुंडों को यहां अपनी मनमानी चलाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है...किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। मैंने पुलिस आयुक्त को सलमान खान और उनके परिवार को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करने का भी निर्देश दिया है। अपने लोगों की देखभाल करना हमारा कर्तव्य है। मैं पिछली सरकार के दौरान क्या हुआ, इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता, लेकिन हम राज्य में किसी को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वाले सभी गिरोहों और गुंडों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करेंगे।

रविवार को सुबह करीब पांच बजे, मुंबई के बांद्रा इलाके में गैलेक्सी अपार्टमेंट में 58 वर्षीय खान के घर के बाहर मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों ने गोलीबारी की और फरार हो गए। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों से पता चला कि जिन लोगों को आज गिरफ्तार किया गया, वे बैकपैक लेकर आए थे और टोपी पहनी हुई थी। उन्हें अभिनेता के घर की ओर गोलीबारी करते देखा गया। संदिग्धों में से एक ने काली जैकेट और डेनिम पैंट के साथ सफेद टी-शर्ट पहन रखी थी, जबकि दूसरे ने डेनिम पैंट के साथ लाल टी-शर्ट पहन रखी थी।

मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने एक स्थानीय अदालत में मंगलवार को दलील दी कि यहां अभिनेता सलमान खान के आवास के बाहर गोलीबारी उनकी हत्या के प्रयास के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों को सोमवार देर रात गुजरात के कच्छ जिले के माता नो माध गांव से पकड़ा गया और बाद में मुंबई लाया गया। पुलिस ने बताया कि घटना के समय गुप्ता मोटरसाइकिल चला रहा था और पाल उसके पीछे बैठा हुआ था तथा पाल ने अभिनेता के घर पर गोलीबारी की।

रविवार को सुबह करीब 11 बजे फेसबुक पर एक पोस्ट सामने आई, जिसमें गोलीबारी की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस को संदेह है कि जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई ने रविवार को कथित तौर पर फेसबुक पोस्ट करने के लिए वीपीएन (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) का इस्तेमाल किया था।

हमें जेल भेजना है, भेज दें पर 200 पार नहीं कर पाएगी भाजपा- ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर मोदी सरकार पर हमला बोला है। एक टीवी चैनल को दिए एक विस्फोटक इंटरव्यू में ममता बनर्जी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों पर केंद्रीय जांच एजेंसियों - ईडी और सीबीआई की कार्रवाई को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। टीवी9 बांग्ला को दिए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में ममता बनर्जी ने सधे हुए लहजे में कहा कि यदि वे मुझे भी जेल भेजते हैं तो मैं इसके लिए तैयार हूं।

मेरा घर जेल की तरह : इंटरव्यू में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री से सवाल किया गया कि राकेश टिकैत ने हाल ही में कहा था- केजरीवाल चले गए, हेमंत सोरेन चले गए, अब ममता बनर्जी की बारी है। इस बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ममता बनर्जी किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। मेरा घर एक जेल की तरह है। कोई फर्क नहीं पड़ता इससे। मैं इस डर से बैठने वालों में से नहीं हूं कि वे मुझे कब जेल भेज देंगे। अगर मैं जेल जाती हूं तो मुझे थोड़ा आराम मिलेगा। उनकी प्रताड़ना से बेहतर है कि मैं जेल चली जाऊं। देश के लोकतंत्र को ही जेल भेज दिया गया है।

जो सपने देख रहे वे खो जाएंगे : उल्लेखनयी है कि ममता बनर्जी ने हाल ही में कई बैठकों में संदेह जताया है कि बीजेपी 200 का आंकड़ा पार कर पाएगी या नहीं। उस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने इंटरव्यू में कहा, पिछली बार उन्हें सबसे ज्यादा 303 मिले थे। एक बार भारत में कांग्रेस को 400 मिले, तब इंदिरा गांधी की मृत्यु हुई थी। राजीव जी स्वयं जानते थे। बंगाल में कांग्रेस को 16 सीटें मिलीं। उस समय लोगों की इच्छा और विद्रोह दोनों मतपेटिका में झलका। लोग इंदिरा गांधी की हत्या को स्वीकार नहीं कर पा रहे थे। मैंने कई प्रधानमंत्रियों को देखा है। अटलजी को भी देखा, उन्होंने इंडिया इज शाइनिंग का नारा भी लगाया। क्या लाभ हुआ? वे खो जाएंगे जो 400 पार करने का सपना देख रहे हैं। मुझे नहीं पता वे कैसे यह बात कहते हैं। एनडीए के 400 पार मिशन पर बोलते हुए ममता बनर्जी ने कहा, आने वाले दिनों में जनता तय करेगी कि सरकार किसकी बनेगी। इसकी संख्या कोई नहीं बता सकता, ज्योतिषी भी नहीं बता सकते। मुझे नहीं पता कि पीएम मोदी या भाजपा के लोग किस हिसाब से ऐसा कह रहे हैं।

ममता ने जताया इंडिया पर भरोसा : ममता बनर्जी ने मंगलवार को उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी में अपने अभियान भाषण के दौरान भगवा खेमे पर अपना हमला तेज करते हुए कहा कि भाजपा निचले सदन की 543 सीटों में से कम से कम 370 सीटें जीतने का सपना देख रही है... उसे 200 सीटें तक नहीं मिलेंगी।

दो किमी लंबे रोडशो के साथ रूपाला ने भरा पर्चा, क्षत्रिय समाज के सामने जोड़े हाथ

गांधीनगर, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला ने मंगलवार को गांधीनगर में दो किलोमीटर लंबा रोडशो निकालने के बाद अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। भाजपा ने गुजरात की राजकोट लोकसभा सीट से उन्हें उम्मीदवार बनाया है। कुछ दिन पहले क्षत्रियों के संबंध में रूपाला के बयान पर राजपूत समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन किए थे। रूपाला ने जब जिला निर्वाचन अधिकारी प्रभाव जोशी को नामांकन पत्र सौंपा, तो उनके साथ गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपानी, पार्टी के राज्यसभा सदस्य केसरीदेव सिंह झाला और गुजरात सरकार में कैबिनेट मंत्री भानुबेन बाबरिया मौजूद थे। राज्य की मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती पी. भारती की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि गुजरात की 26 लोकसभा सीटों पर चुनाव के लिए मंगलवार को 97 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। वहीं विधानसभा उपचुनाव के लिए आठ उम्मीदवारों ने मंगलवार को अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। उल्लेखनीय है कि विवादित बयान को लेकर क्षत्रिय समाज परषोत्तम रूपाला का टिकट रद्द करने की मांग रहा है। निर्वाचन अधिकारी की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, नामांकन पत्रों की जांच 20 अप्रैल को सुबह 11 बजे से की जायेगी। मान्य उम्मीदवार यदि चाहें तो 22 अप्रैल को अपराह्न तीन बजे तक अपनी उम्मीदवारी वापस ले सकते हैं। भाजपा ने इस बार राजकोट सीट से दो बार के सांसद मोहन कुंडरिया की जगह रूपाला को मैदान में उतारा है।

रेलवे में फर्जी नौकरी फिर सैलरी भी देने लगे, जालसाजों की गैंग का खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी नौकरी की चाहत में कुछ लोग जालसाजों के चक्कर में फंस जाते हैं। उन्हें लाखों रुपए गंवाने पड़ते हैं। लेकिन झारखंड से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक ऐसे गैंग का खुलासा हुआ है जो लोगों को रेलवे में फर्जी नौकरी देकर सैलरी भी देते थे। दक्षिण पूर्व रेलवे जोन की विजिलेंस टीम ने चक्रधरपुर मंडल में नौकरी दिलाने वाले ठग गिरोह का भंडाफोड़ किया है। मंगलवार को गम्हरिया के पास बीरबांस हॉल्ट में बुकिंग क्लर्क बनकर कई सप्ताह से काम करने वाले तीन युवकों को दबोच लिया गया। युवकों को ट्रेनिंग देकर बुकिंग क्लर्क बनाने का झांसा देने वाले टिकट एजेंट डेविड सिंह को भी टीम ने पकड़ा है, जबकि मुख्य आरोपी अंशुमन फरार है।

बुकिंग क्लर्क वाली फर्जी नौकरी : फर्जी बुकिंग क्लर्क बनकर नौकरी कर रहे युवकों को पकड़ लिया गया है। विजिलेंस टीम की छापेमारी व रेलवे में फर्जी नौकरी का खुलासा होने से अफरातफरी मच गई। मंडल अधिकारी बीरबांस हॉल्ट पहुंचे व जानकारी ली। पूछताछ के कारण विजिलेंस टीम ने कुछ भी स्पष्ट नहीं किया और जोन मुख्यालय को

गिरोह की जानकारी दी है। गिरफ्तार युवकों और टिकट एजेंट से विजिलेंस टीम पूछताछ कर रही है।

तीनों युवकों ने नौकरी के लिए दिए थे 21 लाख रुपए : पूछताछ में सामने आया है कि टिकट एजेंट डेविड सिंह को तमिलनाडु के धीविन कुमार ने पांच लाख, पश्चिम बंगाल के नदिया के दो युवक रूपम शाह व शुभाशीष मंडल ने आठ-आठ लाख नौकरी के बदले दिए थे। फर्जी आईडी बना काम कराया जा रहा था। युवकों ने बताया कि डेविड सिंह, अंशुमन नामक व्यक्ति के कहने पर युवकों को ट्रेनिंग देकर बुकिंग क्लर्क का काम करा रहा था।

सैलरी भी देने लगे : युवकों ने बताया कि उन्हें 30 हजार प्रति माह वेतन का आश्वासन दिया था, जबकि ट्रेनिंग में 10 हजार रुपये दो महीने दिया था। इधर, चक्रधरपुर मंडल के वाणिज्य अधिकारी ने विजिलेंस छापेमारी की पुष्टि करते हुए अन्य किसी जानकारी से इनकार किया है। डेविड आदित्यपुर भाटिया बस्ती में रहता था।

जीआरपी में दर्ज होगा केस : आरपीएफ के सीनियर कमांडेंट पी. शंकर कुट्टी ने बताया कि मामला धोखाधड़ी का है। विजिलेंस की पूछताछ और कार्रवाई के बाद जीआरपी में केस दर्ज कराया जाएगा। अभी विजिलेंस टीम मामले में कुछ भी स्पष्ट नहीं कर रही है, लेकिन रेलवे भी अपने स्तर से जांच करा रहा है। वर्ष 2014 में टाटानगर आरपीएफ के तत्कालीन इंस्पेक्टर दिगंजय शर्मा ने जुगसलाई के एक होटल में छापेमारी कर रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को पकड़ा था। जमशेदपुर पुलिस भी ऐसे गिरोह का खुलासा कर चुकी है। चर्चा है कि बीरबांस हॉल्ट में फर्जी नियुक्ति की सूचना विजिलेंस टीम को रेल कर्मियों से मिली थी। टीम ने कई दिन निगरानी के बाद युवकों और टिकट एजेंट को पकड़ा। 2018 में भी आदित्यपुर की महिला भी टाटानगर में ज्वाइनिंग का फर्जी लेटर लेकर पहुंची थी। इसके अलावा गोविंदपुर से भी फर्जी लेटर पर नियुक्त एक युवक को गैंगमैन की सूचना पर पकड़े जाने की चर्चा रेलकर्मियों में हो रही है।

बाड़मेर-जैसलमेर में त्रिकोणीय मुकाबला, कोटा में भी रोचक लड़ाई

बाड़मेर, एजेंसी। राजस्थान में लोकसभा का रण बेहद रोचक हो गया है। बनते-बिगड़ते समीकरणों में भाजपा को पिछले दो चुनाव की रिकॉर्ड जीत को बरकरार रखने की चुनौती है। पहले दो चरणों में जिन 25 लोकसभा सीटों पर मतदान होना है, उनमें बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार को मिल रहे समर्थन से लड़ाई दिलचस्प दिख रही है। इसके अलावा करीब आधा दर्जन अन्य सीटों पर भी मुकाबला एकतरफा नहीं है और जमीनी समीकरणों ने लड़ाई को रोचक बना दिया है।

राजस्थान में भाजपा शत प्रतिशत, सभी सीटों पर जीत का अपना रिकॉर्ड बरकरार रखना चाहती है। हालांकि कांग्रेस के कुछ उम्मीदवारों और निर्दलीयों ने जिस तरह से विपक्षी खेमे में उम्मीद जगाई है उससे भाजपा को अपना प्रदर्शन दोहराना बड़ी चुनौती है। इसके बावजूद पिछले चुनाव को पैमाना माने तो एक-दो सीट को छोड़कर अन्य जगहों पर जीत-हार का अंतर इतना ज्यादा था कि विपक्ष के लिए सेंधमारी आसान नहीं है। बाड़मेर-जैसलमेर सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार रविंदर सिंह भाटी का मुकाबला कांग्रेस के उम्मेदाराम बेनीवाल

और भाजपा के कैलाश चौधरी से है। चुनाव मैदान में भाटी के आने से मुकाबला त्रिकोणीय बन गया है। भाटी वर्तमान में शेओ विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। भाजपा से बातचीत सफल नहीं होने के बाद वह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरे हैं। युवा उम्मीदवार रविंदर भाटी के साथ उमड़ रही भीड़ ने दोनों प्रमुख दलों के समीकरणों को उलट-पलट दिया है। भाजपा उम्मीदवार और क्षेत्र से निवर्तमान सांसद कैलाश चौधरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर अपनी सीट बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उनका यह बयान चर्चा में है कि उनकी वजह से मोदी को दंडित न किया जाए। इसके अलावा चूरू लोकसभा सीट भी चर्चा में है। यहां भाजपा ने दो बार के सांसद राहुल कस्वा का टिकट काटकर खिलाड़ी देवेंद्र झाझडिया को मैदान में उतारा है। टिकट कटने से नाराज राहुल कांग्रेस के टिकट पर मैदान में हैं। नागौर में कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन में शामिल हनुमान बेनीवाल को समर्थन दिया है। भाजपा ने दिग्गज जाट नेता स्व. नाथूराम मिर्धा की पौत्री ज्योति को उतारा है। ज्योति के पक्ष में तीन पूर्व विधायकों सहित एक हजार कांग्रेसियों ने पार्टी छोड़ी है, लेकिन हनुमान बेनीवाल का अपना मजबूत आधार मुकाबले को दिलचस्प बना रहा है।

अलवर में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की सीट पर सबकी नज़र है। उनका मुकाबला कांग्रेस के विधायक ललित यादव से है। यहां स्थानीय बनाम बाहरी की चर्चा को भूपेंद्र यादव ने रात-दिन कैम्प करके कुछ हद तक कम किया है। वहीं झुंझुनूं में कांग्रेस से दिग्गज नेता शीशराम ओला के पुत्र व पूर्व मंत्री बृजेंद्र ओला और भाजपा से पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी मैदान में हैं। ओला परिवार की मतदाताओं में मजबूत पकड़ और भाजपा की आंतरिक खींचतान के मद्देनज़र यहां कांग्रेस मुकाबले में है।

29 नक्सलियों के मारे जाने पर बोले सीएम साय, अब नक्सली छोड़ दे हिंसा का रास्ता सरकार करेगी न्याय

रायपुर, एजेंसी। 16 अप्रैल 2023 मंगलवार का दिन छत्तीसगढ़ के इतिहास में दर्ज हो गया है। क्योंकि इस दिन छत्तीसगढ़ में जवानों ने बड़ी संख्या में नक्सलियों को मार गिराया है। जवानों ने नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब देते हुए 29 माओवादियों को ढेर कर दिया है। इस बड़ी सफलता के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव? साय ने कहा कि यह नक्सलियों के खात्मे का आगाज है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस बड़ी घटना के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि मंगलवार को दोपहर 2 बजे जिला कांकेर बिछिया क्षेत्र के अंतर्गत आपाटोला के जंगल में छत्तीस, बस्तर के जवानों और नक्सलियों के बीच जमकर मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में हमारे तीन जवान घायल हुए हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है। अभी वह जवान खतरे से बाहर है उनकी स्थिति सामान बनी हुई है। वही हमारे जवानों ने बड़ी संख्या में नक्सलियों को मार गिराया है। यह अब तक की सबसे बड़ी ऐतिहासिक सफलता है। मुख्यमंत्री ने इस सफलता पर सभी जवानों और सुरक्षाकर्मियों को बधाई भी दी है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चर्चा करते हुए कहा कि इस बार नक्सली बड़ी वारदात की कोशिश में थे उनकी इस कोशिश को जवानों ने नाकाम

कर दिया है। सीएम ने कहा कि देश के गृहमंत्री का संकल्प है बस्तर को नक्सली मुक्त बनाने का, जो अब धीरे-धीरे पूरा होने जा रहा है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री साय ने नक्सलियों से अपील करते हुए उन्हें हिंसा का रास्ता छोड़ने और मुख्य धारा में लौटने की बात कही है। सीएम ने कहा कि नक्सली शांति के लिए अगर तैयार हो जाएं तो उन पर न्याय किया जाएगा।

इसके साथ ही विपक्ष के द्वारा इस एनकाउंटर को लेकर सवाल खड़े करने पर सीएम ने कहा कि विपक्ष को हर चीज में प्रश्न चिन्ह खड़ा करना होता है। इन्होंने कभी सर्जिकल स्ट्राइक या फिर एयर स्ट्राइक की कल्पना भी नहीं की थी। यह घटना तो उनके प्रदेश की है, तो फिर कैसे सवाल खड़े कर सकते हैं। सीएम ने विपक्ष से सवाल करते हुए कहा कि अगर यह घटना किसी तरह से फर्जी है तो उसको प्रमाणित करें।

संगीत सोम से टकराव, ठाकुरों का गुस्सा और खापों में बंटवारा

लखनउ, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के पहले राउंड में पश्चिम उत्तर प्रदेश की भी 8 सीटों पर मतदान होना है। इन सीटों में भी सबसे ज्यादा खास मुजफ्फरनगर की सीट मानी जा रही है। चौधरी चरण सिंह के परिवार से कनेक्शन, जाट समाज की बहुलता के चलते इसे हॉट सीट माना जाता रहा है। अकसर कहा जाता है कि जिन सीटों से पश्चिम यूपी का चुनाव तय होता है, उनमें से मुजफ्फरनगर एक है। इस बार यहां बेहद दिलचस्प मुकाबला है और नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री संजीव बालियान यहां से चुनाव लड़ रहे हैं। बसपा से दारा सिंह प्रजापति यहां मैदान में हैं तो सपा के हरेंद्र मलिक उतरे हैं। दोनों का ही बड़ा जनाधार है, जिसके चलते टाइट फाइट मानी जा रही है।

संजीव बालियान के लिए बड़ी मुश्किल यह है कि भाजपा में ही अंतर्कलह की स्थिति है। इसके अलावा ठाकुरों की नाराजगी भी चिंता बढ़ा रही है। इस सीट का इतिहास भी ऐसा है कि चौधरी चरण सिंह जैसे नेता को भी 1971 में यहां से सीपीआई के ठाकुर विजयपाल सिंह के मुकाबले हारना पड़ा था। 1990 के बाद से अब तक भाजपा यहां 5 बार जीत चुकी है। इसके अलावा कांग्रेस, सपा और बसपा भी एक-एक बार विजय हासिल कर चुके हैं। संजीव बालियान खुद यहां से 2014 और 2019 में जीत चुके हैं। पिछली बार तो

वह चौधरी अजित सिंह को 6,500 वोटों से हराकर जीते थे। लेकिन इस बार मुकाबला कठिन माना जा रहा है, जबकि जयंत चौधरी उनके साथ हैं। फिर भी एक समस्या यह है कि सरधना से पूर्व विधायक संगीत सोम उनसे नाराज चल रहे हैं। संगीत सोम का खेमा मानता है कि 2022 के चुनाव में वह विधायक नहीं बन सके तो इसकी वजह बालियान का विरोध था। उनके चलते जाट वोट नहीं मिले और संगीत सोम हार गए। अब संगीत सोम समर्थकों का कहना है कि वे बालियान को वोट क्यों दें? भाजपा नेतृत्व ने कोशिश की है कि दोनों में सुलह करा ली जाए। खुद सीएम योगी आदित्यनाथ ने बालियान और संगीत सोम की मीटिंग ली थी। फिर भी संगीत सोम के तेवर नरम नहीं दिख रहे। इसके अलावा लगातार ठाकुरों की पंचायतें हो रही हैं, जिनमें भाजपा के विरोध के ऐलान हो रहे हैं।

खापों में कैसे हरेंद्र मलिक ने करा दिया बंटवारा : एक मुश्किल यह है कि सपा ने भी जाट कैंडिडेट हरेंद्र मलिक को मैदान में उतारा है। वह चरथावल से मौजूदा विधायक पंकज मलिक के पिता हैं। वह भी जाट वोटों के एक बड़े हिस्से में सेंध लगाते दिख रहे हैं। दरअसल जाटों की दो बड़ी खाप हैं। एक है बालियान खाप, जिससे संजीव बालियान का ताल्लुक हैं। वही हरेंद्र मलिक गठवाला खाप का समर्थन पा रहे हैं। ऐसे में जाटों के वोटों में बंटवारे से स्थिति फंसती दिख रही। फिर सरधना विधानसभा समेत पूरी लोकसभा में ही प्रभावी ठाकुर लगातार बायकॉट की बात कर रहे हैं। यह संकट संजीव बालियान के लिए गहरा है। बसपा ने भी बिगाड़ दिया समीकरण, कैसे प्रजापति ने बढ़ाई चिंता भाजपा के लिए कई सीटों पर बसपा की ओर से सपा समीकरण बिगाड़ना एक उम्मीद हुआ करता था।

सात्विक प्रो० प्रा० लि० कोलकता, पं० बंगाल के लिए प्रकाशक और मुद्रक निभा रंजन सुमन द्वारा स्वप्नोनीर अपार्टमेंट, राजरहाट, कोलकता तथा दलादिली सिमलिया से मुद्रित। संपादक - निभा रंजन सुमन 7033777771 स्थानीय संपादक पवन कुमार सिन्हा 7091094434 सभी तरह के विवादों का निपटारा रांची व्यवहार न्यायालय में होगा।